शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 02 | गुवाहाटी | बुधवार, 26 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

पशु चोरी में भीड़ ने तीन लोगों को जमकर पीटा, एक की मौत व दो घायल पेज 3
राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा किया पेज 4
प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था सिर्फ कागजों तक सीमित : बृजलाल खाबरी पेज 5
बेरोजगारों ने विभिन्न मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ किया सत्याग्रह पेज 8

तुरा में सीएम कार्यालय पर हमला

भाजपा नेता सहित 18 गिरफ्तार, दो टीएमसी नेताओं की तलाश जारी

शिलांग। मेघालय के तुरा में मुख्यमंत्री कार्यालय पर हमला करने के संबंध में भाजपा की महिला मोर्चा की दो पदाधिकारियों सहित कम से कम 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। भाजपा के नेताओं पर हमले करने के मामले में संलिप्तता का आरोप है। इस घटना में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। पुलिस ने सोमवार रात को कार्यालय पर हमला करने के लिए भीड़ को उकसाने के आरोपी तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं की धरपकड़ के लिए तलाश शुरू कर दी है। पुलिस काफी तेजी से आरोपितों की तलाश में जुटी है। बता दें कि हमला जब हुआ, तब सीएम कोनराड के सांग्मा अचिक कॉन्शियस होलिस्टिकली इंटीग्रेटेड क्रिमा (एसीएचआईके) और गारो हिल्स स्टेट मूवमेंट कमेटी (जीएचएसएमसी) के नेताओं के साथ बैठक कर रहे थे। ये नेता तुरा को मेघालय की शीतकालीन राजधानी बनाने की मांग कर रहे थे। हमले के दौरान आगजनी और तोड़फोड़ की गई। गनीमत रही कि घटना में मुख्यमंत्री सांग्मा को कुछ नहीं हुआ और वह सुरक्षित रहे। सोमवार रात तुरा में मुख्यमंत्री कार्यालय में तोड़फोड़ और आगजनी के आरोप में दो महिलाओं समेत 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कम से कम 21 वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज किए

गए हैं। अधिकारी ने बताया कि भाजपा महिला मोर्चा की दो पदाधिकारियों की पहचान बेलिना एम. मराक और दिल्चे च मराक के रूप में की गई है। अधिकारी ने कहा कि भीड़ को हिंसा के लिए उकसाने के आरोप में तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं की तलाश शुरू की गई है। मुख्यमंत्री ने घायल पुलिसकर्मियों के लिए 50-50 हजार रुपए की राहत की घोषणा की है। घायल पुलिसकर्मियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और वे फिलहाल खतरे से बाहर हैं। पुलिस अधिकारियों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। इस घटना के बाद तुरा शहर में रात्रि कर्फ्यू लगा दिया गया।

सीएम को क्षति पहुंचाने की थी योजना : डीजीपी

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड सांग्मा के ऑफिस में सोमवार को हुए हमले पर मेघालय के डीजीपी एलआर बिश्नोई ने मंगलवार को बड़ा खुलासा किया है। बिश्नोई ने मंगलवार को कहा कि सोमवार को तुरा में मुख्यमंत्री के ऑफिस में जो हमला किया गया, वह सुनियोजित थी। मुख्यमंत्री कोनराड सांग्मा पर हमला करने, शारीरिक क्षति पहुंचाने की योजना थी। मेघालय के डीजीपी एल आर बिश्नोई ने दावा किया कि भीड़ की योजना मुख्यमंत्री को जान से मारने की थी। इसके लिए पूर्व योजना बनाई गई थी। उन्होंने बताया कि रविवार को लोगों को शराब बांटी गई, कुछ जगह पर पैसे बांटने की भी पुख्ता जानकारी पुलिस को मिली है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार को तुरा में पूरी शांति बनी रही, कहीं से भी किसी तरह की अशांति की खबर नहीं आई है। मेघालय के पश्चिमी तुरा शहर में मुख्यमंत्री कार्यालय पर हमले के आरोप में पुलिस ने 18 लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

फांगनोन बनीं रास की अध्यक्षता करने वाली नगालैंड की पहली महिला सदस्य

नई दिल्ली (हि.स.)। नगालैंड की पहली महिला राज्य सभा सदस्य एस. फांगनोन कोन्याक ने मंगलवार को सदन की अध्यक्षता की। इससे पहले उन्होंने 17 जुलाई को उप सभापति पैनल में नगालैंड से नियुक्त होने वाली पहली महिला सदस्य बनकर इतिहास रचा था। फांगनोन कोन्याक ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने ट्वीट संदेश में कहा कि आज राज्यसभा की अध्यक्षता करते हुए मैं बेहद -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में ब्रॉडबैंड पर आंशिक रूप से प्रतिबंध हटा, मोबाइल इंटरनेट अब भी निलंबित

इंफाल। मणिपुर सरकार ने मंगलवार को ब्रॉडबैंड इंटरनेट पर लगे प्रतिबंध को सशर्त आंशिक रूप से हटाने की घोषणा की। हालांकि, मोबाइल इंटरनेट पर लगा प्रतिबंध जारी रहेगा। राज्य के गृह विभाग ने एक अधिसूचना में यह जानकारी दी। मणिपुर में पिछले करीब तीन महीने से जारी जातीय हिंसा के कारण इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। राज्य के गृह विभाग के मुताबिक इंटरनेट कनेक्शन केवल स्टेटिक आईपी के माध्यम से उपलब्ध होगा और संबंधित ग्राहक अस्थायी -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

राज्य का आधार अपनी इंद्रियों पर विजय पाना है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

ग्वालपाड़ा में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या

ग्वालपाड़ा। असम के ग्वालपाड़ा जिले में ग्रामीणों ने चोर होने के संदेह में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना सोलमारी कल्याणपुर गांव में हुई जब 28 वर्षीय मृतक सोमवार रात तंबाकू खरीदने गया था। एक अधिकारी ने कहा कि ग्रामीणों ने उसे चोर समझा और उस पर हमला करना शुरू कर दिया। वे पूरी रात उसे पीटते रहे और उस आदमी ने दम तोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति की पहचान सेंगसांग मराक के रूप में हुई है और पुलिस ने मंगलवार सुबह उसकी पत्नी से शिकायत मिलने के बाद उसका शव बरामद किया। -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा : टीएमसी के प्रदेश अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

अगरतला। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की त्रिपुरा इकाई के अध्यक्ष पीयूष कांति बिश्वास ने मंगलवार को अपने पद के साथ-साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया। बिश्वास ने अपने इस्तीफे में कोई कारण नहीं बताया है लेकिन बाद में संवाददाताओं से कहा कि उनके इस कदम की वजह निजी है। त्रिपुरा उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बिश्वास को इस साल फरवरी में -शेष पृष्ठ दो पर

अब नहीं चलेगी अवॉर्ड वापसी पुरस्कार लेने से पहले देनी होगी सहमति

नई दिल्ली। देश में सरकार के किसी फैसले या किसी घटना के विरोध में अपने अवॉर्ड वापस करने की कई घटनाएं सामने आई है। नामचीन लोगों द्वारा पुरस्कार वापस करने से सरकार की भी काफी किरकिरी होती है। वहीं, ऐसी घटनाएं दोबारा न हों इसके लिए एक संसदीय समिति ने खास सुझाव दिया है। संसदीय समिति ने अवॉर्ड देने से पहले प्राप्तकर्ता से अंडरटेकिंग फॉर्म भरवाने की सिफारिश की है। संसदीय समिति ने सुझाव दिया है कि जब भी उनके द्वारा कोई पुरस्कार दिया जाता है, तो प्राप्तकर्ता की सहमति ली जानी चाहिए। समिति के इस सुझाव का उद्देश्य राजनीतिक कारणों द्वारा अवार्ड को वापस न लौटाना है। परिवहन, पर्यटन और संस्कृति विभाग से संबंधित संसदीय स्थायी समिति ने सोमवार को संसद के दोनों सदनों में पेश अपनी रिपोर्ट में यह बात कही। पैनल ने यह भी सुझाव दिया है कि अगर पुरस्कार विजेता इसे लौटाता है तो उसे भविष्य में ऐसे पुरस्कार देने के लिए उसके नाम पर विचार -शेष पृष्ठ दो पर

एनएसए डोभाल की चीन के शीर्ष राजनयिक को दो टूक, कहा

भरोसा टूट रहा...पहले सीमा पर शांति लाओ

जोहानिसबर्ग। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में चीन के शीर्ष राजनयिक वांग यी से मिले जिसमें उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन एवं शांति बहाली के प्रयास जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया ताकि द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की बाधाओं को दूर किया जा सके। डोभाल और वांग की मुलाकात सोमवार को जोहानिसबर्ग में फ्रेंड्स ऑफ ब्रिक्स की बैठक के इतर हुई। डोभाल ने वांग यी से मुलाकात के दौरान दो टूक कहा कि 2020 के बाद से दोनों देशों के बीच का रणनीतिक विश्वास और रिश्ता धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की

स्थिति पर बात करते हुए कहा कि भारत-चीन सीमा पर पश्चिमी सेक्टर में एलएसी पर स्थिति के कारण 2020 के बाद से सामरिक विश्वास तथा सार्वजनिक एवं राजनीतिक संबंध कमजोर हुए हैं सीमाओं पर शांति के बिना दोनों देशों के बीच रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते। बयान के अनुसार, उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन एवं शांति बहाली एवं स्थिति के समाधान के प्रयास जारी रखने के महत्व को रेखांकित किया ताकि द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की बाधाओं को दूर किया जा सके। इसमें कहा गया है कि दोनों पक्षों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि भारत-चीन द्विपक्षीय संबंध न केवल दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण हैं बल्कि क्षेत्र और विश्व के लिए भी अहम हैं। वांग चीन की कम्युनिस्ट पार्टी -शेष पृष्ठ दो पर

विदेश मंत्री के पद से हटाए गए लापता किन गांग

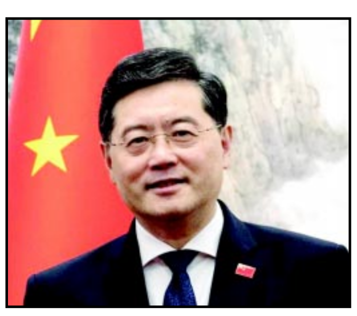

बीजिंग। करीब एक महीने से लापता चल रहे विदेश मंत्री किन गांग को पद से हटा दिया है। उनकी जगह नए विदेश मंत्री का नाम का ऐलान कर दिया है। चीन की सरकारी मीडिया ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि वांग यी को चीन का नया विदेश मंत्री नियुक्त किया गया है। लापता किन गांग को विदेश मंत्री पद से हटा दिया गया है। अटकलें लगाई जा रहीं हैं कि अफेयर और राजनीतिक मदभेद के चलते उन्हें हटाया गया है। हालांकि 57 साल के किन गांग के बारे में अभी भी कोई जानकारी नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में घुसे सात सौ से अधिक म्यांमार नागरिक

सरकार ने असम राइफल्स से मांगी रिपोर्ट

इंफाल। हिंसाग्रस्त मणिपुर में दो दिनों के अंदर 718 म्यांमार नागरिकों के मणिपुर में प्रवेश को लेकर मणिपुर सरकार ने असम राइफल्स से विस्तृत जानकारी मांगी है। मणिपुर सरकार ने असम राइफल्स से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जिसमें

कहा गया है कि कैसे 22 से 23 जुलाई के बीच केवल दो दिनों में 301 बच्चों सहित 718 से अधिक म्यांमार नागरिकों को कथित तौर पर उचित यात्रा दस्तावेजों के बिना भारत में प्रवेश करने की अनुमति दी गई। सूत्रों के मुताबिक इससे पहले असम राइफल्स ने पहले चंदेल जिले के डिप्टी कमिश्नर को सूचित किया था कि खमपत में चल रही झड़पों के कारण 23 जुलाई को 718 नए शरणार्थी भारत-म्यांमार सीमा पार कर चंदेल जिले के माध्यम से मणिपुर में प्रवेश कर गए थे। सूत्रों के मुताबिक सोमवार देर रात असम राइफल्स को एक पत्र में मणिपुर के मुख्य सचिव विनीत जोशी ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले सीमा सुरक्षा बल को वैध वीजा/यात्रा दस्तावेजों के बिना मणिपुर में म्यांमार के नागरिकों के प्रवेश को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करने का -शेष पृष्ठ दो पर

एनआईए ने की मिजोरम में हथियार जब्ती मामले में बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मिजोरम में विस्फोटक, हथियार और गोला-बारूद जब्ती मामले में चल रही जांच के सिलसिले में म्यांमार के एक नागरिक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी मंगलवार को एजेंसी ने दी। एनआईए ने यह छापेमारी मिजोरम से म्यांमार तक विस्फोटकों, हथियारों की चोरी और परिवहन से जुड़े संदिग्धों के घरों पर मारे गए। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान जे रोहलुपुइया (55), और सी लालडिनसागा (43), दोनों भारतीय और बर्मी नागरिक हेनरी सियांगनुना के रूप में की गई है। यह मामला एक मई 2022 को द्वितीय -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में घटी गरीबी : नीति आयोग की रिपोर्ट

पटना। नीति आयोग द्वारा जारी बहुआयामी गरीबी सूचकांक के प्रतिवेदन के अनुसार बिहार राज्य ने गरीबी में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की है। वर्ष 2015-16 की तुलना में बिहार राज्य का गरीबी प्रतिशत 51.89 से घट कर वर्ष 2019-21 में 33.76 प्रतिशत हो गया है। इस प्रकार बिहार राज्य में 18.13 प्रतिशत गरीबी कम हुई है, जो देश के अन्य राज्यों की तुलना में सर्वाधिक कमी है। यह उपलब्धि केंद्र की उदार नीतियों की वजह से नहीं बल्कि राज्य के कल्याणकारी योजनाओं एवं बेहतर वित्तीय प्रबंधन के कारण हुई। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार से राज्यों को केंद्रीय वित्त आयोग की अनुशंसा के आलोक में केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा पित आयोग द्वारा

अनुशासित अनुदान अतिरिक्त केंद्रीय प्रायोजित स्कीम एवं केंद्रीय क्षेत्र स्कीम में अनुदान प्राप्त होता है, जो निम्नवत है-
1. विभाज्य पूल में राज्यों का हिस्सा - केंद्रीय वित्त आयोग केंद्र सरकार द्वारा एकत्र किए गए निवल (एनईटी) करों के एक हिस्से को विभिन्न राज्यों के बीच अंतरित किए जाने की अनुशंसा करता है। केंद्रीय करों में राजा की हिस्सेदारी केंद्रीय विश आयोग की अनुशंसा पर निर्धारित होती है न कि केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय वित्त आयोग एक संवैधानिक संस्था है और इसकी अनुशंसा पर मिलने वाला राजस्व राज्य का संवैधानिक अधिकार है। राज्यों के बी विभाज्य पूल में प्रत्येक राज्य का हिस्सा डीविज हिस्सेदारी के रूप में जाना जाता है। बिहार राज्य का हिस्सा विगत कई केंद्रीय वित्त आयोग की अनुशंसाओं में लगातार कम होता रहा है। 13 वित्त आयोग (वर्ष 2010-15) में यह 10, 917 प्रतिशत था -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तानी मीडिया का दावा

अंजू बनी फातिमा, नसरुल्लाह से किया निकाह

इस्लामाबाद। राजस्थान की अंजू के पाकिस्तान जाने का मामला सुर्खियों में बना हुआ है। हालांकि अब खबर ये आ रही है कि पाकिस्तान पहुंची अंजू ने नसरुल्लाह से शादी कर ली है। पाकिस्तानी मीडिया में दावा किया जा रहा है कि अंजू ने नसरुल्लाह से कोर्ट मैरिज की है। साथ ही अंजू ने नसरुल्लाह से शादी करने के बाद इस्लाम धर्म भी अपना लिया है। पाकिस्तानी चैनल जिओ टीवी ने दावा किया है कि अंजू ने दीर के रहने वाले नसरुल्लाह से कोर्ट मैरिज की है। दोनों ने एक जिला एवं सत्र न्यायाधीश की स्थानीय अदालत में शादी रचाई है। मलकंद डिवीजन के उप महानिरीक्षक नासिर महमूद सत्ती ने 35 वर्षीय अंजू

और 29 वर्षीय नसरुल्लाह के निकाह की पुष्टि करते हुए बताया कि महिला ने इस्लाम धर्म अपनाने के बाद फातिमा नाम रखा है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय महिला को पुलिस सुरक्षा के बीच अदालत -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

लोस में बहु-राज्य सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक पारित

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा में मंगलवार को सहकारिता क्षेत्र में जवाबदेही लाने और चुनाव प्रक्रिया में सुधार से जुड़ा विधेयक पारित हो गया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि इससे सहकारिता आंदोलन को बल मिलेगा। लोकसभा में आज बहु-राज्य सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक 2022 ध्वनिमत से पारित किया गया। विधेयक को पेश करते और चर्चा का जवाब देते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि इस विधेयक में कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं। इससे सहकारिता आदोलन को और अधिक बल मिलेगा। शाह ने कहा कि बहु-राज्य सहकारी समिति (संशोधन) विधेयक 2022 में संशोधन कर इसे और प्रभावी बनाने का प्रयास किया गया है। इसमें हुए संशोधन से व्यवसाय में आसानी होगी। सहकारी संस्थानों के कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आएगी। उन्होंने कहा कि इस संशोधन के माध्यम से अब सहकारी समितियों के प्रबंधन में होने वाली मनमानी खत्म होगी। विधेयक में सहकारी सूचना अधिकारी, सहकारी चुनाव प्राधिकरण, सहकारी लोकपाल जैसे नियमों का प्रावधान किया गया गया है। सहकारी संस्थानों में से भाई-भतीजावाद खत्म हो इसके लिए भी प्रावधान किया गया है। शाह ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से देश के 60 करोड़ लोगों को केंद्र सरकार सशक्त करने की पहल कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश में लगभग 8.5 लाख सहकारी समितियां हैं। इन समितियों से करीब 29 करोड़ सदस्य जुड़े हैं। ये समितियां कृषि प्रसंस्करण, डेयरी, मत्स्य पालन, आवासन, बुनाई, ऋृण और विपणन समेत विविध कार्य कर सकेंगी। शाह ने कहा कि भारत में सहकारिता आंदोलन लगभग 115 वर्ष पुराना है। यह क्षेत्र लाखों लोगों को रोजगार दे रहा है। लेकिन बीते 75 वर्षों में सहकारिता आंदोलन कमजोर पड़ गया था। लेकिन मोदी सरकार ने सहकारिता मंत्रालय बनाकर इस क्षेत्र को सशक्त बनाया है। शाह ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में न तो सहकारिता आंदोलन पर ध्यान दिया गया और न कानूनों में बदलाव हुआ और ना ही देश की संसद में राष्ट्रीय स्तर पर और राज्य के स्तर पर इन्हें बदलने के लिए मंथन हुआ। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद मुझे पूर्ण विश्वास है कि आने वाले 25 साल में सहकारिता आंदोलन एक बार फिर से देश के विकास में अहम् योगदान देगा। शाह ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में सुधार लाने के लिए बीते दो वर्षो में अनेक कदम उठाए गए हैं। सबसे पहले प्राथमिक कृषि ऋृण सोसाइटी (पैक्स) को पुनर्जीवित कर उसे बहुआयामी बनाने के लिए ढेर सारे काम किए। सहकारिता मंत्रालय बनने के बाद 63 हजार पैक्स का कंप्यूटराइज़ेशन करने का निर्णय लिया। इससे पैक्स डिस्ट्रिक्ट को ऑपरेटिव बैंक, स्टेट को ऑपरेटिव बैंक और नाबार्ड के जुड़ गए। पैक्स को भंडारण योजना से जोड़ा गया है। इससे गांव के अनाज का गांव में ही भंडारण होगा और पैक्स की इनकम भी हो सकेगी। अब गांवों में जलापूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए पैक्स पानी समिति बनकर वितरण व्यवस्था का भी काम करेंगे। शाह ने कहा कि नए बाई लॉज के हिसाब से अब पैक्स एफपीओ का भी काम करेंगे साथ ही सिलेंडर वितरण से लेकर जनऔषधि केंद्र भी पैक्स चला रहे हैं। शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने पैक्स के लिए एक मॉडल बाई-लॉज बना कर सभी राज्यों को भेजा। शाह ने कहा कि उन्हें आनंद है कि पश्चिम बंगाल और केरल को छोड़कर सभी राज्यों ने इसे स्वीकार कर लिया है। आज देश भर के पैक्स एक ही कानून से चल रहे हैं। शाह ने कहा कि हम इस साल विजयादशमी या दिवाली से पहले एक नई सहकारी नीति लाएंगे।

ममता ने पीएम पर कसा तंज, कहा-

मेरे ख्याल से प्रधानमंत्री मोदी को इंडिया नाम बेहद पसंद है

कोलकाता। विपक्ष के गठबंधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी को लेकर उन पर तंज कसते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उनके ख्याल से उन्हें (प्रधानमंत्री को) *इंडिया* नाम पसंद है। राजभवन में राज्यपाल सीवी आनंद बोस के साथ एक संक्षिप्त बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बनर्जी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विपक्षी गठबंधन के बारे में जितनी गलत बातें करेगी, उतना ही वह (पार्टी) इसके प्रति अपनी पसंद साबित करेगी। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री को धन्यवाद। मुझे लगता है कि उन्हें इंडिया नाम पसंद है। आम लोगों की तरह उन्होंने भी इसे स्वीकार कर लिया है। जितना अधिक वे नाम के बारे में बुरा बोलेंगे, उतना ही अधिक वे इसके प्रति अपनी पसंद साबित करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को भाजपा के संसदीय दल की बैठक में विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) को देश का अब तक का सबसे दिशाहीन गठबंधन करार दिया। उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी और इंडियन मुजाहिदीन जैसे नामों का हवाला देते हुए कहा कि केवल देश के नाम के इस्तेमाल से लोगों को गुमराह नहीं किया जा सकता।

समालखा विधायक के आवास पर ईडी का छापा

चंडीगढ़ (हिंस)। इंफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने समालखा से कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छोकर के आवास पर छापा मारा है। ईडी की टीमों ने मंगलवार सुबह करीब नौ बजे से बाद दोपहर तीन बजे तक सर्च की। ईडी की टीम ने उनके पेट्रोल पंप से लेकर प्रॉपर्टी डीलिंग से जुड़े तमाम दस्तावेज खंगाले। इसके अलावा टीम ने विधायक के पिछले कामों की भी जांच की है। ईडी की टीम जीटी रोड स्थित उनके आवास पर आज सुबह पहुंची, जहां उन्होंने सभी रिकॉर्ड को अपने कब्जे में लिया। जांच के कारण कोठी से किसी भी व्यक्ति को अंदर-बाहर नहीं आने-जाने दिया गया। इस बीच ईडी की एक टीम ने छोकर के गुरुग्राम आवास पर भी रेड की। यहां

पुत्री के प्रेम विवाह से आहत होकर माता-पिता ने दी जान

पाली (हिंस)। पाली शहर के जोधपुर रोड स्थित घुमटी के निकट पुत्री के दूसरी जाति में विवाह करने से आहत होकर मंगलवार सुबह माता-पिता ने जोधपुर-रतलाम ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। शवों को बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। सदर थाना के एएसआई सत्यनारायण राजपुरोहित ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड निवासी मीरा-अशोक की पुत्र ने दूसरी जाति के युवक से प्रेम विवाह कर लिया। इसे लेकर माता-पिता ने युवती से प्रेम विवाह नहीं करने को लेकर कई बार समझाइश का प्रयास किया। लेकिन, पुत्री अपनी जिद पर अड़ी रही। इससे आहत होकर मंगलवार को माता व पिता ने जोधपुर रोड स्थित घुमटी के निकट जोधपुर-रतलाम ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी। मृतकों की पहचान हाऊसिंग बोर्ड निवासी 55 साल के अशोक व्यास और उनकी पत्नी 50 साल की मीना व्यास के रूप में हुई। हादसे के कारण जोधपुर-इंदौर ट्रेन करीब एक घंटे तक रूकी रही।

विधायकों के जरिए मिली जन शिकायतों का निपटारा करने को तरजीह दें अफसर : स्पीकर

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विधानसभा स्पीकर कुलतार सिंह संधवा ने कई विधायकों द्वारा रखी गई आम लोगों की अलग-अलग समस्याओं का तुरंत व उपयुक्त हल सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। संधवा ने मंगलवार को पंजाब विधान सभा सचिवालय में पंजाब के वित्त, ट्रांसपोर्ट, स्वास्थ्य और गृह विभाग के सीनियर अधिकारियों, अलग-अलग बैंकों के जोनल मैनेजरों के साथ इन समस्याओं का निपटारा करने के लिए विचार-विमर्श किया। संधवा ने बताया कि सरकारी और निजी बैंकों की ओर से कर्ज मंजूरी के समय ही कर्ज लेने वाले व्यक्ति का साथ ही बीमा किया जाता है, जबकि ऐसा कोई कानून नहीं है। उन्होंने जोनल बैंक मैनेजरों को कहा कि आम लोगों और किसानों की तरफ से अलग- अलग कर्जे लेने के मौके पर बिना सहमति बीमा न किया जाए। विचार- विमर्श के दौरान बैंक मैनेजरों ने स्पीकर को बताया कहा कि कर्ज लेने के लिए ऐसी कोई शर्त अनिवार्य नहीं है। संधवा ने अलग-अलग बैंकों के जोनल मैनेजरों को कहा कि वह अपने संबंधित बैंकों में *कर्ज लेने के लिए बीमा करवाना अनिवार्य नहीं है,* यह लिख कर सही ढंग से उचित जगह पर डिस्पले करें और कर्ज लेने संबंधी निर्देशों का पंजाबी अनुवाद करके कर्ज लेने वाले व्यक्ति को देना सुनिश्चित करें।

जयपुर में सत्तर लाख रुपए का सोना सहित एक तस्कर गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। जयपुर एयरपोर्ट पर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) टीम ने कार्रवाई करते हुए एक किलो 166 ग्राम सोने के साथ नागौर निवासी एक तस्कर को गिरफ्तार किया हैं। जिसे कोर्ट के सामने पेश किया था, जहां से कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया। बताया जा रहा है कि तस्कर से जब्त किए गए सोने की बाजार कीमत सत्तर लाख रुपए आंकी गई है। डीआरआई टीम ने बताया कि गिरफ्तार किया गया युवक तीन महीने पहले ही नौकरी के सिलसिले में दुबई गया था। इसके बाद वह पहली बार दुबई से राजस्थान आ रहा था। एयरपोर्ट पर उतरने के बाद टीम ने यात्री के सामान की जांच की तो सोना नहीं मिला। इसके बाद यात्री को भी चेक किया लेकिन उसके पास भी सोना नहीं मिला। चैकिंग के दौरान टीम को उसके सामान में रखे तंबाकू के पानदान पर नजर पड़ी और पूछताछ की। इस पर युवक ने बताया कि यह मैटल का है। शक होने पर जब इसे चैक किया तो इसमें से सोना निकलना शुरू हुआ। यह सोना पानदान बॉक्स के चारों तरफ लपेटा हुआ था। पूछताछ में आरोपित ने सोना के बारे में जानकारी होने से इनकार किया है। जयपुर एयरपोर्ट पर कस्टम और डीआरआई की टीमों की सख्ती के चलते करोड़ों रुपए का सोना और मादक पदार्थ अब तक पकड़ा जा चुका है। लेकिन इसके बाद भी जयपुर एयरपोर्ट पर तस्करी का सिलसिला लगातार चल रहा है।

पृष्ठ एक का शेष

सीएम को क्षति ...

को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में दो महिला भाजपा पदाधिकारी भी शामिल हैं। सीएम कार्यालय पर हमले में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। सीएम कार्यालय पर हमले के लिए उकसाने का आरोप दो टीएमसी नेताओं पर लगा है, जिनकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है। अचिक कॉन्सियस हॉलिस्टिकली इंटीग्रेटेड क्रिमा और गारो हिल्स स्टेट मूवमेंट कमेटी के नेता तुरा को राज्य की शीतकालीन राजधानी बनाने की मांग कर रहे हैं। ऐसे में सोमवार शाम में मुख्यमंत्री कोनराड के सांग्मा प्रदर्शनकारियों से मुलाकात करने पहुंचे थे। जब सीएम कार्यालय में मुख्यमंत्री प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर रहे थे, इसी दौरान लोगों की भीड़ ने कार्यालय पर हमला कर दिया था। इस हमले में मुख्यमंत्री को कोई नुकसान नहीं हुआ लेकिन पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और बड़ी मुश्किल से हालात पर काबू पाया। गुरुवार को पुलिस ने बताया कि सीएम ऑफिस पर हमले के आरोप में 18 लोग गिरफ्तार किए गए हैं, जिनमें भाजपा महिला मोर्चा की दो नेता, बेलिना एम मराक और दिलचे च मराक भी शामिल हैं। भीड़ को उकसाने का आरोप टीएमसी के दो नेताओं पर लगा है, जिनकी पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है। भीड़ के हमले में घायल हुए पुलिसकर्मियों के इलाज के लिए मुख्यमंत्री ने 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि देने का एलान किया है। हालात को देखते हुए जिले के डिप्टी कमिश्नर जगदीश चेलानी ने तुरा शहर में रात के समय कर्फ्यू लगा दिया और कानून व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है। एहतियातन तुरा शहर में शिक्षण संस्थान भी मंगलवार को बंद रखे गए हैं। हालांकि बाजार खुले हैं।

फांगनोन बनीं रास ...

गौरवान्वित, विनम्र और अभिभूत महसूस कर रही हूं। खुशी है कि संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (पांचवां संशोधन) विधेयक, 2022 सदन द्वारा पारित होने के साथ यह सार्थक रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में आज महिलाओं को राजनीति और नेतृत्व में उचित सम्मान और स्थान दिया जा रहा है। इस अवसर के लिए राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ को मेरा हृदय से आभार। उल्लेखनीय है कि लैंगिक समानता लाते हुए राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने पिछले सप्ताह 20 जुलाई को उप सभापति पैनल में चार महिला सदस्यों (कुल संख्या का 50 प्रतिशत) को नामित किया था। यह भी उल्लेखनीय है कि पैनल में नामित सभी महिला सदस्य पहली बार सांसद बनी हैं। मानसून सत्र से पहले पुनर्गठित पैनल में कुल आठ नाम हैं, जिनमें से आधी महिलाएं हैं। उच्च सदन के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि उप सभापति पैनल में महिला सदस्यों को समान प्रतिनिधित्व दिया गया है। आठ सदस्यीय पैनल में अब चार महिला सदस्य हैं, जिनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद पीटी उषा और एस. फांगनोन कोन्याक, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सांसद फौजिया खान और बीजू जनता दल सांसद सुलता देव शामिल हैं। एस. फांगनोन कोन्याक भारतीय जनता पार्टी की सदस्य हैं और राज्य सभा सदस्य के रूप में अप्रैल, 2022 में निर्वाचित होने वाली नगालैंड की पहली महिला हैं। वह संसद या राज्य विधान सभा के किसी सदन के लिए चुनी जाने वाली राज्य की दूसरी महिला हैं। वहीं पीटी उषा पद्मश्री पुरस्कार विजेता और एक प्रसिद्ध एथलीट हैं। उन्हें जुलाई, 2022 में राज्य सभा के लिए नामनिर्देशित किया गया था। वह रक्षा समिति, युवा मामले और खेल मंत्रालय की सलाहकार समिति और नैतिकता समिति की सदस्य हैं। वह परिवहन, पर्यटन और संस्कृति समिति, उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्रालय की सलाहकार समिति, महिला सशक्तिकरण समिति, सदन समिति की सदस्य और उत्तर-पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान संस्थान, शिलांग की गवर्निंग काउंसिल की सदस्य हैं। डॉ. फौजिया खान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से हैं और अप्रैल, 2020 में राज्य सभा के लिए चुनी गईं। वह महिला सशक्तिकरण समिति, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण समिति, कानून और न्याय मंत्रालय की सलाहकार समिति की सदस्य हैं। सुलता देव बीजू जनता दल से हैं और जुलाई, 2022 में राज्य सभा के लिए चुनी गईं। वह उद्योग समिति, महिला सशक्तिकरण समिति, लाभ के पद पर संयुक्त समिति, संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीएलएडीएस) समिति और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की सलाहकार समिति की सदस्य हैं।

मणिपुर में ब्रॉडबैंड पर ...

तौर पर दी गयी अनुमति वाले कनेक्शन के अलावा कोई अन्य कनेक्शन स्वीकार नहीं करेगा। (इस शर्त का अनुपालन न करने के लिए टीएसपी/आईएसपी को जिम्मेदार ठहराया जाएगा)। संबंधित ग्राहक को किसी भी कीमत की अदायगी पर किसी भी राउटर और सिस्टम से वाईफ़ाई हॉटस्पॉट की अनुमति नहीं दी जाएगी। गृह विभाग ने बताया कि सरकार ने लोगों की पीड़ा पर विचार किया है, क्योंकि इंटरनेट पर प्रतिबंध के कारण कार्यालय और संस्थान प्रभावित हुए हैं और लोग घर से काम कर रहे हैं, इसके अलावा मोबाइल रिचार्ज, एलपीजी सिलेंडर बुकिंग, बिजली बिल का भुगतान और अन्य ऑनलाइन सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं। गृह विभाग ने कहा कि ब्रॉडबैंड इंटरनेट पर लगा प्रतिबंध कुछ शर्तों के साथ आंशिक रूप से हटाया जा रहा है।

अब नहीं चलेगी ...

नहीं किया जाए। समिति ने कहा कि इससे पुरस्कारों की साख पर असर पड़ रहा है। इससे बचने के लिए कमेटी ने सरकार से एक ऐसी व्यवस्था बनाने की सिफारिश की है, जिसमें पुरस्कार देने से पहले अवॉर्ड पाने वाले कलाकार, लेखक और अन्य बुद्धिजीवी से इस बात की सहमति ले ली जाए कि वह भविष्य में पुरस्कार वापस नहीं करेंगे। संसदीय समिति ने राष्ट्रीय अकादमियों और अन्य सांस्कृतिक संस्थानों के कामकाज पर अपनी थ्री हंड्रेड फिफ्टी फर्स्ट रिपोर्ट में कहा है कि पुरस्कारों की वापसी देश के लिए अपमानजनक है। इस रिपोर्ट पर राज्यसभा सचिवालय ने भी बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि समिति ने इस बात पर जोर दिया है कि साहित्य अकादमी या अन्य अकादमियां अराजनीतिक संगठन हैं। इसमें राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। ऐसे में जब भी कोई पुरस्कार दिया जाए, तो प्राप्तकर्ता की सहमति अवश्य ली जानी चाहिए। ताकि वह राजनीतिक कारणों से इसे वापस न लौटाए, क्योंकि यह देश के लिए अपमानजनक है। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट में 2015 में कर्नाटक के प्रख्यात लेखक कलबुर्गी की हत्या का जिक्र करते हुए उसके विरोध में अवॉर्ड वापसी का भी जिक्र किया है। बता दें कि संस्कृति मंत्रालय से जुड़ी संसद की इस स्थाई समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य शामिल हैं। इसकी अध्यक्षता राज्यसभा सांसद और वाईएसआर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी विजयसाय रेड्डी कर रहे हैं।

भरोसा टूट रहा...पहले ...

की केंद्रीय समिति में विदेश मामलों के आयोग कार्यालय के निदेशक हैं। डोभाल और उनकी मुलाकात इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में विदेश मंत्री एस जयशंकर और वांग के बीच बैठक के कुछ दिन बाद हुई। जयशंकर और वांग ने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और अमन-चैन से संबंधित लंबित मुद्दों पर चर्चा की थी। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में पिछले तीन साल से सैन्य गतिरोध जारी है। जयशंकर ने इसे अपने लंबे राजनयिक करियर की सबसे जटिल चुनौती बताया है। भारत ने स्पष्ट किया है कि जब तक सीमा क्षेत्र में शांति कायम नहीं होगी, तब तक द्विपक्षीय संबंध सामान्य नहीं हो सकते। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, डोभाल से मुलाकात में वांग ने कहा कि दोनों देशों को आपसी रणनीतिक विश्वास बढ़ाना चाहिए, आम सहमति एवं सहयोग पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, बाधाओं को दूर करना चाहिए और द्विपक्षीय संबंधों को जल्द से जल्द मजबूत तथा स्थिर विकास के रास्ते पर ले जाना चाहिए। एजेंसी के अनुसार, वांग ने जोर देकर कहा कि चीन कभी आधिपत्य स्थापित करने का प्रयास नहीं करेगा और वह बहुपक्षवाद एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लोकतंत्रीकरण का समर्थन करने तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के अधिक न्यायसंगत विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत सहित अन्य विकासशील देशों के साथ काम करने को तैयार है। इससे पहले, डोभाल ने सोमवार को फ्रेंड्स ऑफ ब्रिक्स की बैठक में साइबर सुरक्षा से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया। एनएसए ने ब्रिक्स और फ्रेंड्स ऑफ ब्रिक्स समूह के देशों के अपने समकक्षों के साथ कई द्विपक्षीय चर्चाएं भी कीं। दक्षिण अफ्रीका अगले महीने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। ब्रिक्स देशों में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

विदेश मंत्री के पद...

मिल सकी है। साथ ही इस दौरान उनकी जगह विदेश मंत्रालय का काम काज कौन देख रहा था इसकी भी कोई जानकारी नहीं मिली थी। किन गांग आखिरी बार 25 जून को देखे गए थे, तब वह एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए जिसमें वह रूसी, श्रीलंकाई और वियतनामी अधिकारियों के साथ बैठक में शामिल हुए थे। इसके बाद से उन्हें सार्वजनिक तौर पर नहीं देखा गया। चीनी की सरकारी मीडिया शिन्हुआ ने नए घटनाक्रम के बारे में बताया कि चीन की शीर्ष विधायिका ने आज मंगलवार को एक विशेष सत्र बुलाकर वांग यी को नया विदेश मंत्री नियुक्त करने के लिए मतदान किया। इससे पहले किन गांग के मंत्रालय ने बाद में मामले की जानकारी देते हुए कहा कि वह स्वास्थ्य कारणों से काम से दूर हैं। हालांकि उनकी बीमारी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। किन गांग को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का बेहद करीबी माना जाता रहा है और उन्हें पिछले साल दिसंबर में ही विदेश मंत्री बनाया गया था। किन गांग चीन में बेहद चर्चित राजनीतिक चेहरों में गिने जाते हैं। उनकी लंबी गैर-मौजूदगी ने लोगों को खासा हैरान कर दिया था। यही नहीं आम चीनी लोग भी इस नेता के लापता होने को लेकर चिंतित बताए गए। दूसरी ओर, चीनी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर किन गांग को लेकर एक अलग तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि किन गांग पर विवाहेतर संबंधों के आरोपों को लेकर जांच चल रही है। हालांकि पिछले साल जब उन्हें विदेश मंत्री के तौर नियुक्त किया गया था तो लोगों को इस चयन पर खासी हैरानी हुई थी। किन गांग चीन के इतिहास में इस उच्च पद पर काबिज होने वाले सबसे कम उम्र वाले लोगों में से एक नेता रहे हैं।

सरकार ने असम ...

निर्देश दिया था। जानकारी के मुताबिक राज्य सरकार ने तथ्यों और ठोस परिस्थितियों/कारणों पर स्पष्टीकरण के लिए असम राइफल्स अथॉरिटी से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है कि क्यों और कैसे इन 718 म्यांमार नागरिकों को उचित यात्रा दस्तावेजों के बिना चंदेल जिले में भारत में प्रवेश करने की अनुमति दी गई। बताया जा रहा है कि इसमें जोशी ने उन सभी 718 अवैध म्यांमार नागरिकों को तुरंत वापस भेजने की सलाह दी है। उल्लेखनीय है कि असम राइफल्स ने पहले चंदेल जिले के डिप्टी कमिश्नर को सूचित किया था कि खमपत में चल रही झड़पों के कारण 23 जुलाई को 718 नए शरणार्थी भारत-म्यांमार सीमा पार कर चंदेल जिले के माध्यम से मणिपुर में प्रवेश कर गए थे। मणिपुर सरकार का यह कदम राज्य में म्यांमार के नागरिकों की आमद के सुरक्षा प्रभावों के बारे में बढ़ती चिंताओं के बीच आया है।

एनआईए ने की ...

बटालियन एआर की असम राइफल्स नाका टीम द्वारा मिजोरम के आइजोल के कुलिकावन थाने से विस्फोटकों और आग्नेयास्त्रों से लदे दो पिकअप ट्रकों की जब्ती से संबंधित है। इस खेप में 200 छड़ों के 223 बक्से, बारूद, हथियार शामिल थे। एनआईए के प्रवक्ता ने कहा कि जांच से पता चला है कि म्यांमार के नागरिक हेनरी सियांगनुना ने रोहलुपुइया के साथ मिलकर अवैध रूप से हथियार डीलर लाइसेंस का उपयोग करके हथियार खरीदे थे, जिन्हें आगे सीमा पार म्यांमार ले जाया जा रहा था। वहीं पकड़े एक आरोपी लालडिनसागा के विस्फोटक लाइसेंस का इस्तेमाल म्यांमार को आगे की आपूर्ति के लिए गुवाहाटी में एक विस्फोटक आपूर्तिकर्ता फर्म से विस्फोटक खरीदने के लिए किया गया था। प्रवक्ता ने कहा, विस्फोटकों और हथियारों से युक्त पूरी खेप कुलिकॉन, आइजोल में पकड़ी गई, जिससे तत्काल मामले की जांच शुरू हो गई। एनआईए हथियार और विस्फोटक तस्करी रैकेट में आरोपियों के आगे के संबंधों का पता लगाने के लिए मामले में अपनी जांच जारी रखेगी।

बिहार में घटी ...

जो 14वें वित्त आयोग (वर्ष 2015 -20) में घट कर 9665 प्रतिशत एवं 15वें वित्त आयोग वर्ष 2020-21 में 10,061 प्रतिशत तथा वर्ष 2021-26 में 10.058 प्रतिशत हो गया है। 13वें वित्त आयोग (वर्ष 2010-15) में बिहार राज्य के लिए क्षतिज हिस्सेदारी की तुलना में 14वें वित्त आयोग (वर्ष 2015-20) एवं 15वें वित्त आयोग (वर्ष 2020-21 वर्ष 2021-26) में सैतिज हिस्सेदारी में जी प्रतिशत कमी की गई है, उसके अनुसार बिहार राज्य को 61195.80 करोड़ रुपए की क्षति हुई है. जिसे निम्न तालिका द्वारा देखा जा सकता है-

2. केंद्रीय प्रायोजित स्कीम के शेयरिंग पेटर्न में बदलाव- केंद्रीय प्रायोजित स्कीम की राय एवं इसके वित्तपोषण में केंद्र राज्य के अनुपात में निरंतर परिवर्तन हो रहा है। यह परिवर्तन बिहार राज्य के लिए प्रतिकूल रहा है। उल्लेखनीय है वर्ष 2015-16 के पूर्व केंद्रीय प्रायोजित स्कीम में केंद्र राज्य के बीग के व्यास का अनुपात 1000 90:10 85 15 एवं 25 25 का था, जो वर्ष 2015-16 के बाद सामान्य तौर 60:40 तथा कई स्कीमों में 50:50 का हो गया है। वहीं दूसरी और जहां वर्ष 2015-16 के पूर्व केंद्रीय प्रायोजित स्कीम की संख्या 28 सीमित की गई थी। वह आज बढ़कर 100 से अधिक हो गई है। इस परिवर्तन से बिहार राज्य के अपने स्कीम के पित पोषण पर अतिरिक्त दबाब तथा पूजीगत कार्यों हेतु संसाधन में कमी हुई है। वर्ष 2015-16 में राज्य की वार्षिक स्कीम में केंद्रीय प्रायोजित स्कीम के केंद्र या हिस्सा जहां 29 प्रतिशत था वह वर्ष 2022-23 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया है, जिसके कारण राज्य को 31,000 करोड़ रुपए की अति हुई है। वर्ष 2015-16 से वर्ष-2022-23 के बीच राज्य की वार्षिक स्कीम में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी निरंतर कम होती गई है, जिसे निम्नलिखित तालिका द्वारा देखा जा सकता है- केंद्र द्वारा राज्यों को दिए जाने वाले अनुदान में एक बड़ा हिस्सा वित्त आयोग की अनुशंसा पर मिलने वाला अनुदान है। वित्त आयोग अनुदान के अन्तर्गत ग्रामीण तथा शहरी स्थानीय निकाय, राज्य आपदा राहत कोष तथा राज्य आपदा समन कोष एवं स्वास्थ्य अनुदान मद में राशि प्राप्त हो रही है। इसके अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2017-18 से वित्तीय वर्ष 2022-23 तक जीएसटी क्षतिपूर्ति अनुदान भी प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार केंद्र द्वारा राज्यों को केंद्रीय प्रायोजित स्कीम के अन्तर्गत प्राप्त होने वाली राशि में निरंतर कमी हुई है।

3. केंद्रीय प्रायोजित स्कीम में केंद्र द्वारा अपनी हिस्सेदारी में निरंतर कमी करना एवं स्कीम पर केपिंग करना- उदाहरण के तौर पर सर्व शिक्षा अभियान / समग्र शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015-16 में केंद्र की राशि 3799.29 करोड़ रुपए प्राप्त हुई थी, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 में घटकर 2623.99 करोड रुपए हो गई है। इस प्रकार 1175.39 करोड़ रुपए की क्षति राज्य को हुई है। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2014-15 से वित्तीय वर्ष 2021-22 तक अन्य पिछड़ा वर्ग प्री-मैट्रिक छात्रवृति योजना में केंद्र सरकार का 0.85 प्रतिशत अंशदान रहने के कारण 10222.15 करोड़ रुपए एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना में 20.05 प्रतिशत अंशदान रहने के कारण 1996.37 करोड़ रुपए राज्य सरकार को वहन करना पड़ा है जबकि दोनों योजनाएं केंद्र प्रायोजित योजना है एवं इन योजनाओं में केंद्रांश राज्यम50.50 एवं 100:0 प्रतिशत है। इसी प्रकार इन्दिरा गांधी वृद्धावस्था पेंशन योजना अंतर्गत राज्य में कुल पेंशनधारियों की संख्या 34,80,751 है, जिसमें भारत सरकार द्वारा मात्र 31.57.256. लाभुकों को ही पेंशन की राशि प्राप्त होती है। शेष 3,23,495 लाभुक पेंशनधारी को शत-प्रतिशत पेंशन राशि लगभग 1358.28 करोड़ रूपये का वहन राज्य सरकार द्वारा अपने स्त्रोत अर्थात् राज्य योजना मद से किया गया है। राज्य के प्रति केंद्र की उदासीनता के बावजूद भी राज्य की यह उपलब्धि अभूतपूर्व है और बिहार राज्य ने विकास के पैमाने पर अपनी विश्वसनीयता कायम की है।

अंजू बनी फातिमा...

से घर भेज दिया गया है। बता दें कि अंजू और नसरुल्लाह ने धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मर्जी से निकाहनामा पर हस्ताक्षर किए हैं। अंजू ने कोर्ट को बताया कि वह अपनी मर्जी से पाकिस्तान आई है और यहां बहुत खुश है। पुलिस ने पुष्टि करते हुए बताया कि अंजू 22 जुलाई को वाघा सीमा बॉर्डर के माध्यम से पाकिस्तान पहुंची और वह नसरुल्ला से रावलपिंडी में मिली थी। पुलिस अधिकारी मुश्ताक खान के अनुसार, अंजू ने कानूनी रूप से पाकिस्तान की यात्रा की थी और उसके पास एक महीने तक यहां रहने के लिए वैध वीजा है। बताते चलें कि अंजू 21 अगस्त तक पाकिस्तान में रह सकती हैं, लेकिन अगर वह अपनी यात्रा आगे बढ़ाना चाहती हैं तो उसे गृह मंत्रालय से अनुरोध करना होगा। गौरतलब है कि अंजू के दो बच्चे भी हैं। इससे पहले अंजू ने एक वीडियो जारी कर कहा था कि उसके पाकिस्तान में रुकने का कोई इरादा नहीं है, इसलिए वह जल्द ही भारत चली जाएंगी।

ग्वालपाड़ा में एक ...

अधिकारी ने कहा कि हमने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस बीच, दोषियों को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। ज्यादातर आरोपी गांव से भाग गए हैं। ग्वालपाड़ा के पुलिस अधीक्षक वीवी राकेश रेड्डी ने कहा कि मराक की पत्नी ने घटना के बारे में विस्तृत शिकायत दर्ज कराई है। हम दोषियों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं और फिर कार्रवाई करेंगे। किसी भी समाज में यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है कि जनता कुछ चुराने के बहाने कानून अपने हाथ में ले और फिर किसी की हत्या कर दे। उन्होंने कहा कि हमने घटनास्थल का दौरा किया है और पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी।

त्रिपुरा : टीएमसी ...

हुए राज्य विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस ने अपना प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया था। पार्टी का राज्य विधानसभा चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन रहा और 28 सीटों पर किस्मत आज रहे उसके उम्मीदवारों में से एक को भी सफलता नहीं मिली। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को भेजे गए इस्तीफे में बिश्वास ने कहा कि मैं त्रिपुरा प्रदेश तृणमूल कांग्रेस कमेटी और इसकी प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। कृपया इसे स्वीकार करें।

स्वर्वेद भाष्य

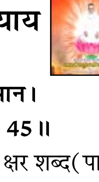

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

निःअक्षर अनहद नहीं, निःअक्षर कुछ आन।
निःअक्षर अनहद कहैं, सो पारम अज्ञान॥ 45॥

शब्दार्थ : (निःअक्षर) सार शब्द (अनहद) ब्रह्माण्डी क्षर शब्द(पामर) अधम (अज्ञान) ज्ञान से हीन (आन) दूसरा।

भाष्य : निःअक्षर अनहद नहीं है, निःअक्षर कुछ और वस्तु है। निःअक्षर को अनहद कहने वाला अधम तथा अज्ञानी है। अक्षर और निःअक्षर का बोध संत या सद्गुरु के सत्संग-उपदेश द्वारा जानने का प्रयत्न करें।

निःअक्षर खण्डन करे, सो अज्ञान जीव।
फूटी आँख विवेक की, नहिं समझे वे पीव॥ 46॥

शब्दार्थ : (फूटी) नष्ट (पीव) परमप्रभु।

भाष्य : अज्ञानी जीवों की विवेक की आंखें फूटी हुई है इसलिए वे अज्ञानी जीव निःअक्षर का खंडन करते हैं, उन्हें परम पिता निःअक्षर परम प्रभु का ज्ञान नहीं है।

बिजनी में केको छिपकली के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिले के बिजनी के ऑक्सीगुड़ी में एसएसबी और वन विभाग के संयुक्त अभियान में दो दुर्लभ केको छिपकली के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान नूर इस्लाम (28) और फुलचान हुसैन (33) के रूप में हुई है। दोनों बरपेटा जिले के बेटबारी के निवासी हैं। छापेमारी दल ने दोनों तस्करों के पास से एक अल्टो वाहन (एएस-15जे-3593) ऑल्टो वाहन भी जब्त किया। गुप्त सूचना के आधार पर एसएसबी की 15वीं बटालियन की फाइटर कंपनी के इंस्पेक्टर उमेश कुमार के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में तस्करों को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे पकड़े गए एल्टो वाहन पर सवार होकर केको छिपकली को साथ लेकर बरपेटा से बिजनी के कुकलुंग जा रहे थे। गिरफ्तार करने के बाद जब्त केको छिपकली के साथ दोनों तस्करों को छापामार दल द्वारा कुकलुंग वन कार्यालय ले जाया गया।

पशु चोरी में भीड़ ने तीन लोगों को जमकर पीटा, एक की मौत व दो घायल

मोरीगांव (हिंस)। जिले में ऑहतगुड़ी गांव में सोमवार की रात मवेशी चोरी के आरोप में तीन लोगों की स्थानीय ग्रामीणों ने जमकर पिटाई कर दी। इस पिटाई से एक कथित चोर की मौत हो गई, जबकि अन्य दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। ग्रामीणों ने कथित चोरों की गाड़ी में आग लगा दी। घटना की खबर मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मौके के निरीक्षण किया। स्थानीय लोगों के अनुसार ऑहतगुड़ी गांव में सोमवार की रात एक घर में छह लोग मवेशी चुराने पहुंचे थे। गांव में लोगों के पशु चोरों को खदेड़ा। गाय के मालिक और स्थानीय अन्य लोगों की मदद से तीन पशु चोरों पकड़ लिया। अंधेरे का फायदा उठाते हुए तीन लोग भागने में कामयाब रहे। चोरों के वाहन से गायों की बरामदगी के बाद स्थानीय लोग उत्तेजित हो गए और पकड़े गए लोगों की जमकर पिटाई कर चोरों के वाहन में आग लगा दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर तीन लोगों को जनता से बचाया। इस पर उत्तेजित भीड़ ने पुलिस पर भी हमला कर दिया और पुलिस की गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दी। पुलिस ने ग्रामीणों की पिटाई से तीनों को घायलों को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने सद्दाम हुसैन नामक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया। दो अन्य दोनों बिलाल अली और मिराजुल हक का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की खबर मिलने पर मोरीगांव जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मौके पर मौजूद होकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को अंत्यपरीक्षण के लिए भेज दिया।

रंगिया : प्रतिभाशाली छात्रों के लिए नि:शुल्क एपीएससी व यूपीएससी सुपर 50 प्रशिक्षण शिविर का लिया गया निर्णय

रंगिया (विभास)। रंगिया निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिभाशाली छात्रों के लिए स्थानीय विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता द्वारा एक विशेष कदम उठाया गया है। विधायक द्वारा रंगिया विधानसभा क्षेत्र में पहली बार प्रत्याशा-2023 नामक एक कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र के 50 प्रतिभाशाली छात्रों के लिए एक मुफ्त प्रशिक्षण शिविर की व्यवस्था की गई है जो असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) और केंद्रीय लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठना चाहते हैं। बताया गया है कि इस प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य क्षेत्र के छात्रों को एपीएससी और यूपीएससी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। शिविर में राज्य के कई अग्रणी संस्थानों के अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। रंगिया महाविद्यालय के स्नातकोत्तर भवन में आयोजित होने वाले इस प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ आगामी 10 अगस्त को किया जाएगा। कला, विज्ञान और वाणिज्य के साथ-साथ तकनीकी शिक्षा में स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री वाले प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं इसके लिए आवेदन कर सकते है। जो आवेदक इस शिविर में भाग लेना चाहते हैं, वे अपना बायोडाटा एचएसएलसी, एचएस, डिग्री फाइनल मार्कशीट की जेरॉक्स कॉपी के साथ विधायक निवास कार्यालय, रंगिया मुरारा चौक, एसडीओ (एस) रोड, पेट्रोल पंप के सामने, सम्पर्क नं.-7002376845, 8638264402 पर आगामी 7 अगस्त,2023 (सोमवार) तक जमा कर सकते है और प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए छात्रों को कोई प्रवेश परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, केवल अंतिम परीक्षाओं में उत्तीर्ण अंकों और प्रतिशत के आधार पर ही प्रशिक्षण के लिए छात्रों का चयन किया जाएगा।

कछार में पुलिस ने ड्रग्स तस्करी का किया भंडाफोड़

एसटीएफ की कार्रवाई में 40-45 करोड़ रुपए की हेरोइन और याबा बरामद, तीन गिरफ्तार

कछार (हिंस)। एक बार फिर असम पुलिस के डीआईजी पार्थसारथी महंत के नेतृत्व में एसटीएफ की टीम ने नशीले पदार्थों के खिलाफ एक सफल अभियान चलाया। उनके नेतृत्व में हुई छापेमारी में एसटीएफ और कछार पुलिस ने 40 से 45 करोड़ रुपए कीमत की 2.5 किलोग्राम हेरोइन और एक लाख याबा टैबलेट जब्त किया। हालांकि, हिरासत से भागने के दौरान एक ड्रग्स तस्कर को पुलिस ने गोली मार दी। पुलिस फायरिंग में घायल ड्रग्स तस्कर की पहचान मनोवर हुसैन बरभुइयां के रूप में हुई है। उसे सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मनोवर की शारीरिक स्थिति गंभीर बतायी जा रही है। यह घटना सोमवार रात कछार जिला मुख्यालय सिलचर के रामनगर-चेंकुडी बाईपास पर हुई। महंत ने कहा कि भारी मात्रा में मादक पदार्थों की तस्करी के बारे में विशेष सूचना मिलने के बाद वह गुवाहाटी से सिलचर आए थे। यहां कछार के पुलिस अधीक्षक नोमल महतो ने सीआरपीएफ और पुलिस टीम के साथ सादे कपड़ों में रामनगर बाईपास पर छापा मारा। देर रात बाइपास पर एक चार पहिया वाहन को रोककर तलाशी लेने पर भारी मात्रा में हेरोइन और याबा टैबलेट बरामद हुई। डीआइजी ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है, जब वे उन्हें कार के विभिन्न छिपे हुए हिस्सों से निकालकर बोनट पर रखने में व्यस्त थे। गिरफ्तारी के बाद मनोवर हुसैन बरभुइयां नामक एक युवक पुलिस की गिरफ्त से भागने की कोशिश की। पुलिस ने उसे रोकने के लिए गोली चलाई। गोली उसके बाएं पैर में लगी तो वह जमीन पर गिर पड़ा। हालांकि, घायल मनोवर को सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। जहां पर उसका इलाज चल रहा है।

रंगिया में दो मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार

रंगिया (विभास)। रंगिया पुलिस ने सोमवार को रंगिया के भूटान रोड के तोरोनी से दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफतार किए गए व्यक्तियों की पहचान क्रमश: नागरिजुली के बाबलू बोडों और देइखांसा बसुमतारी के रूप में की गई है। पुलिस ने दोनों तस्करों के पास से एक साबुन के डिब्बे में 13 ग्राम संदिग्ध हेरोइन और एक पैकेट में प्लास्टिक कंटेनर के साथ-साथ तस्करी में इस्तेमाल की गई एक बाइक (पंजीयन संख्या एएस 25 आर 6575) जब्त की। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

बासुगांव में दो चोरों की हुई सामूहिक पीटाई

चिरांग (हिंस)। जिले के बासुगांव इलाके में मंगलवार की सुबह मुख्य मार्ग पर स्थित ज्वैलरी में चोरी करने वाले दो चोरों की लोगों ने जमकर पिटाई की। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोविंद देबनाथ के लक्ष्मीनारायण ज्वैलरी से गहने और पैसे को लेकर बस से कोकराझाड़ भागने की कोशिश कर रहे दोनों चोरों को लोगों ने खदेड़कर पकड़ लिया। दोनों चोरों के पास से आभूषणों का एक थैला भी बरामद किया गया। लेकिन रुपए का बंडल लेकर दो चोर फरार हो गए। भीड़ द्वारा पीटे गए दोनों चोरों को बासुगांव थाना पुलिस ने बचाया और बासुगांव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाकर भर्ती कराया गया। पकड़े गए दो चोरों में से एक की पहचान साहिल के रूप में हुई है। लक्ष्मीनारायण ज्वेलरी के मालिक गोविंद देबनाथ ने कहा कि यह चोरी की घटना उस समय हुई जब वे पानी लेने दुकान से बाहर गए थे। उस समय दुकान के अंदर कोई नहीं था। इस बीच एक प्रत्यक्षदर्शी व्यापारी ने बताया कि सफेद शर्ट पहने चोर करीब एक घंटे तक इलाके में घूम रहा था। तीन और युवक संदिग्ध हालत में उससे बात करते देखे गए थे। पुलिस इस मामले में एक प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

शिशु शिक्षा समिति, असम का 15 दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

गुवाहाटी। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध शिशु शिक्षा समिति असम द्वारा 15 दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन किया गया। असम में चार स्थानों पर इन प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन किया गया। विद्या भारती की योजना से प्रतिवर्ष आचार्यों की शैक्षणिक गुणवत्ता विकास की दृष्टि से सात दिवसीय अथवा 15 दिवसीय प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन किया जाता है। असम में संचालित शंकरदेव शिशु विद्या निकेतनों के आचार्यों हेतु होजाई एवं शिवसागर में 5 से 20 जुलाई तथा नारेंगी एवं अभयापुरी में 10 से 25 जुलाई तक आचार्य प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षण वर्गों में 414 आचार्य एवं आचार्याओं ने भाग लिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षण, पूर्व बाल्यावस्था शिक्षा एवं देखभाल, शिशु वाटिका, शारीरिक-योग, नैतिक-आध्यात्मिक शिक्षा, पंचपदी शिक्षण, आधारभूत विषय, भारत का गौरवशाली इतिहास, वैदिक गणित, अंग्रेजी, संचार एवं संवाद तकनीकी सहित विभिन्न विषयों पर आचार्यों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षित आचार्यों की परीक्षा लेकर उनको सर्टिफिकेट भी प्रदान किए गए। होजाई में नगांव एवं जोरहाट विभाग के 43 आचार्य एवं 59 आचार्या, शिवसागर में लखीमपुर एवं शिवसागर विभाग के 22 आचार्य एवं 66 आचार्या, नारेंगी में गुवाहाटी एवं तेजपुर विभाग के 36 आचार्य एवं 64 आचार्या, अभयापुरी में बंगाईगांव एवं नलबारी विभाग के 47 आचार्य एवं 77 आचार्याओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कांग्रेस नेता के घर से डकैत ले गए लाइसेंसी पिस्तौल

होजाई (हिंस)। लमडिंग में असम विधानसभा के पूर्व स्पीकर स्वर्गीय देवेश चक्रवर्ती के घर हुई डकैती में सामानों के साथ डकैत लाइसेंसी पिस्तौल भी ले गए। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस घटना में कांग्रेस नेता और देवेश चक्रवर्ती की पत्नी माया चक्रवर्ती गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के अनुसार, तीन-चार सदस्यीय डकैतों का एक दल बीती देर रात हाथों में धारदार हथियार लेकर लमडिंग के लंका रोड पर स्थित देवेश चक्रवर्ती के घर में घुस गया। डकैतों ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष की पत्नी और वरिष्ठ कांग्रेस नेता माया चक्रवर्ती द्वारा पहने गए सोने के गहने छीन लिए। इसके अलावा लुटेरों का गिरोह माया चक्रवर्ती के लाइसेंस वाली पिस्तौल के साथ घर में रखे लाखों रुपए के सोने के गहने भी लेकर फरार हो गए। गौरतलब है कि लमडिंग पुलिस देर रात मौके पर पहुंची और माया चक्रवर्ती को अस्पताल ले गई।

आदिवासी कल्याण को लेकर मंत्री पीयूष ने की बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के जल संसाधन आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने जनता भवन स्थित अपने कार्यालय में आदिवासी कल्याण और विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य दुर्गा हासदा के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। उन्होंने कहा कि हासदा ने कुछ दिन पहले आदिवासियों के सर्वांगीण विकास और कल्याण के लिए शपथ ली थी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के निर्देश पर बुलाई गई इस बैठक में परिषद को चलाने के लिए कार्यालयों, अधिकारियों और कर्मचारियों आदि की आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में परिषद के सुचारू संचालन के लिए कार्यकारी सदस्यों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित कराने के मुद्दे पर भी चर्चा की गई। बैठक में सामाजिक न्याय एवं सबलीकरण विभाग के प्रधान सचिव मुकेश चन्द्र साहू सहित अन्य कई अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान आदिवासी कल्याण से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

गौशाला में 108 महिलाओं ने किया श्री गोपाल सहस्त्रार्चन पूजन

गंगा आरती को प्रत्यक्ष देखने के लिए उमड़ रही भारी भीड़

गुवाहाटी (विभास)। आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला के वृंदावन गार्डन प्रांगण में पुरुषोत्तम मास के पावन पर्व पर सेठ सांवरिया सत्संग समिति के तत्वावधान में चल रही नौ दिवसीय श्री रामचरित्र मानस तथा शिव चरित्र कथा के दूसरे दिन सुबह श्री गोपाल सहस्त्रनाम के साथ लड्डू गोपाल का अभिषेक किया गया, जिसमें 108 धर्मानुरागी महिलाओं-पुरुषों ने अपने अपने गोपाल जी के साथ अंश ग्रहण किया। इस दौरान बहनों ने लड्डू गोपालजी का काजू, बादाम, किशमिश, मखाना, मिश्री, तुलसी दल तथा सिक्का आदि से अभिषेक किया। सहस्त्रार्चन के मध्य समधुर भजनों की लड़ी ने माहौल को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। जो बहनें सिर्फ दर्शन करने आई थी, उन्होंने भी मानस अभिषेक कर मां और लल्ला के भाव को संजो कर अनुष्ठान में अंश ग्रहण किया। सहस्त्रार्चन के मध्य परम आदरणीय आचार्य श्री गौरव जी व्यास (श्री गोपालजी) ने पधारकर लड्डू गोपाल जी की सेवा कैसे करनी चाहिए, हमारे मन में सेवा के समय कैसे भाव होने चाहिए पर सभी को संज्ञान कराया। अभिषेक में हिस्सा लेने वाले सभी माताओं के लल्लाओं का समिति की ओर से पोशाक, बांसुरी, मोर पंख व नैवेद्य भेंट कर अभिनंदन किया गया। श्री गोपाल सहस्त्रार्चन पर प्रथम बार अभिषेक का आंनद उठाते हुए बहनें आत्म विभोर हो गई। सभी ने मुक्त कंठ से इस आयोजन की सराहना की। दोपहर बाद सभागार में आज श्री रामचरितमानस कथा का आरंभ हुआ। तुलसीदास जी द्वारा मानस रचना करने का विस्तार से वर्णन करते हुए व्यासपीठ से आचार्य जी के श्रीमुख से श्रीराम कथा अमृत गंगा का प्रवाह निरंतर बरसता रहा। वही शाम को गंगा आरती की तर्ज पर बनारस से पधारे विद्वान पंडितो द्वारा रोजाना महाआरती का आयोजन किया जा रहा है, जिसे देखने व दर्शन पाने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। मां कामाख्या की पावन धरा पर महाबाहू ब्रह्मपुत्र की साक्षी लिए समृद्ध गुवाहाटी नगरी के मध्य बसी भारतीय गौ वंश की सेवा में रत श्री गोहाटी गौशाला के पावन प्रांगण में माता भगवती - शुक्रेश्वर बाबा और ब्रह्मपुत्र के लिए बनारस से आए पण्डित जी द्वारा गंगा आरती की तर्ज पर आज विशेष आरती की गई। इस अद्भुत दृश्य के साक्षी बने भक्तगण अपने मोबाइल कैमरे में कैद करते नजर आए। इस मौके पर अतिथि के रूप में सेबा के चैयरमैन आरसी जैन व पूर्व डीजीपी जीएम श्रीस्ताव मौजूद रहे। कथा को दूसरे दिवस पर आज व्यास पीठ का पुजन अर्चना यजमान ओमप्रकाश लोहिया, नारायण सिंह नरूका, रमेश पारीक एवं दीपक महेन्द्र अग्रवाल ने सपत्नीक की। कल सुबह से रूद्राभिषेक का आयोजन होगा। कथा का आयोजन आगामी 1 अगस्त तक रोजाना दोपहर 2.30 बजे से 6 बजे तक श्री गुवाहाटी गौशाला के वृंदावन गार्डन में किया जा रहा हैं।

NOTICE INVITING TENDER

No. C/S. File No. 167 of 2022-23/.........

Sealed tenders eventually to be drawn in **F-2** form affixing not refundable Court Fee Stamps of Rs. 8.25 (Rupees Eight and paisa twenty Five) only and with a validity period of 180 (One Hundred and Eighty) days are invited from the registered contractors of **APWD** Bidg. for the work as detailed below and will be issued in the Office of the undersigned from **28/07/2023 to 29/72023** and received from **03/08/2023 to 05.08.2023** upto 14.00 hours of **05.08.2023** will be opened on the same date at **2.30 pm** in the office of the undersigned.

Gr. No.	Name or work	Approx Value of work (Exclusive of GST)	Bid security (in Rs.) (Bank Draft, TDR)		Cost of Document IPO/D.D/ Banker Cheque	Time of Comple-tion	Eligibility of Contractor
			(For Gen. category)	(For SC/ST/ OBC/ MOBC/UGE			
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**
1	Repairing / Renovation of Govt. Residential Qtr.Block No. 7 Unit No. 2, 3, 4, 5 and 6 at New Horizon Colony, Last Gate Dispur, Ghy-6, (Occupied by Sri Balbiro Kaur & 4 others)	Rs. 851,598.00	Rs. 17,032.00	Rs. 8,516.00	Rs. 500.00	21 Days	Class-I (A,B,C) Bldg. Class-II & III Category Contractor Only

1. Details particulars and tender papers will be issued to the eligible contractor or their authorized agents with attested signature in application from **28-07-2023 & 29-7-2023** up to 2.00 P.M.
2. IPO and bid security must be payable in favour of the "The Executive Engineer, PWD, Capital Construction Division, Dispur, Ghy-6".
3. Contractor must have prequalification documents having similar nature of works executed for last 3 (Three) years.
4. The Contractor will have to submit up to date registration certificate for the year **2022-23,** GST, Labour Licence, EPF, Partnership deed/Power of attorney in case of Proprietorship firm duly attested by Govt. Gazetted Officer.
5. If for any reason last date of receiving or issuing tender paper is a declared holiday/bandh, tender will received and opened on the next working day.
6. The undersigned will be the sole authority to cancel or accept any tender without showing any reason.
7. The short NIT will be a part of the contract agreement.
8. Other details can be seen in the tender document

Sd/-
Executive Engineer, P.W.D.
C.C. Division, Dispur, Ghy-6.

-- Janasanyog /C/7747/23

राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा कर लिया। इस मौके पर उन्होंने राष्ट्रपति भवन में जनजातीय दर्पण गैलरी और क्रिकेट पवेलियन सहित विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया। इसके अलावा राष्ट्रपति पद के एक वर्ष पर ई-बुक भी लॉन्च की। राष्ट्रपति मुर्मू ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि प्रौद्योगिकी के माध्यम से राष्ट्रपति भवन पिछले एक साल में अधिक से अधिक लोगों से जुड़ने में सक्षम हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रपति भवन के अधिकारी प्रौद्योगिकी और नवाचार का उपयोग करके प्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए काम करना जारी रखेंगे। अपने राष्ट्रपति पद के एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कई गतिविधियों में भाग लिया। इसमें राष्ट्रपति संपदा में स्थित शिव मंदिर के पुनर्विकास और डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विद्यालय के खेल मैदान में क्रिकेट पवेलियन के निर्माण की आधारशिला रखी। उन्होंने इंटेल इंडिया के सहयोग से राष्ट्रपति भवन द्वारा विकसित एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सक्षम गैलरी - नवाचारा का उद्घाटन किया गया। यह गैलरी छह इंटरैक्टिव प्रदर्शनों से सुसज्जित है, जो राष्ट्रपति भवन की भव्यता के बारे में जानकारी प्रदान करती है। उन्होंने राष्ट्रपति भवन के वस्त्र संग्रह - सूत्र-कला दर्पण का उद्घाटन किया गया। प्राचीन वस्त्रों की गैलरी में जरदोजी और सोने की कढ़ाई वाले मखमल से लेकर कालीन, बिस्तर और टेबल कवरिंग से लेकर बढ़िया मलमल और रेशम के पर्दे तक शामिल हैं। राष्ट्रपति ने जनजातीय दर्पण गैलरी का उद्घाटन किया। यह गैलरी विभिन्न आदिवासी समुदायों की सामान्य और कनेक्टिंग सांस्कृतिक विशेषताओं को प्रदर्शित करती है। इस गैलरी की स्थापना राष्ट्रपति भवन द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के सहयोग से की गई है। मुर्मू ने भारत के राष्ट्रपति और राष्ट्रपति भवन की पुनर्विकसित वेबसाइट लॉन्च की। उन्होंने ई-बुक (लिंक https://rb.nic.in/rbebook.htm) के रूप में राष्ट्रपति पद के पिछले एक वर्ष की झलकियों का एक संकलन भी जारी किया। राष्ट्रपति ने आयुष कल्याण केंद्र, राष्ट्रपति संपदा पर पुस्तक की पहली प्रति प्राप्त की, जिसका शीर्षक 'स्वास्थ्य का संरक्षण, परंपराओं को अपनाना' है। वेबसाइट लॉन्च कार्यक्रम में अपनी संक्षिप्त टिप्पणी में राष्ट्रपति के सचिव राजेश वर्मा ने कहा कि राष्ट्रपति भवन ने पिछले एक साल में कई नागरिक केंद्रित पहल की हैं, जैसे राष्ट्रपति निवास, मशोबरा और राष्ट्रपति निलयम को पूरे साल जनता के लिए खोलना, अमृत उद्यान खोलने की अवधि बढ़ाना और आगंतुक स्लॉट की संख्या में वृद्धि करना। राष्ट्रपति संपदा में आउट-ऑफ-बॉक्स सोच को बढ़ावा देने और समग्र कामकाजी और रहने के माहौल में सुधार के लिए एक चिंतन शिविर का आयोजन किया गया था। उन्होंने इन पहलों में मार्गदर्शन और संरक्षण के लिए राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया।

भाजपा संसदीय दल की बैठक : ऐसा दिशाहीन और हताश विपक्ष आज तक नहीं देखा : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को विपक्षी दलों के गठबंधन इंडीयाह्न को देश का अब तक का सबसे दिशाहीन और हताश गठबंधन करार दिया। उन्होंने इंडिया अलायंस की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी और इंडियन मुजाहिदीन जैसे संगठनों से करते हुए कहा कि केवल देश के नाम के इस्तेमाल से लोगों को गुमराह नहीं किया जा सकता है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि विपक्ष "हताश और दिशा-हीन" है। विपक्ष के पास कोई विजन नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष के व्यवहार पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री ने बैठक में कहा, विपक्ष के आचरण से पता चलता है कि उसने लंबे समय तक स्थायी रूप से विपक्ष में रहने का फैसला किया है। बैठक में प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा और कहा कि हमारी सरकार देश का विकास कर रह है। सरकार मणिपुर मामले पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन फिर भी विपक्ष संसद के सदनों को चलने नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाने की विपक्षी पार्टियों इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव एलायंस) की योजना पर जोशी ने कहा कि पिछली बार जब विपक्ष 2018-19 में अविश्वास प्रस्ताव लाया था, तो 2019 के चुनावों में भाजपा की सीटें 282 से बढ़कर 300 से अधिक हो गईं। जोशी ने कहा, इस बार सदन में अविश्वास प्रस्ताव आने के बाद बीजेपी को 350 से ज्यादा सीटें मिलेंगी।

कमल हासन को कोयंबटूर लोकसभा क्षेत्र से उतार सकती हैं द्रमुक

चेन्नई (ईएमएस)। तमिल सुपरस्टार और एमएनएम के संस्थापक अध्यक्ष कमल हासन के आम चुनाव में कोयंबटूर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक द्रमुक कमल हासन को कोयंबटूर सीट आवंटित कर सकता है। उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के वनाथी श्रीनिवासन से 1,728 वोटों के मामूली अंतर से हारकर भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। कमल ने कोयंबटूर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में एमएनएम के राज्य स्तरीय पहुंच अभियान मक्कालोडु मैयम का उद्घाटन किया। एमएनएम तमिलनाडु के सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों में लोगों से मिलने की योजना बना रहा है, जिसमें पार्टी नेता और कैडर वार्ड और पंचायत स्तर पर लोगों से उनके सामने आने वाली परेशानियों पर मुलाकात करने वाले हैं। इसमें जन प्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में नजरअंदाज किए गए मुद्दे शामिल हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, एमएनएम जमीनी स्तर पर लोगों से मिले फीडबैक के आधार पर अपना चुनावी घोषणापत्र तैयार करेगी। पार्टी नेतृत्व ने कहा कि प्रत्येक वार्ड सचिव को गूगल फॉर्म में उनके क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं पर 25 बाइनरी प्रश्नों की एक लिस्ट दी गई है और फीडबैक का उपयोग प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र पर स्पष्ट तस्वीर प्राप्त करने के लिए किया जाएगा। एमएनएम के सूत्रों ने बताया कि पार्टी के कोयंबटूर जिले के पदाधिकारियों ने पहले ही तमिल सुपरस्टार से 2024 के लोकसभा चुनाव में कोयंबटूर सीट से चुनाव लड़ने की अपील की है। गौरतलब है कि कमल हासन ने हाल ही में तमिलनाडु की बस ड्राइवर शर्मिला को एक कार तोहफे में दी थी, जिसे डीएमके नेता कनिमोझी द्वारा संचालित बस में चढ़ने के विवाद के बाद नौकरी से निकाल दिया गया था। शर्मिला की बस के कंडक्टर से बहस हो गई, जिसने कनिमोझी से टिकट का किराया मांगा। इसके चलते बस के मालिक ने शर्मिला को नौकरी से निकाल दिया। कमल हासन ने उन्हें अपने चेन्नई स्थित घर पर आमंत्रित किया और उन्हें एक नई कार सौंपी, जिसे वह चला कर अपना गुजर-बसर कर सकें।

विपक्ष संवेदनशील होता तो हम मणिपुर पर चर्चा कर रहे होते : पीयूष गोयल

आशीष वर्मा

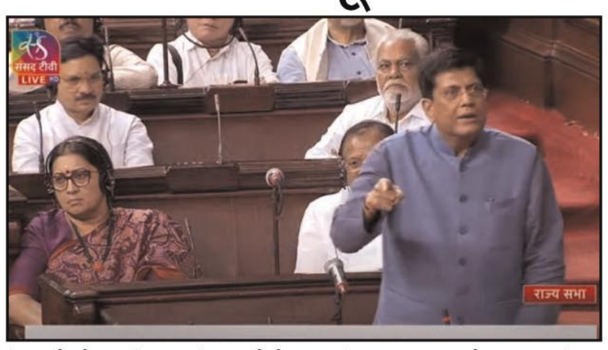

नई दिल्ली। राज्यसभा में नेता सदन पीयूष गोयल ने मंगलवार को एक बार फिर आरोप लगाया कि विपक्ष मणिपुर जैसे संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा से भाग रहा है। गोयल ने कहा कि मणिपुर मुद्दे पर विपक्ष अगर जरा सा भी संवेदनशील होता तो हम इस समय इसपर चर्चा कर रहे होते। पीयूष गोयल ने कहा कि विपक्ष पिछले तीन दिनों से सदन में चर्चा से भाग रहा है। पूरा देश देख रहा है कि कैसे विपक्ष सदन को चलने नहीं दे रहा है। विपक्षी दल इधर-उधर की बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष के कई सदस्य नियम 267 के तहत चर्चा चाहते हैं'। प्रधानमंत्री को यहां चर्चा में आना चाहिए है और सदन में अपनी बात रखनी चाहिए। राज्यसभा में सुबह मणिपुर के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही 12 बजे तक और इसके बाद दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के विधायक बिष्णु पद रे के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा के विधायक बिष्णु पद रे के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, पश्चिम बंगाल विधानसभा के विधायक श्री बिष्णु पद रे जी के असामयिक निधन से दुख हुआ। वह एक मेहनती विधायक थे, जिन्होंने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कई प्रयास किये। उन्होंने बंगाल भाजपा को मजबूत करने के लिए भी कड़ी मेहनत की। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना। ओम शांति। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक बिष्णु पद रे का मंगलवार सुबह यहां शहर के एक अस्पताल में हृदय गति रुकने से निधन हो गया।

राजा भैया के तलाक मामले पर 3 अगस्त को सुनवाई करेगा साकेत कोर्ट

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के कुंडा विधानसभा क्षेत्र के विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के तलाक मामले पर सुनवाई टाल दी है। राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह की ओर से आज जवाब दाखिल करने के लिए समय देने की मांग की गई। कोर्ट ने 03 अगस्त तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 03 अगस्त को होगी। राजा भैया ने अपनी पत्नी भानवी सिंह से तलाक की अर्जी दायर की है। याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने 10 अप्रैल को भानवी सिंह को नोटिस जारी किया था। मार्च महीने में भानवी ने दिल्ली के जोरबाग थाने में एफआ-ईआर दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने राजा भैया के भाई अक्षय प्रताप सिंह के ऊपर गंभीर आरोप लगाया था। राजा भैया अपने भाई के पक्ष में आ गए, जिसके बाद उन्होंने साकेत फैमिली कोर्ट में तलाक लेने की अर्जी दाखिल की।

मुंबई के अंधेरी पूर्व में पहाड़ी धसकने से 5 घर मलबे में दबे, कोई हताहत नहीं

मुंबई, (हि.स.)। राजधानी मुंबई के अंधेरी पूर्व स्थित चकाला इलाके में पहाड़ी का एक हिस्सा धसकने से रामबाग सोसाइटी के पांच 5 घर मलबे में दब गए। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। इसकी सूचना मिलते ही फायरब्रिगेड के जवान मौके पर पहुंचे और मलबा हटाने में जुटे हैं। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की टीम ने रामबाग सोसाइटी के 165 घरों को खाली करवाना शुरू कर दिया है। इन लोगों को चकाला में ही सुरक्षित स्थल पर शिफ्ट किया जा रहा है। बीएमसी के अधिकारियों ने बताया कि चकाला में रामबाग सोसाइटी तकरीबन 25 साल पहले बनाई गई थी। इसी सोसाइटी के पास चकाला पहाड़ी है। बीएमसी की ओर से इस सोसाइटी के लोगों को बारिश से पहले ही सुरक्षित स्थान पर जाने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन सोसाइटी के लोग अपना जान जोखिम में डालकर इसी जगह पर रह रहे थे। सोमवार रात करीब 02 बजे पहाड़ी का एक हिस्सा धसककर रामबाग सोसाइटी के पांच घरों पर गिर गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। मौके पर लोगों को सुरक्षित जगह शिफ्ट करने और मलबा हटाने का काम जारी है।

पंजाब में विधायक की अभद्रता से नाराज डीसी और एसडीएम दफ्तर के कर्मचारी हड़ताल पर

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब में आम आदमी पार्टी के रोपड़ से विधायक दिनेश चड्ढा के कथित अभद्र व्यवहार से नाराज जिला उपायुक्त (डीसी) और एसडीएम कार्यालयों के कर्मचारी मंगलवार से दो दिन की हड़ताल पर चले गए। इससे प्रदेश के जिला मुख्यालयों में प्रशासनिक कामकाज ठप हो गया है। हड़ताली कर्मचारियों की मांग है कि विधायक माफी मांगे और सरकार इस मामले में कार्रवाई करे। इससे पहले सोमवार को कर्मचारियों ने रोपड़ मंडल में हड़ताल की थी। मंगलवार को मिनिस्ट्रियल स्टाफ यूनियन पंजाब ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। यूनियन के प्रधान तेजिंदर सिंह नंगल ने कहा कि 26 जुलाई को सारे कर्मचारी रोपड़ में एकत्र होंगे। सरकार और विधायक के खिलाफ रैली की जाएगी।

चंद्रयान-3 पहुंचा चंद्रमा के नजदीक, इसरो ने पृथ्वी की पांचवीं कक्षा में किया स्थापित

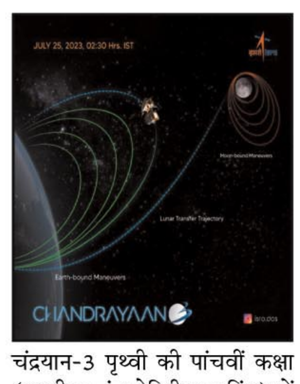

चंद्रयान-3 पृथ्वी की पांचवीं कक्षा (पृथ्वी-बाउंड पेरिगी फायरिंग) में

नई दिल्ली, हि.स.)। चंद्रयान-3 मंगलवार को चंद्रमा की ओर एक कदम और आगे बढ़ गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मंगलवार को एक बार फिर कक्षा बदलने की प्रक्रिया (अर्थबाउंड-फायरिंग-2) सफलतापूर्वक पूरा कर चंद्रयान-3 को पृथ्वी की पांचवीं कक्षा और आखिरी कक्षा में भेज दिया है। इसरो अब एक अगस्त को मध्यरात्रि 12-01 बजे के बीच चंद्रयान-3 को चंद्रमा की कक्षा में भेजेगा। मंगलवार को इसरो ने ट्वीट करके कहा कि बेंगलुरु से सफलतापूर्वक निष्पादित की गई है। 25 जुलाई को दोपहर 2 से 3 बजे के बीच चंद्रयान-3 की कक्षा को सफलतापूर्वक बदला गया। उल्लेखनीय है कि 14 जुलाई को इसरो ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अपने चंद्र अन्वेषण कार्यक्रम के तीसरे संस्करण को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। मिशन का उद्देश्य चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करना है, जिससे चंद्रमा की दुर्लभ तस्वीरें और जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

3025 श्रद्धालुओं का 23वां जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू के भगवती नगर स्थित आधार शिविर से मंगलवार सुबह 23वां जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना किया गया। इस जत्थे में 3025 श्रद्धालु 119 वाहनों में सवार होकर बाबा अमरनाथ के दर्शन करने गए। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक 3025 श्रद्धालुओं का 23वां जत्था मंगलवार सुबह जम्मू के यात्री निवास भगवती नगर से पहलगाम और बालटाल के लिए रवाना हुआ। 1865 श्रद्धालुओं का काफिला 81 वाहनों में सवार होकर पहलगाम के लिए रवाना हुआ और 1160 श्रद्धालु 38 वाहनों में सवार होकर बालटाल स्थित आधार शिविर के लिए रवाना हुए। अमरनाथ की पवित्र गुफा 3,888 मीटर ऊंचाई पर स्थित है। 62 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा एक जुलाई को अनंतनाग जिले के पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल से शुरू हुई थी। यह यात्रा 31 अगस्त को सम्पन्न होगी।

दिल्ली सहित देशभर में तेजी से फैल रहा आई फ्लू

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में इन दिनों तेजी से आई फ्लू यानी कंजंक्टि-वाइटिस का संक्रमण फैल रहा है। दरअसल हर साल यह बीमारी फैलती है, लेकिन इस बार संक्रमण की रफ्तार तेज है। कुछ मामलों में इसका असर भी लंबे समय तक हो रहा है। हालत यह है कि दिल्ली के सभी प्रमुख आंखों के अस्पताल में कंजक्टिवाइ-टिस के मामले 10 से 20 प्रतिशत तक बढ़े हैं। डॉक्टरों का कहना है कि यह संख्या और भी बढ़ सकती है, लेकिन अपने आप ठीक होने की वजह से ज्यादातर लोग इलाज के लिए अस्पताल नहीं जाते हैं। एम्स के आरपी सेंटर के प्रमुख डॉ.जे एस तितियाल ने कहा कि इमरजेंसी में रोजाना 25 से 30 मामले आ रहे हैं और ओपीडी को मिलाकर लगभग 100 मरीज हो जा रहे हैं। आमतौर पर एक से दो हफ्ते में यह अपने आप ठीक हो जाता है। लेकिन, कई बार साथ बैक्टीरियल इन्फेक्शन जुड़ जाता है और यह ज्यादा खतरनाक हो जाता है। सेंटर फॉर सा-इट के चीफ डॉ. महिपाल सचदेव ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में संक्रमण दो से तीन गुणा बढ़ गया है। दिल्ली ही नहीं, पूरे देश में यह फैल रहा है। हैदराबाद, भोपाल, इंदौर, सभी जगह हो रहा है। अभी स्थिति कंट्रोल में है, लेकिन जिस तेजी से यह फैल रहा है यह एपिडेमिक का रूप ले सकता है। गुरु नानक आई सेंटर की प्रमुख डॉ. कीर्ति सिंह ने कहा कि ओपीडी में 10 से 20 प्रतिशत तक मामले बढ़ गए हैं। डॉ. तितियाल ने कहा कि यह संक्रमण स्वीमिंग पूल में नहाने से तेजी से फैलता है। क्योंकि, अगर कोई संक्रमित इंसान पूल के पानी में उतरा है, तब पानी संक्रमित हो जाता है और फिर पूल में नहाने के लिए उतरने वाले सभी संक्रमित हो सकते हैं। इसलिए स्कूल हो या अन्य जगह स्वीमिंग करना बंद कर दें। साथ में बिना डॉक्टर की सलाह खुद से कोई दवा या स्टेरॉयड बिल्कुल न लें। इससे नुकसान हो सकता है।

राजनीतिक दलों को आरटीआई के दायरे में लाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट एक अगस्त को सुनवाई करेगा

अजय कुमार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट राजनीतिक दलों को आरटीआई के दायरे में लाने की मांग पर एक अगस्त को सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि केंद्रीय सूचना आयोग ने 2013 में राजनीतिक पार्टियों को आरटीआई के दायरे में लाने का आदेश दिया था। इसके बाद एक और भी आदेश दिया था, जिसे आज तक लागू नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्रीय सूचना आयोग के आदेश के आधार पर विधायिका को इसे लागू करने के लिए, याचिका दाखिल नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि मामले पर सुनवाई के लिए अटार्नी जनरल उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए सुनवाई की अगली तारीख तय कर दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने 31 जनवरी को इलेक्टोरल बांड की चुनौती देने से संबंधित याचिकाओं को तीन हिस्सों में बांटते हुए तीनों पर अलग-अलग सुनवाई करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने आदेश दिया था कि इलेक्टोरल बांड से जुड़ा पहला भाग यानी इलेक्टोरल बांड योजना को चुनौती देने के मामले पर सुनवाई होगी। दूसरे भाग में उन याचिकाओं पर सुनवाई होगी, जिसमें पड़ताल की जाएगी कि क्या राजनीतिक दलों को आरटीआई के दायरे में रखा जाना चाहिए। तीसरे भाग में 2016 एवं 2018 के फाइनेंस एक्ट के जरिए एफसीआरए में संशोधन को चुनौती देने के मुद्दे पर सुनवाई होगी। इस मुद्दे पर अप्रैल के बीच में सुनवाई होगी।

प्रधानमंत्री 27-28 जुलाई को राजस्थान व गुजरात के दौरे पर

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 27 एवं 28 जुलाई को राजस्थान और गुजरात का दौरा करेंगे। इस दौरान वह कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री 27 जुलाई को सुबह करीब 11:15 बजे राजस्थान के सीकर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री किसानों को लाभ पहुंचाने वाले एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर 1.25 लाख पीएम किसान समृद्धि केंद्र राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री यूरिया गोल्ड लॉन्च करेंगे। यह यूरिया की एक नई किस्म है जो सल्फर से लेपित होगी। यह नीम-लेपित यूरिया की तुलना में अधिक किफायती और कुशल है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) पर 1500 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की ऑनबोर्डिंग का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री सीकर में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत लगभग 17,000 करोड़ रुपये की 14वीं किस्त जारी करेंगे। राजस्थान में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में बड़ा विस्तार देखने को मिलेगा क्योंकि प्रधानमंत्री चित्तौड़गढ़, धौलपुर, सिरोही, सीकर और श्री गंगानगर में पांच नए मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन करेंगे और बारां, बूंदी, करौली, झुंझुनू, सवाई माधोपुर, जैसलमेर और टोंक में सात मेडिकल कॉलेजों की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री उदयपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ और डूंगरपुर जिलों में स्थित छह एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का उद्घाटन भी करेंगे। कार्यक्रम के दौरान वह जोधपुर के तिवरी में बने केंद्रीय विद्यालय का उद्घाटन भी करेंगे। बयान के अनुसार इसके बाद प्रधानमंत्री गुजरात के राजकोट पहुंचेंगे जहां दोपहर करीब 3:15 बजे राजकोट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद करीब 4:15 बजे प्रधानमंत्री राजकोट के रेसकोर्स ग्राउंड में 860 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री 28 जुलाई को सुबह करीब 10:30 बजे गांधीनगर के महात्मा मंदिर में सेमीकॉनइंडिया 2023 का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वह सभा को भी संबोधित करेंगे।

बैलेंस ऑफ पावर बनने पर सरकार में शामिल होगी बसपा : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ एवं तेलंगाना सहित चार राज्यों में होने वाले चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी के पदाधिकारियों संग बैठक की। उन्होंने राजस्थान के बाद मध्य प्रदेश के हालात और ताजा राजनीतिक समीकरण पर भी चर्चा की है। मायावती ने बैठक में कहा कि बसपा कई राज्यों में बैलेंस ऑफ पावर बनकर जरूर उभरी है। लेकिन बसपा विरोध-विरोधी जातिवाद तत्व, सरकार बनाने की अपनी लोभ में साम, दाम, दंड, भेद आदि अनेक हथकंडे अपनाकर बसपा के विधायकों को तोड़ लेते हैं।

इससे जनता के साथ विश्वासघात होने से बसपा मूवमेंट को भी काफी आघात पहुंचता है। मायावती ने कहा कि बसपा ने सबसे आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में चार बार अपनी सरकार बनाकर बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर के सपनों को जमीनी हकीकत में उतारने के लिए 'सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति' का काफी हद तक बेमिसाल काम किया है। लेकिन दूसरे राज्यों में भी बैलेंस ऑफ पावर बनकर सरकार में शामिल होकर गरीबों उपेक्षितों के हित व उन पर होने वाले अत्याचार को रोकने का काम किया जा सकता है। इसलिए चार राज्यों के हाल दिनों में होने वाले चुनाव के बाद बैलेंस ऑफ पावर बनने पर, लोगों की चाहत के हिसाब से सरकार में शामिल होने पर विचार संभव है।

बसपा प्रमुख ने आगे कहा कि राजस्थान, मध्य प्रदेश आदि राज्यों से गरीबों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों में खासकर मुस्लिम और इसाई समाज के लिए लोगों और उनके संस्थानों पर जुल्म-ज्यादती पर भी सरकारी द्वेष और अत्याचार की लगातार खबरें आती है, जो दुखद है। इसका समाधान तभी संभव है जब सरकार में उनके हितैषी पार्टी के सच्चे व ईमानदार प्रतिनिधि हों। कई राज्यों में बाढ़ पीड़ितों के साथ सरकारी बेरूखी का संज्ञान लेते हुए मायावती ने कहा कि पीड़ितों के लिए लोगों को जो संभव हो सके जरूर मदद करनी चाहिए। सरकार को भी मदद के लिए आगे आने पर जोर देना चाहिए।

प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था सिर्फ कागजों तक सीमित : बृजलाल खाबरी

– कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, स्वास्थ्य मंत्री विपक्ष को कोसने के बजाय अपने विभाग पर समय देते तो मनुष्यता बची रहती

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के भाजपा की बड़बोली सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित रह गई है। आज भी इलाज के आभाव में मरीज तड़प कर मरने को मजबूर हैं। आश्चर्य की बात है कि अस्पतालों में भर्ती मरीजों के पैर चूहे कुतर रहे। आज भी पर्चे बनवाने में कई- कई घंटे लग जाते हैं। ये बातें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कही। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने कहा कि जनपद हमीरपुर में ट्रेन से घायल एक व्यक्ति तीन घंटे तक इलाज के अभाव में तड़पता रहा। कोई सुनने वाला नहीं मिला और वह अंत में मर गया। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जितना विपक्ष को कोसने में समय व्यतीत करते हैं। काश उतना समय अपने विभाग में देते तो शायद मनुष्यता बची रहती। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अधिकांश जिलों में चिकित्सा व्यवस्था का यही हाल है। झांसी जनपद का जिला चिकित्सालय दुर्व्यवस्थाओं में सिर चढ़कर बोल रहा है। वहां पर मरीजों को पर्चा बनवाने के लिए कई घंटों तक लाइनों में लगना पड़ता है, क्योंकि आधे से ज्यादा काउंटर बंद रहते हैं। दिव्यांगजनों को प्रमाण पत्र बनवाने में एक वर्ष से अधिक का समय लग जाता है, क्योंकि मेडिकल बोर्ड सप्ताह में केवल एक दिन बैठता है, जिसमें भी कभी विशेषज्ञ डॉक्टर रहते हैं, कभी नहीं रहते हैं। दूर दराज से आये हुए दिव्यांग जनों के साथ हो रहा यह रवैया निंदनीय है। खाबरी ने कहा कि प्रदेश के लगभग सभी विभागों के यही हालात हैं। सरकार केवल चुनावी ताल मेल में व्यस्त एवं मस्त है। जनता की बदहाली से इनका कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस पार्टी निरंतर जनपदों में संविधान बचाओ संकल्प सभा के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रही है। हम लोग गांव-गांव, मोहल्ले- मोहल्ले तक पहुंचकर लोगों को जागरूक करने का काम रहे हैं। भाजपा की सरकार में देश और प्रदेश खोखला होता चला जा रहा है।

ज्ञानवापी और विश्वेश्वर मंदिर विवाद मामले में फैसला सुरक्षित, जारी

प्रयागराज, (हि.स.)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद और बाबा विश्वनाथ मंदिर विवाद मामले में फैसला सुरक्षित कर लिया है। कोर्ट अब 28 अगस्त को अपना फैसला सुनाएगी। इसके पहले सुनवाई शुरू होते ही कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनी और अपना फैसला सुरक्षित कर लिया। वैसे यह मामला अप्रैल 2021 से चल रहा है। 27 माह 13 दिन में कोर्ट ने इस बावत तीन महत्वपूर्ण आदेश आदेश पारित किए और उन पर रोक लग गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 मई 2023 को ज्ञानवापी स्थित वजूखाना में मिली शिवलिंग जैसी आकृति की कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक सर्वेक्षण का आदेश दिया था। कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक सर्वेक्षण का काम शुरू किए जाने से पहले ही 19 मई 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश पर रोक लगा थी। इसी तरह आठ अप्रैल 2021 को वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी परिसर के सर्वे का आदेश एएसआई को दिया था। सर्वे का काम शुरू होने से पहले ही सितंबर 2021 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उस पर रोक लगा दी थी। अब जिला जज की अदालत ने ज्ञानवापी परिसर का एएसआई सर्वे आदेश दिया था। इस पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी थी।

यमुना से दूर रहने के निर्देश, बाढ़ चौकियां अलर्ट

बागपत, (हि.स.)। बागपत में जिलाधिकारी ने सभी बाढ़ चौकियों को अलर्ट किया है। यमुना किनारे बसे गांव के लोगों को पानी से दूर रहने के निर्देश दिए गए हैं। शबका गांव में पहुंचकर जिलाधिकारी ने किसानों से वार्ता की और सिंचाई विभाग को जल स्तर पर नजर बनाए रखने और जरूरी कदम उठने के लिए कहा है। यमुना में हथिनीकंड बैराज से छोड़े गये पानी के बाद बागपत में एक बार फिर अलर्ट है। यमुना का जल स्तर बढ़ गया है। यमुना के पानी से किसानों की भूमि का कटान हो रहा है। जिसे लेकर किसान चिंतित है। किसानों ने इसकी जानकारी जिलाधिकारी को दी है। जिसके बाद जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शबका गांव में पहुंचकर किसानों से वार्ता की है। जिलाधिकारी ने यमुना का जल स्तर भी देखा और संबंधित अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिये हैं। सभी बाढ़ चौकियों का एक बार फिर निरीक्षण किया गया है और सिंचाई विभाग को कोई भी कोतवाली न बरतने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी का कहना है कि अभी यमुना के बढ़ते जलस्तर से कोई जनहानि नहीं हुई है। हिंडन नदी में भी पानी का जल स्तर बढ़ रहा है। सभी जनपद के लोगों को यमुना व हिंडन नदी के पानी से दूर रहने के लिए कहा गया है।

दलित वर्ग को बरगलाकर सिर्फ वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल कीं मायावती : स्वाती सिंह

लखनऊ, (हि.स.)। जनविरोधी, महिला विरोधी के साथ ही दलितों का अहित करने वाली बसपा सुप्रीमो मायावती आज कल्याणकारी होने की बात कर रही हैं। राजनीति में सिर्फ जीत ही जिसका मकसद रहा हो, उन्हें अब उत्तर प्रदेश की जनता समझ चुकी है। आगामी लोकसभा चुनाव में उन्हें एक भी सीट मिलने की उम्मीद नहीं है। बसपा सुप्रीमो अब दूसरे प्रदेशों में पांव पसारने के लिए हाथ पांव मार रही हैं। यह बात उप्र की पूर्व मंत्री और भाजपा नेत्री स्वाती सिंह ने कही। वह मंगलवार को बसपा प्रमुख मायावती द्वारा दूसरे प्रदेशों में भी अपने उम्मीदवारों को खड़ा करने की बात पर अपनी प्रतिक्रिया दे रही थीं। उन्होंने मायावती के बयान 'बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के सपनों को जमीनी हकीकत में उतारने के लिए 'सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति' का काफी हद तक यूपी में बेमिसाल काम किया है।' को हास्याष्पद बताया। उन्होंने कहा कि दलित वर्ग को बरगलाकर सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करने के अलावा बसपा प्रमुख मायावती एक भी दलित हित में किये गये अपने काम नहीं बता सकतीं। दलित समाज के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का काम तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ ने किया है। जिनके कार्यकाल में गरीब, शोषित, उपेक्षित वर्ग अपने आप को गौरवांवित महसूस कर रहा है। इसके साथ ही गरीबों को आवास देने का मामला हो या उज्ज्वला योजना के माध्यम से महिलाओं को धुआं से बचाने का काम आजादी के बाद से सबसे ज्यादा ऐतिहासिक काम हआ है। आज हर गरीब के पास अपना घर है। यही नहीं हर गरीब के पास अपना बैंक एकाउंट खोलने के लिए प्रेरित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एतिहासिक काम किया, जिससे हर गरीब बचत करना सीख रहा है। स्वाती सिंह ने कहा कि हर वर्ग का कल्याण सिर्फ भाजपा कर सकती है। भाजपा की सारी योजनाएं किसी जाति या मजहब पूछकर नहीं दी जाती। यहां सबका साथ, सबका विकास की तर्ज पर काम होता है। यहां आफिसों में किसी की जाति पूछकर काम नहीं होता, यहां सिर्फ कागज देखकर काम होता है। यह भाजपा सरकार ही है, जो सबको साथ लेकर चलने की क्षमता रखती है।

आत्मनिर्भर भारत के लिये युवाओं का कुशल होना आवश्यक : जेपीएस राठौर

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के सहकारिता राज्यमंत्री जेपीएस राठौर ने मंगलवार को कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिये युवाओं को शिक्षित एवं कुशल होना आवश्यक है। आज का युग डिजिटल युग है। आज हम बिना टेक्नोलॉजी के प्रगति नहीं कर सकते हैं। वह सहकारिता भवन के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जेपीएस राठौर ने एमबीए, बीबीए एवं बी.काम. ऑनर्स के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत 135 छात्र-छात्राओं को टैबलेट एवं स्मार्टफोन वितरित किये। सहकारिता मंत्री ने कहा कि टेक्नोलॉजी की ताकत को बढ़ाने तथा डिजिटल इण्डिया के उद्देश्य को सफल बनाने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'डिजीशक्ति योजना' का शुभारम्भ किया। इस योजना के तहत पाँच वर्षों में 02 करोड़ छात्र-छात्राओं को टैबलेट एवं स्मार्ट फोन वितरित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। श्री राठौर ने कहा कि हमारा देश टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बहुत आगे है। आज हमारा देश डिजिटल लेन-देन में अमेरिका से भी आगे है। हमारे देश के कई आई.टी. संस्थानों ने दुनिया में अपनी अलग पहचान बनायी है। आज हर क्षेत्र में ड्रोन की उपयोगिता बढ़ी है। इसलिये इंस्टीट्यूट में ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण देने पर भी विचार किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने कहा कि यह केवल एक कम्यूनिकेशन टूल नहीं है बल्कि डिजिटल इण्डिया के उद्देश्य को पूरा करने का सशक्त माध्यम है। प्रमुख सचिव सहकारिता विभाग बी.एल.मीणा ने कहा कि जिन बच्चों को टैबलेट व स्मार्टफोन मिले हैं वह इस्का उपयोग शिक्षा प्राप्त करने हेतु करें। छात्र इसके माध्यम से दुनिया की कोई भी जानकारी तत्काल प्राप्त कर सकते है। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के विभिन्न संस्थानों के प्रबन्ध निदेशक, आई.सी.सी.एम.आर.टी. के निदेशक आलोक दीक्षित सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हाई कोर्ट में कपिल सिब्बल की दलील, बाबूलाल को नेता प्रतिपक्ष नहीं बनाया जा सकता

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस संजय प्रसाद की कोर्ट में मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष मामले को लेकर दाखिल विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई 30 अगस्त को होगी। झारखंड विधानसभा की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के लिए भाजपा ने नाम नहीं दिया है। इस पर भाजपा की ओर से कहा गया कि पहले ही नेता प्रतिपक्ष के नेता के लिए बाबूलाल मरांडी का नाम दिया जा चुका है। इस पर कपिल सिब्बल की ओर से कहा गया कि बाबूलाल मरांडी झाविमो पार्टी से जीत कर आए थे, भाजपा के साथ उनके मर्जर के मामले में अभी तक विधानसभा स्पीकर का कोई निर्णय नहीं आया है। नेता प्रतिपक्ष के लिए ऐसे व्यक्ति का नाम दिया जाना चाहिए, जो भाजपा की सिंबल से लड़ा हो और जीता हो। विधानसभा के बिजनेस में हाई कोर्ट इंटरफेयर नहीं कर सकता। विधानसभा की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल एवं हाईकोर्ट के अधिवक्ता अनिल कुमार ने पैरवी की। भाजपा की ओर से कुमार हर्ष ने पैरवी की। राजकुमार की ओर से अभय मिश्रा एवं वरीय अधिवक्ता बीपी सिंह ने पैरवी की। इससे पहले विधानसभा सचिव ने दो बिंदुओं पर झारखंड हाई कोर्ट में शपथ पत्र दायर किया गया, जिसमें कहा गया है कि हाई कोर्ट अपने क्षेत्राधिकार के तहत विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश नहीं दे सकता है। हाई कोर्ट हाउस के बिजनेस में एंट्री नहीं कर सकता है। संविधान के आर्टिकल 212 के तहत हाई कोर्ट विधानसभा की कार्यवाही में किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। विधानसभा स्पीकर को निर्देश देने का उसे पावर नहीं है।

रांची में ट्रैफिक नियम तोड़ा तो घर तक पहुंच जाएगा ई-चालान

रांची, (हि.स.)। राजधानी रांची में अब ई-चालान की व्यवस्था शुरू हो गयी है और इसके लिए स्मार्ट सिटी की ओर से शहर के चप्पे-चप्पे पर विभिन्न प्रकार के अत्याधुनिक तकनीकी के उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन उच्च तकनीकी वाले उपकरणों के माध्यम से शहर की सड़कों पर चलने वाले सभी वाहनों की गहन निगरानी की जा रही है एवं यातायात नियम का पालन नही करने वालों को स्वतः इस सिस्टम के तहत चिन्हित कर ई चालान भेजा जा रहा है। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर रांची स्मार्ट सिटी के कमांड सेंटर से ये चालान निर्गत किए जा रहे हैं। अबतक एक महीने में केवल हेलमेट नही पहनने वालों के रूप में 50 हजार से ज्यादा लोगों को चिन्हित करके उनके द्वारा किए गए नियम उलंघन, किस जगह पर नियम तोड़ा और गाड़ी सहित सभी ब्यौरा ट्रैफिक पुलिस को भेजा जा चुका है।

रांची यातायात पुलिस इस डाटा के आधार पर ई चालान भेजना शुरू कर दिया है। शहर में निर्धारित गति सीमा से ज्यादा स्पीड में चलने वाले वाहनों पर भी चालान कटना शुरू हो गया है। महज पांच दिनों में 1500 से ज्यादा वैसे लोगों को चिन्हित कर लिया गया है, जो निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन कर रहे हैं। इससे भी ज्यादा सावधान रहने वाली बात ये है कि अब गलत दिशा में चलने वाले वाहनों का भी ई चालान कटना शुरू हो गया है। शहर के 70 जंक्शन से यातायात नियम तोड़ने वालों पर नजर रखी जा रही है और इसके रांची स्मार्ट सिटी और रांची पुलिस की ओर से कुल 1000 से ज्यादा उपकरणों की मदद ली जा रही है। इन उपकरणों में आईटीएमएस (इंटेलिजेंट ट्रांजिट मैनेजमेंट सिस्टम) के तहत आरएलवीडी कैमरे, एएनपीआर कैमरे और एसवीडी कैमरों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

झारखंड के 21 जिलों में सामान्य से कम बारिश

रांची, (हि.स.)। झारखंड को मानसून ने इस बार फिर से दगा दे दिया है। राज्य के 21 जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है, जिससे किसानों की परेशानी बढ़ गई है। राज्य से मानसून की बेरुखी का असर यह है कि 24 जुलाई तक राज्य में 434.7 एमएम की जगह मात्र 236.3 एमएम वर्षा हुई है, जो सामान्य से 46 प्रतिशत कम है। पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक वर्षा 36 एमएम बोकारो में रिकॉर्ड किया गया है जबकि अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेसि. गोड्डा का रहा है। राज्य में सामान्य से कम वर्षा होने के कारण 12.79 प्रतिशत ही धान की रोपनी हो पाई है। रांची मौसम केंद्र के प्रभारी निदेशक अभिषेक आनंद ने कहा है कि अभी मानसूनी टर्फ लाइन झारखंड के दक्षिण में ओडिशा के ऊपर से गुजर रही है। इसी वजह से झारखंड में मानसून की स्थिति अभी कमजोर है।अभिषेक आनंद ने बताया कि पश्चिमी मध्य और उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी में साइक्लोनिक सकुर्लेशन बन रहा है, जो लो प्रेशर में तब्दील होगा। इसके प्रभाव से 28 जुलाई से राज्य में अच्छी मानसूनी वर्षा की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि 26 और 27 जुलाई को राज्य में कुछ स्थानों पर और 28 जुलाई को कई स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हो सकती है। उन्होंने बताया कि दक्षिणी और मध्य झारखंड में हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होगी। राज्य के शेष भाग में हल्की वर्षा होने की बात कही।

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव को खुद पर भी नहीं है भरोसा : राजू सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। टीईटी प्रारंभिक शिक्षक संघ के प्रदेश संयोजक राजू सिंह ने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव द्वारा जारी किए जा रहे विभिन्न आदेश को तुगलकी फरमान बताते हुए विभाग से इसपर गंभीर चिंतन मंथन करने को कहा है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि जब सरकार अपने पूरे तंत्र को विद्यालय निरीक्षण में लगाए हुए है तो फिर मोबाइल से उपस्थिति दर्ज कराना यह दशार्ता है कि सरकार के सचिव को अपने खुद के लिए निर्णय पर भरोसा नहीं है। जिस मोबाइल एप्प से उपस्थिति दर्ज करने को कहा गया है उसमें काफी त्रुटियां एवं खामियां हैं। विद्यालय में रहने के बाद भी एप्प विद्यालय से दूर बताता है। नेटवर्क नहीं रहने की स्थिति में एप्प काम नहीं करता। यदि किसी कारण से मोबाइल खराब हो जाए, रिचार्ज समाप्त हो जाए, मोबाइल बंद हो जाए तो शिक्षक क्या करेंगे। इन परिस्थितियों में एप्प से उपस्थिति बनवाना जोखिम भरा है। सरकार को अपने इस फैसले पर विचार करना चाहिए। एप की जगह पर अन्य वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार करना चाहिए। जिला अध्यक्ष मिलन मिश्रा एवं महासचिव मनोहर राय ने कहा कि महिला शिक्षिकाओं को विशेषावकाश के मामले में घबराने की आवश्यकता नहीं है। नियोजित शिक्षकों के नियमावली में विशेषावकाश का प्रावधान पहले से है और उसे समाप्त करने का कोई पत्र सरकार द्वारा अभी तक निर्गत नहीं किया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल पत्र दूसरे विभाग से संबंधित है। संघ के जिला सचिव कन्हैया भारद्वाज ने कहा कि सरकार एवं उनके पदाधिकारी, उसमें से भी अपर मुख्य सचिव के.के. पाठक भावनाहीन हो गए हैं। ये सभी आदम युग या तो यूं कहें कि अंग्रेजों के युग से प्रेरणा लेकर कार्य कर रहें हैं। ये नित्य एक नया तुगलकी फरमान निकाल रहे हैं। शिक्षा के सुधार में कोई कार्य नहीं कर रहे, बस शिक्षा विभाग के करोड़ों के रुपये का हेर-फेर कर रहें हैं। उसी को मैनेज करने के लिए शिक्षकों को परेशान कर रहे हैं। कभी निम्नवर्गीय कर्मी से उच्च वर्गीय शिक्षकों की जांच, कभी नियम विरुद्ध समय अवधि के उपरांत अधिकारियों, पदाधिकारियों की प्रत्येक दिन बैठक रखना, पंजी संधारण आदि करवाते हैं। यह सभी फैसले सिर्फ अधिकारों का दुरुपयोग एवं अपने अधीन कार्य करने वाले कर्मियों एवं शिक्षकों का शोषण है। विभाग ने समय अवधि के बाद बैठक पर रोक लगा दी है तो प्रधानाध्यापकों से चार बजे के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करना क्या दशार्ता है। हम शिक्षक या अधिकारी जिन्हें देर रात तक मीटिंग में रोका जाता है इंसान हैं। हमारा भी परिवार है। अब के.के.पाठक का परिवार उनको नहीं पूछता तो इसका मतलब यह तो नहीं हुआ कि हमारा भी परिवार हमें नहीं पूछता। हम नौकरी करते हैं कोई बंधुआ मजदूरी नहीं, जो जबतक मन हुआ काम करवाते रहें। हमारा कार्य अवधि निर्धारित है, उसके बाद हमें कोई कार्य करने हेतु मजबूर नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि आज जिसको देखिए वही अपने को के.के. पाठक समझने लगा है। सभी मानवता को भूल गए है, साथ ही साथ यह भी भूल गए कि उन्हें उन्हीं शिक्षकों के साथ कार्य करना है जो अभी उनके साथ कार्य कर रहें है। कोई कुर्सी हटाने कह रहे हैं तो कोई व्हाट्सएप पर आवेदन अमान्य कर रहे हैं। कोई फेक न्यूज को सच मानकर शिक्षकों को अवकाश नहीं दे रहे। ऐसा करने वाले प्रधान और पदाधिकारी संभल जाएं अन्यथा संघ उनके खिलाफ भी करवाई करेगी।

अमिता भूषण ने महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को दी शुभकामना, नेतृत्व का जताया आभार

बेगूसराय, (हि.स.)। कांग्रेस नेतृत्व द्वारा बिहार प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष पद पर डॉ. शरबत जहां फातिमा को मनोनीत किए जाने पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता बधाई दे रहे हैं। बिहार प्रदेश महिला कांग्रेस की निवर्तमान अध्यक्ष और पूर्व विधायक अमिता भूषण ने नवमनोनीत महिला प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शरबत जहां फातिमा को नए दायित्व के लिए शुभकामना दिया है। उन्होंने कहा है कि महिला कांग्रेस इनके नेतृत्व में अपने राजनैतिक और सामाजिक दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करेगी। महिला कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम भेजे गए संदेश में इन्होंने अपने लंबे कार्यकाल में दल और दलीय कार्यकत्ताओं से मिले सहयोग और सम्मान के लिए सबों का आभार व्यक्त किया है। अमिता भूषण ने कहा है कि एक दलीय कार्यकर्ता के तौर पर राजनीति और सेवा की शुरूआत कर महिला कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर इतने लंबे अरसे तक सेवा मेरे लिए राजनीतिक जीवन की एक उपलब्धि है। इस दौरान मैंने अपनी सम्पूर्ण कर्मठता और क्षमता से इस उत्तरदायित्व के निर्वहन का प्रयास किया। उत्तरदायित्व के इस दौर में मुझे आपके नेतृत्व में काम करने का सौभाग्य मिला। जहां आपके और महिला कांग्रेस की टीम द्वारा मुझे मिला सहयोग, समर्थन और प्यार मेरे जीवन का अनमोल धरोहर बन गया। आपके, आपकी पूरी टीम और स्थानीय टीम के प्रति इस सहयोग, सदभाव के लिए मैं हमेशा आभारी रहूंगी। नए नेतृत्व के चयन में आपकी सम्पूर्ण दूरदर्शिता की स्पष्ट झलक है, जिसके लिए आपको साधुवाद। नेतृत्व को हर स्तर पर मेरा सहयोग आवश्यकता के अनुसार मिलता रहेगा। उल्लेखनीय है कि बिहार महिला कांग्रेस के इतिहास में सबसे लंबे कार्यकाल का सफलतापूर्वक निर्वहन का रिकॉर्ड अमिता भूषण के नाम दर्ज है। जिसमें इन्होंने महिला कांग्रेस को प्रदेश स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विद्यालय के भवन निर्माण में अनियमितता, ग्रामीण नाराज

भागलपुर, (हि.स.)। जिले के सुलतानगंज के भीरखुंद पंचायत में हो रहे उच्च विद्यालय के निर्माण में अनियमितता बरते जाने का मामला प्रकाश में आया है। संवेदक के द्वारा मनमानी करते हुए भवन निर्माण स्थल पर दलदली जमीन पर ढलाई कर दी गई है, जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने कहा कि उच्च विद्यालय का निर्माण संवेदक बबलू कुमार के द्वारा किया जा रहा है। दलदली जमीन पर ढलाई कर भवन निर्माण किया जा रहा है। आगे चलकर यहां बन रहा दो मंजिला भवन गिर सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि संवेदक की मनमानी की शिकायत विभाग के पदाधिकारी एवं से की गई है। यदि इस दिशा में कार्रवाई नहीं हुई तो हमलोग धरना प्रदर्शन करेंगे।

संपादकीय

समान नागरिक संहिता अभी नहीं

प्रधानमंत्री मोदी के आक्रामक आह्वान के साथ समान नागरिक संहिता का प्रचार एक बार फिर शुरू हुआ था। प्रधानमंत्री ने सवाल किया था कि घर में दो कानून संभव नहीं हैं, तो देश दोहरी व्यवस्था कैसे ढो सकता है? तुरंत विश्लेषण किए गए कि यह 2024 के आम चुनाव का बुनियादी मुद्दा होगा और केंद्र सरकार इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने का गंभीर प्रयास करेगी। फिलहाल यह मुद्दा नेपथ्य में डाल दिया गया है। संसद के जरिए सूचना मिली है कि यदि विधि आयोग की संपूर्ण रपट भी आ जाए, और कुछ भाजपा-शासित राज्यों में भी लागू कर दी जाए, उसके बावजूद समान नागरिक संहिता का बिल मानसून सत्र में पेश नहीं किया जाएगा। अभी भारत सरकार, राज्यों के साथ, इस मुद्दे पर व्यापक विमर्श करना और आम सहमति बनाना चाहती है। यानी आईने की तरह साफ है कि मोदी सरकार के मौजूदा कार्यकाल में समान नागरिक संहिता का कानून नहीं बनेगा। दरअसल यह मुद्दा सात दशक पुराना है, जब डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 'राष्ट्रीय जनसंघ' की स्थापना की थी। उससे पहले अप्रैल, 1948 में तत्कालीन केंद्रीय कानून मंत्री डा. भीमराव अंबेडकर ने 'हिंदू कोड बिल' का मसविदा संविधान सभा के सामने रखा था और कानूनों को संहिताबद्ध करने का विचार दिया था। उसका खूब विरोध किया गया और डा. अंबेडकर को मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। 'जनसंघ' राजनीतिक दलीलें देता रहा कि समान नागरिक संहिता देश भर में लागू की जाए। अप्रैल, 1980 में भाजपा के गठन के बाद, प्रधानमंत्री राजीव गांधी की कांग्रेस सरकार के दौरान, जब शाहबानो के विवादित केस में संसद में बिल पारित कराया गया और सर्वोच्च अदालत का फैसला निरस्त कर दिया गया, तो भाजपा ने व्यापक स्तर पर समान नागरिक संहिता का प्रचार किया। अंततः 1989 में इस मुद्दे को पार्टी के चुनाव घोषणा पत्र में शामिल किया गया और यह सिलसिला 2019 के लोकसभा चुनाव तक बदस्तूर जारी रहा। सवाल है कि प्रधानमंत्री के आक्रामक आह्वान के बावजूद यह मुद्दा फिलहाल ठंडे बस्ते में क्यों डाल दिया गया? उत्तराखंड, हिमाचल, उप्र, मध्यप्रदेश, असम आदि भाजपा-शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता पर विशेष समितियां गठित की गईं। उन्होंने बड़े आक्रामक अंदाज में विमर्श की प्रक्रियाएं भी शुरू कीं। संघ की भी इच्छा रही है कि उसके सनातन, परंपरागत मुद्दे को भी कानून का रूप दिलाया जाए, ताकि उसकी बुनियादी विचारधारा देश भर में लागू की जा सके। बहरहाल इस मुद्दे को फिलहाल टाल देने के पीछे जो भी कारण और राजनीतिक मजबूरियां होंगी, धीरे-धीरे वे सार्वजनिक हो सकती हैं, लेकिन विविधताओं के इस खूबसूरत देश में न तो एक कानून लागू है और न ही ऐसी संभावनाएं हैं। मसलन-अरुणाचल प्रदेश भारत का ही अभिन्न राज्य है, लेकिन देश का औसत नागरिक आराम से वहां नहीं जा सकता। उसके लिए 'परमिट' लेना अनिवार्य है। इसी तरह पहाड़ी और पूर्वोत्तर के राज्यों में, देश से अलग, विभिन्न कानून हैं। आम भारतीय चाहे, तो इन राज्यों में मकान, दुकान, संपत्ति खरीदना निषिद्ध है। आम नागरिक मौलिक अधिकारों के मुताबिक इन राज्यों में जाकर बस भी नहीं सकता। बाकी तो सब कुछ भिन्न है। हिंदू विवाह अधिनियम और स्पेशल मैरिज एक्ट में अलग-अलग कानून निहित हैं। कई विसंगतियां भी हैं। भारत में 11 करोड़ से ज्यादा आदिवासी रहते हैं और वे देश के नागरिक हैं। उनके कबीलाई दौर के कानून एवं मान्यताएं हैं। उन्हें कैसे बदला जा सकता है। जो कानून आईपीसी और सीआरपीसी के तहत लागू होते हैं, उनमें आज तक सुधार या संशोधन नहीं किए जा सके हैं। यह मुद्दा मुसलमानों के शरिया कानूनों और मजहबी रीति-रिवाज, मान्यताओं के मद्देनजर नहीं है। समान नागरिक संहिता वहां तक सीमित भी नहीं है। अभी तो गैर-मुस्लिम जमात में बहुत कुछ विरोधाभासी और अवांछित है। सारांश यह है कि देश में एक ही कानून लागू किया जाना व्यावहारिक नहीं है। यहां कानून के भीतर कानून निहित हैं। समान नागरिक संहिता कैसे संभव होगी, कमोबेश ऐसा विधेयक बनकर सामने आएगा, तभी कुछ कहा जा सकता है। इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड पहला ऐसा राज्य है जहां अपनी समान नागरिक संहिता बनाने पर काम चल रहा है। बहरहाल, एनडीए इस मसले पर पीछे हटता दिखाई दे रहा है।

संसद के जरिए सूचना मिली है कि यदि विधि आयोग की संपूर्ण रपट भी आ जाए और कुछ भाजपा-शासित र ाज्यों में भी लागू कर दी जाए, उसके बावजूद समान नागरिक संहिता का बिल मानसून सत्र में पेश नहीं किया जाएगा। अभी भारत सरकार, राज्यों के साथ, इस मुद्दे पर व्यापक विमर्श रकना और आम सहमति बनाना चाहती है। यानी आईने की रतह साफ है कि मोदी सरकार के मौजूदा कार्यकाल में समान नागरकि संहिता का कानून नहीं बनेगा। दरअसल यह मुद्दा सात दशक पुराना है, जब डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 'राष्ट्रीय जनसंघ' की स्थापना की थी। उससे पहले अप्रैल, 1948 में तत्कालीन केंद्रीय कानून मंत्री डा. भीमराव अंबेडकर ने 'हिंदू कोड बिल' का मसविदा संविधान सभा के सामने र खा था और कानूनों को संहिताबद्ध रकने का विचार दिया था।

बोधि वृक्ष

भगवान श्रीकृष्ण के अनुसार, ऐसे ही लोग होते हैं ज्ञानी और मिलती है अपार सफलता

हम सब समझदार और होशियार होना चाहते हैं। लेकिन असल समझदारी क्या होती है, क्या ये कोई बता सकता है? अक्सर हम स्वार्थ या अहं को समझदारी का नाम दे देते हैं। लेकिन अहं या हठ से किया गया कोई भी कार्य कभी सार्थक नहीं होता। तो आइए देखें कि भगवान श्रीकृष्ण के अनुसार समझदारी क्या होती है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण समझाते हैं कि असली ज्ञानी या समझदार वह होता है जिसको अपने कर्म के फल की चिंता नहीं होती। असली ज्ञानी वह है जिसके मन में अपने कर्म को लेकर एक वैराग्य की भावना होती है। इसका मतलब यह है कि वह इस बात में नहीं उलझता कि उसके काम का परिणाम क्या होगा। उसका ध्यान पूरी तरह से सिर्फ और सिर्फ अपने काम पर होता है। जैसे अगर कुम्हार मटका बना रहा हो और उस समय उसका ध्यान इस बात पर चला जाए कि मटका 150 रुपये में बिकेगा या 250 में, तो क्या वह अच्छे से मटका बना पाएगा? अपने कर्म में वैराग्य होने का अर्थ यही है। वैराग्य का मतलब यह नहीं कि आप कुछ ना करें और जंगल में जाकर संन्यासी

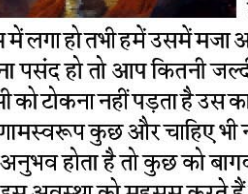

जीवन बिताएं। वैराग्य का सीधा अर्थ है कि आपका ध्यान और मन केवल आपके काम पर हो। उसके फल की चिंता करने में नहीं। भगवान श्रीकृष्ण के अनुसार जब हम अपने काम में इतना ध्यान लगा पाते हैं कि हमें उसके अलावा कुछ न दिखे तब हम सच्चे ज्ञानी बन जाते हैं। जब हमारा मन किसी काम में लगा हो तभी हमें उसमें मजा आता है। जरा सोचिए, जब आपको कोई काम करना पसंद हो तो आप कितनी जल्दी और कितने अच्छे से वह काम करते हैं। किसी को टोकना नहीं पड़ता है उस काम के लिए। और आपको वह काम करने के परिणामस्वरूप कुछ और चाहिए भी नहीं होता है। कुछ लोगों को खाना बनाने में यह अनुभव होता है तो कुछ को बागवानी या गार्डेनिंग में। कुछ लोग लेख लिख कर इस अवस्था को महसूस करते हैं तो कुछ व्यापारी व्यापार से ही परम आनंद पा लेते हैं। ये सब काम तो अलग है, लेकिन इनके साथ जुड़ी हुई भावना एक है। यह कि आप अपने कर्म को करने में इतनी खुशी पाते हैं कि उसके फल की आपको चिंता नहीं रहती। कर्म करना अपने आप में फल बन जाता है। भगवान श्रीकृष्ण इस श्लोक में आगे समझाते हैं कि सच्चे ज्ञान का एक पहलू यह भी है कि हमारा हर संकल्प और हर कर्म ज्ञान से उत्पन्न हो, स्वार्थ या अहं से नहीं। संकल्प का अर्थ होता है दुनिया के बारे में हम कैसी सोच रखते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के अनुसार जो सच्चा ज्ञानी होता है उसके विचारों में शुद्धि, सरलता और सेवा की भावना भरी हुई होती है। तो आप जो करते हैं उससे इस दुनिया को थोड़ा और बेहतर बना सकते हैं क्योंकि आपके विचार में शुद्धि, सरलता और दुनिया की सेवा की भावनाओं का मिश्रण है। उसी तरह जब भी आप कोई कर्म करते हैं तो मन में यह बात जरूर रखिए कि अगर आप किसी का भला नहीं कर सकते हैं तो किसी का बुरा भी न करें। जब आप का कर्म इस विचार से उठेगा तो वह अपने आप ही ज्ञान का प्रतीक बन जाएगा। जब भी आप ज्ञान की परिभाषा खोजने लगें तो भगवान श्रीकृष्ण की इन सरल लेकिन गहरी बातों को याद जरूर करें।

गरीबी का एक समान आकलन संभव नहीं हो पाता है और इसके कारण विश्व के विभिन्न देशों के बीच तुलना करना भी कठिन हो जाता है

गरीबी उन्मूलन : भारत से सीखे दुनिया

डा. अश्वनी महाजन

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मार्च 2023 तक गरीब महिलाओं को 9 .59 करोड़ गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं और मार्च 2023 तक देश में कुल 31 .26 करोड़ एलपीजी गैस कनेक्शन थे। ऐसा माना जाता है कि हमारी आबादी का बहुत कम प्रतिशत बचा है जिसके पास एलपीजी गैस कनेक्शन के रूप में स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन तक पहुंच नहीं है। आज देश के दूरदराज के गांवों तक भी बिजली पहुंच चुकी है और सरकार का दावा है कि देश के 100 प्रतिशत गांवों में बिजली पहुंच चुकी है। ये दुनिया के लिए एक सबक है। बहुआयामी गरीबी को भी दूर किया जा सकता है, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और आवश्यक प्रयासों की जरूरत है।

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा प्रकाशित बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2023 रिपोर्ट में भारत की इस बात के लिए सराहना की गई है कि उसने गरीबी उन्मूलन में अन्य देशों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। 2015 में, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में से एसडीजी-1 में उम्मीद की गई थी कि दुनिया में 2030 तक सभी प्रकार की गरीबी समाप्त हो जाएगी। वर्ष 2023 की रिपोर्ट इस लक्ष्य के लिए निर्धारित 15 वर्षों के लगभग मध्य में आई है जिसमें इस बात पर संतोष व्यक्त किया गया कि वैश्विक स्तर पर इस लक्ष्य की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

बहुआयामी गरीबी क्या है?

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, यूएनडीपी गरीबी की एक परिभाषा का उपयोग करता है जिसे बहुआयामी गरीबी कहा जाता है। यह परिभाषा सभी देशों के लिए समान है। विश्व के विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा उपयोग की जाने वाली गरीबी की भिन्न-भिन्न परिभाषाओं के कारण गरीबी का एक समान आकलन संभव नहीं हो पाता है और इसके कारण विश्व के विभिन्न देशों के बीच तुलना करना भी कठिन हो जाता है। यूएनडीपी के बहुआयामी गरीबी माप में कई अभाव तत्व शामिल हैं, जो सभी देशों में समान हैं। इसमें पोषण, बाल मृत्यु दर, स्कूली शिक्षा के वर्ष, स्कूल में उपस्थिति, रसोई ईंधन, स्वच्छता, पीने का पानी, बिजली, आवास और संपत्ति शामिल हैं। गौरतलब है कि विभिन्न देशों में डेटा की उपलब्धता के आधार पर अलग-अलग वर्षों में बहुआयामी गरीबी का अनुमान लगाया गया है। अतः यूएनडीपी के आंकड़ों से किसी एक वर्ष में विभिन्न देशों में गरीबी का तुलनात्मक अध्ययन संभव नहीं है। विभिन्न देशों के लिए यूएनडीपी के पास उपलब्ध प्रारंभिक डेटा 2005-06 से 2019-21 तक है। इसलिए रिपोर्ट में प्रकाशित आंकड़ों से यह पता लगाना संभव नहीं है कि एक निश्चित अवधि के दौरान दुनिया के सभी देशों में तुलनात्मक रूप से गरीबी कितनी और कब कम हुई है। भारत के संदर्भ में, यूएनडीपी डेटा तीन वर्षों- 2005-06, 2015-16 और 2019-21 का विवरण देता है। इस डेटा के मुताबिक, भारत में साल 2005-06 में 55.1 फीसदी आबादी यानी 64.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से पीड़ित थे। 10 साल बाद 2015-16 में यह आंकड़ा 27.7 फीसदी यानी 37 करोड़ तक पहुंच गया। इन 10 वर्षों के दौरान गरीबी के प्रतिशत में कमी की दर सालाना 6.6 प्रतिशत रही। लेकिन 2015-16 से 2019-21

की अवधि में, बहुआयामी गरीबी से पीड़ित गरीबों का अनुपात घटकर जनसंख्या का केवल 16.4 प्रतिशत रह गया और गरीबों की संख्या घटकर केवल 23 करोड़ रह गई। यानी सिर्फ 5 साल में 14 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए और गरीबी कम होने की रफ्तार बढक़र सालाना 10 फीसदी से भी ज्यादा हो गई। यह बताना महत्वपूर्ण है कि 2015-16 और 2019-21 के बीच, केवल 5 वर्षों में गरीबों की संख्या में 38 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिसमें एक वर्ष से अधिक की सबसे खराब महामारी भी शामिल है। ऐसे में यह समझना जरूरी होगा कि इस दौरान ऐसा क्या खास हुआ कि गरीबी कम करने में अभूतपूर्व तेजी आई, जिससे यूएनडीपी को भारत की तारीफ करनी पड़ी। ये भारत के लिए तो अच्छी खबर है ही, दुनिया के लिए भी ये एक अहम खबर और सबक है। चूंकि यूएनडीपी ने बहुआयामी गरीबी के जो आंकड़े प्रकाशित किए हैं, वे अलग-अलग वर्षों के हैं, यूएनडीपी द्वारा मूल्यांकन किए गए 81 देशों (जिनके बारे में एजेंसी ने डेटा प्रकाशित किया है) के 150.8 करोड़ गरीब लोगों में से 64.5 करोड़ लोग भारत से थे। यानी इन 81 देशों के 42.8 फीसदी से ज्यादा गरीब भारत में रहते थे। लेकिन यूएनडीपी के ताजा आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के इन 81 देशों में गरीबों की कुल संख्या अब घटकर 97.4 करोड़ हो गई है, लेकिन इसमें उल्लेखनीय और दिलचस्प तथ्य यह है कि इस संख्या में भारत का योगदान केवल 230 करोड़ ही है। यानी अब इन 81 देशों के केवल 23.7 प्रतिशत गरीब लोग ही भारत से आते हैं। इसका मतलब यह भी है कि बहुआयामी गरीबी के तहत लोगों की संख्या में कुछ अन्य देशों का योगदान पहले से ही बढ़ गया है। इतना ही नहीं, जहां 81 देशों का संयुक्त बहुआयामी गरीबी सूचकांक अब 0.275 से घटकर 0.203 पर आ गया है, वहीं भारत का सूचकांक 2005-06 में 0.283 से घटकर 2015-16 में 0.122 और 2019-21 में सिर्फ 0.069 पर आ गया है जो कि एक बड़ी उपलब्धि है। यह भारत के लिए गर्व की बात है और दुनिया के लिए चिंता का कारण है। दुनिया को इससे सबक लेने की जरूरत है कि उसे भी भारत की तर्ज पर बहुआयामी गरीबी दूर करने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए।

भारत का मॉडल है क्या?

नरेंद्र मोदी सरकार का बहुआयामी गरीबी के निर्धारकों पर विशेष ध्यान रहा। आज भारत में बाल मृत्यु दर घटकर मात्र 1.5 प्रतिशत रह गई है जो 2015-16 में 2.2 प्रतिशत थी। यह भारतीय बच्चों के पहले से बेहतर स्वास्थ्य का जीता जागता सबूत है। पोषण और कुपोषित बच्चों के प्रतिशत में भी भारी सुधार हुआ है जो 2005-06 में 44.3 प्रतिशत से घटकर 2015-16 में 21.1 प्रतिशत और 2019-21 में केवल 11.8 प्रतिशत रह गया है। आवास की बात करें तो पिछले 8 वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी और ग्रामीण दोनों मिलाकर लगभग 3 करोड़ घर बनाए गए हैं जिस पर केंद्र द्वारा 5 लाख करोड़ रुपए (लगभग 60 अरब डॉलर) की सहायता दी गई है। कोरोना के कारण सबके लिए पक्के आवास का लक्ष्य समय पर पूरा नहीं हो सका, लेकिन अब तक मुश्किल से कुछ लाख लोग ही बचे हैं जिनके पास पक्का घर नहीं है। यूएनडीपी के अनुसार वर्ष 2015-16 में कुल 23.5 प्रतिशत आबादी पक्के और आरामदायक घरों से वंचित थी और 2019-21 में केवल 13.6 प्रतिशत। नरेंद्र मोदी सरकार की एक और महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल से जल (सभी घरों तक पाइप से पानी) पर तेजी से काम हुआ है और अब यूएनडीपी के अनुसार 2019-21 में केवल 2.7 प्रतिशत आबादी सुरक्षित पेयजल से वंचित थी। स्वच्छता की बात करें तो पिछले 8 वर्षों में 11 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मार्च 2023 तक गरीब महिलाओं को 9.59 करोड़ गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं और मार्च 2023 तक देश में कुल 31.26 करोड़ एलपीजी गैस कनेक्शन थे। ऐसा माना जाता है कि हमारी आबादी का बहुत कम प्रतिशत बचा है जिसके पास एलपीजी गैस कनेक्शन के रूप में स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन तक पहुंच नहीं है। आज देश के दूरदराज के गांवों तक भी बिजली पहुंच चुकी है और सरकार का दावा है कि देश के 100 प्रतिशत गांवों में बिजली पहुंच चुकी है। ये दुनिया के लिए एक सबक है। बहुआयामी गरीबी को भी दूर किया जा सकता है, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और आवश्यक प्रयासों की जरूरत है। इस तरह पिछले कुछ वर्षों में भारत ने बेहतर काम किया है।

क्या है मैतेई और कुकी के बीच की लड़ाई जिसमें जल रहा है मणिपुर

मणिपुर में कुकी जनजाति म्यांमार (बर्मा) से शरणार्थी बनकर आई थी और 1700 ई. से मणिपुर के चूड़ाचंद्रपुर इलाके में बसी हुई है। और भी नए लोग म्यांमार से शरणार्थी बनकर लगातार आ रहे हैं। कुकी और नागा जनजाति दोनों मिलकर मणिपुरी जनसंख्या का लगभग 40% (25% और 15%) है। दोनों ईसाई हैं और उनको जनजाति का दर्जा और आर्थिक आरक्षण की सुविधा प्राप्त है। मैतेई समुदाय जनसंख्या के 50% से थोड़े अधिक हैं और अधिकांश हिन्दू हैं। मैतेई जनसंख्या का 8% मुस्लिम है जिसे 'मैतेई पंगल' कहते हैं। 1993 में नागा-कुकी समुदाय के बीच भी झगड़े में भारी हिंसा हुई जिसमें नागाओं ने कुकी को मारा था। किन्तु मैतेई समाज का विरोध ये दोनों साथ मिलकर करते हैं क्योंकि जनजातियों का मानना है कि उनके पहाड़ों में रहने के कारण आर्थिक विकास उन तक पहुँच नहीं पाता और सारा लाभ समतल में रहने वाले मैतेई को मिलता है।

मणिपुर में मार्च 2023 में बहुसंख्यक मैतेई समुदाय को मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा जनजाति का दर्जा मिलने से परेशान नागा-कुकी आदिवासियों के विरोध प्रदर्शन में बहुत से लोग मारे गए हैं। मणिपुर में कुकी जनजाति म्यांमार (बर्मा) से शरणार्थी बनकर आई थी और 1700 ई. से मणिपुर के चूडाचंद्रपुर इलाके में बसी हुई है। और भी नए लोग म्यांमार से शरणार्थी बनकर लगातार आ रहे हैं। कुकी और नागा जनजाति दोनों मिलकर मणिपुरी जनसंख्या का लगभग 40% (25% और 15%) है। दोनों ईसाई हैं और उनको जनजाति का दर्जा और आर्थिक आरक्षण की सुविधा प्राप्त है। मैतेई समुदाय जनसंख्या के 50% से थोड़े अधिक हैं और अधिकांश हिन्दू हैं। मैतेई जनसंख्या का 8% मुस्लिम है जिसे 'मैतेई पंगल' कहते हैं। 1993 में नागा-कुकी समुदाय के बीच भी झगड़े में भारी हिंसा हुई जिसमें नागाओं ने कुकी को मारा था। किन्तु मैतेई समाज का विरोध ये दोनों साथ मिलकर करते हैं क्योंकि जनजातियों का मानना है कि उनके पहाड़ों में रहने के कारण आर्थिक विकास उन तक पहुँच नहीं पाता और सारा लाभ समतल में रहने वाले मैतेई को मिलता है। मैतेई जनसंख्या के 50% से थोड़े ही अधिक हैं पर उनके लिए विधान सभा में 60% सीटें भी सुरक्षित हैं। इसलिए जब मणिपुर उच्च न्यायालय ने मैतेई जाति को अनुसूचित जनजाति में डालने का आदेश दिया तो इन समुदायों के बीच भयानक द्वंद्व छिड़ गया। दंगों को रोकने के लिए राज्य में सेना तैनात करनी पड़ी और देखते ही गोली मारने (शूट एट साइट) के आदेश जारी किए गए। किन्तु मई 2023 में बहुसंख्यक मैतेई द्वारा कुकी जनजाति की महिलाओं पर बर्बरता की वीभत्स और नृशंस घटना ने देश-दुनिया को हिलाकर रख दिया। मई 2023 में ही सुप्रीम कोर्ट ने इस विवादित आदेश के लिए हाई कोर्ट को फटकार भी लगाई और जून 2023 में मणिपुर उच्च न्यायालय ने अपने आदेश का 'रिव्यू' करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और जुलाई में सुनवाई शुरू हुई है। इस भयंकर समस्या का दूसरा पक्ष देखें तो कई लोगों का मानना है कि अंग्रेजों ने कुकी समाज को बर्मा से लाकर मणिपुर में बसाया। ईसाइयों ने जगह-जगह अपने स्कूल खोले और कुकी समाज को ईसाई धर्म में परिवर्तित करना शुरू किया। उन्हें नागाओं के खिलाफ खड़ा किया क्योंकि ये नागा अंग्रेजों को मारते थे। धीरे-धीरे वहां के मूल लोगों की संस्कृति नष्ट होने लगी। मैतेई समाज का दुखड़ा यह भी है कि वे मूलतः आदिवासी थे किन्तु वर्षों पहले हिन्दू धर्म अपनाने के कारण उन्हें 'सामान्य' श्रेणी में रखा गया और वे जनजाति का आरक्षण पाने से चूक गए। मंडल कमीशन के बाद मैतेई को 'ओबीसी' की श्रेणी में रखा गया। किन्तु वे अभी भी पहाड़ी भूमि नहीं खरीद सकते जबकि कुकी और नागा अपने जनजाति होने के कारण पहाड़ी और समतल- दोनों में भूमि खरीद सकते हैं। ये भी आरोप है कि कुकी और नागा जनजाति-आदिवासी आरक्षण का लाभ लेकर मणिपुर के 90% भूभाग पर कब्जा करके अमीर हो गए हैं और बहुसंख्यक मैतेई के पास केवल 10% भूभाग रह गया है। इससे आर्थिक असमानता उत्पन्न हो गई है। कई लोगों का यह भी आरोप है कि हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी मैतेई समाज को उनका अधिकार देने के बजाय कुकी जनजातियों द्वारा

म्यांमार आतंकवादियों की मदद से और चीन के आधुनिक हथियारों से मारा जा रहा है। यदि विदेशी मूल के प्रवासियों की बात करें तो गोगोई जाति भी बर्मा से आकर असम में बसी है। कितने ही बांग्लादेशी शरणार्थी और घुसपैठिए दयालु देश भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में विशेष रूप से और देश की राजधानी के अन्दर भी उपस्थित हैं। बर्मा से ही आए हुए रोहिंग्या मुस्लिम भी देश में भर रहे हैं। हम इस विषय में क्या कार्रवाई कर रहे हैं? प्रशासन को देश में आने वाली प्रवासी आबादी के लिए नागरिकता और आरक्षण की एक स्पष्ट और कड़ी नीति बनानी होगी। पहले हम अपनी दयालुता दिखाकर किसी अज्ञात कुलगोत्र को शरण दे दें और फिर उसकी समृद्धि या शक्ति में वृद्धि देखकर उसे गालियाँ दें, यह दोनों ही बातें सही नहीं हैं। हिन्दू भी ईसाई देशों में प्रवासी बनकर जाते हैं, बसते हैं और कभी जातिगत टकराव होने पर उन्हें भी खतरा हो सकता है। फिर जब मॉरिशस और इंग्लैंड में भारतीय मूल का प्रधानमंत्री बनता है या यूएसए में भारतीय मूल की उपराष्ट्रपति बनती हैं, तब देश में प्रसन्नता की लहर और विजय की उमंग क्यों दौड़ जाती है? क्या विदेशी मूल के व्यक्तियों के बढ़ते कद और आर्थिक समृद्धि से सिर्फ हमें 'प्रॉब्लम' होती है, दूसरों को नहीं? मणिपुर की समस्या का जो भी कारण हो, उसका शीघ्र निदान ढूंढना नीतिकारों का दायित्व है। अपने आर्थिक हित के संरक्षण के लिए मनुष्यों के समूहों में और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं में टकराव सदा से होते आए हैं। भारत में पहले भी जनजाति की आरक्षण सुविधा के लिए राजस्थान में मीणा और गुर्जर समूहों में टकराव हुआ है। पर मणिपुर का टकराव बिल्कुल अलग है।

नागरिक बोध

आरोपों की जरीब

हिमाचल के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के बयान ने विपक्ष को मसाला और प्रशासन को एक हवाला दिया है। आरोपों की गंभीरता में नाखून बहुत गहरे हैं, तो सरकार के अपने ही कामकाज में यह दाग चस्पां हो रहा है। मंत्री को लगता है कि उनकी विकासात्मक ड्राइंग बदली जा रही है या उन्हें पूछे बिना प्रस्ताव परिवर्तित हो रहे हैं। हालांकि इसके विस्तृत विवरण में ही अर्थ मिलेंगे, लेकिन नौकरशाही के अदब में हो रही किलेबंदी नासूर की तरह है। यह पहला अवसर नहीं कि किसी मंत्री ने आरोपों की जरीब से अपनी फाइल मापी हो, बल्कि इससे पहले जयराम सरकार में तत्कालीन ऊर्जा मंत्री का बयान चर्चित रहा था, जहां उन्होंने कहा था कि 'साहब' लोग मानते नहीं, जो कहा जाए-सुनते नहीं। ऐसे में कुछ तो है राजधानी की सर्द हवाओं में जो आरोपों के माथे पर पसीना तक आ गया। हालांकि हर पहलू की ड्राइंग नहीं होती, फिर भी कहीं तो समरूपता की जरूरत है। बार-बार एक मंत्री के बयान हवाओं में घर्षण और निगाहों से बेचैनी पैदा कर रहे हैं, तो सियासी घटाओं में अंदेशा बढ़ता है। बहरहाल किसी मंत्री का बार-बार इस तरह दायरे से बाहर आ जाना सही नहीं है, तो गलत को सही करने की जरूरत भी है। इसमें दो राय नहीं कि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने अपने आरंभिक फैसलों से प्रशासनिक गति का परिचय कराया, लेकिन सुशासन का घी निकालना है तो अंगुली टेढ़ी करनी होगी। यानी इस प्रदेश में वर्षों से सत्ता बदल रही है, लेकिन नौकरशाही और अफसरशाही यथावत सियासी मोहरों को चला रही है। बहुत सारे प्रशासनिक सुधारों की जरूरत है और जो चरणबद्ध तरीके, पारदर्शिता एवं जवाबदेही से पूरे होंगे। दरअसल हिमाचल में न केवल वित्तीय, बल्कि मानव संसाधन का भी अपव्यय हो रहा है। ऐसे में क्षेत्रीय अपेक्षाएं अकसर शिमला के बंद गलियारों में गुम हो जाती हैं। राजनीति अपने कारण व कारक ढूंढ कर प्राथमिकताएं तय कर सकती है, लेकिन ऐसा कोई प्रारूप नहीं-कोई संवेदनशीलता नहीं कि व्यवस्था में आमूल चूल बदलाव आए। हिमाचल अपनी भौगोलिक उम्मीदों के साथ आगे बढ़ा है और पर्वतीय राज्यों में अग्रणी बना, तो इसका श्रेय उस तालमेल व नेतृत्व को जाता है जिसके तहत भविष्य रेखांकित हुआ। आश्चर्य यह कि अब यही अंदाज भौगोलिक-राजनीतिक संकीर्णता व क्षेत्रवाद में फनां हो रहा है। धीरे-धीरे मंत्रियों की स्वीकार्यता केवल अपने चुनाव हलके तक सिमट गई। जब मंत्री केवल अपने विधानसभा क्षेत्रों को ही विभागीय दर्पण में देखेंगे, तो राज्यव्यापी दृष्टि का क्या होगा। ऐसे ही हालात में सचिवालय की संस्कृति तीव्रता से बदल रही है। जिस सचिवालय की तासीर में क्रांतिकारी बदलाव लाने की तमन्ना रहेगी, वही वर्तमान को भविष्य के सुखद एहसास में बदल सकता है। महकमा बड़ा तब होता है, जब राजनीतिक दृष्टि और प्रशासनिक कर्मठता का तालमेल हो। यहां अगर विक्रमादित्य की शिकायत मीडिया तक पहुंच गई, तो यह घालमेल अनेक शंकाओं को जन्म देगा। कहां तो हम सरकार की निरंतरता में पहले से शुरू कार्यों को पूरा करने की अपेक्षा रखते हैं और कहां अब फासले अपनी ही सरकार से एक मंत्री के बयान में दिखाई दे रहे हैं। ऐसी अशांति ठीक नहीं और न ही सरकार के एक जवाबदेह मंत्री का यह बयान साधारण माना जाएगा। हिमाचल में कमोबेश हर सरकार को प्रशासनिक, विकासात्मक, व्यावहारिक व राजनीतिक संतुलन की जरूरत रहती है। सत्ता का झुकाव फिलहाल शिमला की परिक्रमा में दिखाई दिया है, तो यह बयान कौन सा न्याय मांग रहा है। हकीकत में राजनीतिक संतुलन की कहीं अधिक आवश्यकता है और यह मंत्रिमंडल के खाली पदों को देख देख कर उत्सुकता बढ़ाता है।

देश दुनीया से

मेरी मां को किसने मारा?

आप कहेंगे, मेरी किस्मत खराब थी, इसलिए जब मैं 21 साल की हुई तो मेरी मां इस दुनिया में नहीं रही। पहले मैं शमशानघाट की तरफ देखती भी नहीं थी, डरती थी, लेकिन मां को वहां पहुंचाने वालों ने मुझे भी उसकी चिता के करीब लाकर खड़ा कर दिया। भयंकर आग में उस दिन मेरी मां जल रही थी और एक आग मेरे सीने में जल रही थी। यह आग पूछ रही थी, 'मेरी मां को किसने मारा?' वह पेट की एक साधारण सी बीमारी से पीड़ित हुई थी। मेरे पिता जी उन्हें लगातार दो दिन धर्मशाला के क्षेत्रीय अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में ले जाते रहे, लेकिन वहां मिलती थी एक अदद ग्लूकोज की बोतल और फिर छुट्टी। उनके लिए मेरी मां सिर्फ एक असंवेदनशील डिस्चार्ज रिपोर्ट थी, इसलिए हर बार निपटा दी गई। अस्पताल की हुकूमत चलाने वालों का दिल इतना भी नहीं पसीजा कि एक बेटी की मां की अहमियत जान लेते। जान लेते कि हर मरीज के पीछे ढेरों रिश्ते, आंसू और आश्वासन होते हैं। जान लेते कि इमरजेंसी में मरीज शौकिया नहीं आते। जान लेते कि सरकारी अस्पताल की पर्चियां अगर अपंग हो जाएं, तो शमशानघाट आबाद हो जाते हैं। हमारे परिवार को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर पूर्ण भरोसा था, इसलिए लगातार दो दिन जोनल हास्पीटल को मंदिर मानकर पूजते रहे। इसके पीछे सबसे बड़ा सिला बारह जुलाई की अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट ने यह दिया कि मेरी मां की आंतडियां व पेट नार्मल है। इसमें आश्चर्य नहीं था और भरोसे करने के लिए अस्पताल के रेडियोलॉजिस्ट का अनुभव और इसी अस्पताल में लगातार दो दशकों से उसके बने रहने का प्रमाणपत्र भी था। जाहिर है जिस डाक्टर को कमोबेश हर सरकार ने पिछले बीस सालों से धर्मशाला अस्पताल में ही काम करने की छूट दे रखी हो, उसके वजूद, उसकी पहुंच, उसकी क्षमता और उसकी दक्षता पर मरीज क्यों न विश्वास करें। हमने भी किया, लेकिन तीसरे दिन के बाद जब मां असहनीय स्थिति में पहुंच गई या हमें जब प्रतिकूल परिस्थितियों में एक निजी अस्पताल की शरण लेनी पड़ी, तो मालूम हुआ कि मामला इंटेस्टाइनल ऑबस्ट्रक्शन का था, जिसे धर्मशाला अस्पताल की वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट ने 'नार्मल' प्रमाणित कर रखा था। बिगड़ती हालत में मेरी मां का निजी अस्पताल में आप्रेशन तो सफल रहा, लेकिन सरकारी अस्पताल की एक रिपोर्ट ने जो •हर पेट में इकट्ठा कर दिया था, उसके लिए उसे मरना ही था। और वह मरी मेरे आंसुओं के नसीब में। मैं सरकार से यही पूछना चाहती हूं कि मेरी मां को एक गलत रिपोर्ट मार सकती है, तो एक सही रिपोर्ट बचा भी तो सकती थी। काश! मेरी मां धर्मशाला की वरिष्ठ डाक्टर के पास न गई होती। काश! सरकार ने ऐसी डाक्टर को समय रहते बदल दिया होता। काश! महिला डाक्टर को पता होता कि मरीज उसकी मजबूरी नहीं, प्रोफेशनल एथिक्स की एक गंभीरता है। मेरी मां तो मर गई, लेकिन मुझे मेरी मां से सदा-सदा के लिए दूर उस नालायक रिपोर्ट ने किया, जिसके साथ मौत का फरमान टंगा है। सरकार छानबीन करे, तो मेरी मां की अर्थी से पहले न जाने कितनी अर्थियां इसी तरह उठी होंगी, पता चल जाएगा, क्योंकि सरकारी अस्पतालों की इमरजेंसी में कोई न कोई डाक्टर पर्ची को आगे सरका रहा होता है। कभी धर्मशाला अस्पताल हमीरपुर से ऊना तक के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता था, लेकिन अब ऐसे संस्थान केवल सरकारी नौकरी के अभयारण्य बन गए हैं।

इसमें आश्चर्य नहीं था और भरोसे करने के लिए अस्पताल के रेडियोलॉजिस्ट का अनुभव और इसी अस्पताल में लगातार दो दशकों से उसके बने रहने का प्रमाणपत्र भी था। जाहिर है जिस डाक्टर को कमोबेश हर सरकार ने पिछले बीस सालों से धर्मशाला अस्पताल में ही काम करने की छूट दे रखी हो, उसके वजूद, उसकी पहुंच, उसकी क्षमता और उसकी दक्षता पर मरीज क्यों न विश्वास करें। हमने भी किया, लेकिन तीसरे दिन के बाद जब मां असहनीय स्थिति में पहुंच गई या हमें जब प्रतिकूल परिस्थितियों में एक निजी अस्पताल की शरण लेनी पड़ी, तो मालूम हुआ कि मामला इंटेस्टाइनल ऑबस्ट्रक्शन का था, जिसे धर्मशाला अस्पताल की वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट ने 'नार्मल' प्रमाणित कर रखा था। मैं सरकार से यही पूछना चाहती हूं कि मेरी मां को एक गलत रिपोर्ट मार सकती है, तो एक सही रिपोर्ट बचा भी तो सकती थी।

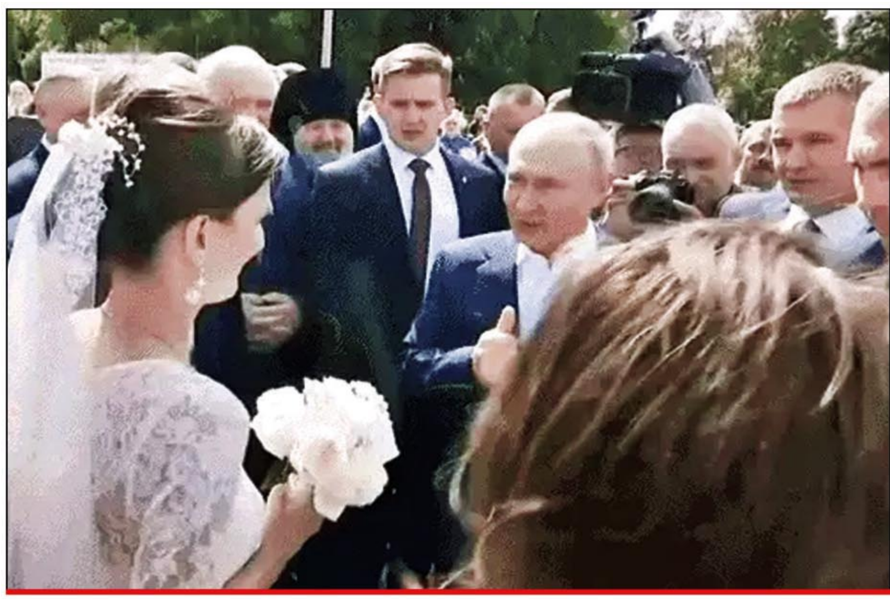

रूस की सड़क पर लोगों से मिले पुतिन: ब्राइड के साथ फोटो खिंचवाई, तीन हफ्ते पहले 8 साल की बच्ची को मिलने ऑफिस बुलाया था

सेंट पीटर्सबर्ग।

वैगनर आर्मी की बगावत के बाद से पुतिन लगातार लोगों के बीच जा रहे हैं। एक रूसी दुल्हन से मिलते हुए पुतिन का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको भी उनके साथ हैं। वीडियो रूस के क्रोंसटाट शहर का है, जिसे रूसी मीडिया हाउस ने शेयर किया है। वीडियो में पुतिन शादी के बाद चर्च से बाहर आई ब्राइड के साथ फोटो खिंचवाते दिखाई दे रहे हैं। वहीं पुतिन को देखने और उनसे मिलने के लिए भीड़ जुटी दिखाई दे रही है। प्रिगोजिन के तख्तापलट की कोशिशों के बाद पुतिन पहले के मुकाबले ज्यादा पब्लिक में दिख रहे हैं। 4 जुलाई को उन्होंने एक 8 साल की बच्ची को मुलाकात के लिए अपने ऑफिस बुलाया था। पुतिन ने फाइनेंस मिनिस्टर को कॉल कर बच्ची की उनसे बात भी कराई थी।

36 घंटे की बगावत का पुतिन की इमेज पर असर

पिछले महीने रूस की प्राइवेट मिलिट्री ने पुतिन के खिलाफ बगावत कर दी थी। वैगनर के चीफ और कभी पुतिन के रसोइये रह चुके येवगेनी प्रिगोजिन ने अपने लड़ाकों के साथ रूस के रोस्तोव शहर पर कब्जा कर लिया था और रूस की ओर बढ़ गए थे। हालांकि, ये बगावत 36 घंटे के भीतर खत्म हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसका पुतिन की ताकतवर नेता वाली छवि पर काफी असर पड़ा था। जर्मनी और पश्चिमी देश के नेताओं ने कहा था कि प्रिगोजिन की बगावत से रूस पर पुतिन की पकड़ कमजोर हुई।

ग्रेन डील पर पहली बार बोले पुतिन

वैगनर की बगावत के बाद पुतिन न सिर्फ लोगों से मिल रहे हैं, बल्कि उन्होंने मीडिया के सामने ज्यादा आना भी शुरू कर दिया है। पुतिन ने रविवार को यूक्रेन के साथ खत्म की ग्रेन डील पर पहली बार चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच जंग शुरू होने के बाद हुई ब्लैक सी डील का मकसद ही खत्म हो गया था। इसे लेकर जेलेंस्की ने बुधवार को नाटो काउंसिल की एक बैठक भी बुलाई है। जेलेंस्की के स्पोक्सपर्सन ने कहा था- रूस के अलग होने से हमें कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हम ब्लैक सी के जरिए सप्लाई जारी रखेंगे। इसमें यूएन की मदद लेते रहेंगे। हमने शिपिंग कंपनियों से बातचीत की है और वो सप्लाई के लिए तैयार हैं। तुर्किये के रास्ते दुनिया को अनाज पहुंचाना जारी रखा जाएगा। रूस-यूक्रेन जंग के बाद अफ्रीकी देशों में अनाज की भारी कमी हो गई थी।

न्यूज ब्रीफ

शाहबाज का ऐलान-चुनाव जीते तो नवाज होंगे पीएम : कहा- लाखों बच्चों को लैपटॉप देंगे, अब भीख का कटोरा तोड़ने की बारी

लाहौर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा है कि इसी साल होने वाले जनरल इलेक्शन में

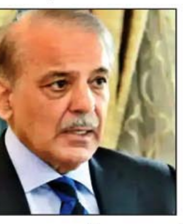

अगर पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज को बहुमत मिलता है तो नवाज शरीफ एक बार फिर प्रधानमंत्री बनेंगे। लाहौर में एक प्रोग्राम के दौरान नवाज के छोटे भाई शाहबाज ने कहा- अब वो वक्त आ गया है जब हम भीख का कटोरा तोड़ देंगे और उसके टुकड़े बनीगाला (इमरान खान के घर का नाम) भेज देंगे। पाकिस्तान के लाखों बच्चों के हाथ अब लैपटॉप थमाने का वक्त आ चुका है। शाहबाज पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि उनकी सरकार 14 अगस्त के पहले घर चली जाएगी और मुल्क में जनरल इलेक्शन तय वक्त, यानी अक्टूबर-नवंबर में होंगे। नवाज शरीफ तीन साल से लंदन में हैं। नवाज ने जब पाकिस्तान छोड़ा था, तब इमरान खान प्रधानमंत्री थे। अब इलेक्शन का वक्त करीब आ रहा है तो माना जा रहा है कि नवाज किसी भी वक्त मुल्क लौटेंगे का कैम्पेन संभालेंगे। शाहबाज का बयान एक तरह से इस बात पर मुहर लगाता है कि नवाज जल्द पाकिस्तान लौट सकते हैं। शाहबाज ने कहा- नवाज की लीडरशिप में हम पाकिस्तान के लाखों बच्चों को लैपटॉप देंगे, ताकि वो मॉडर्न तालीम हासिल कर सकें। इसके अलावा एग्रीकल्चर सेक्टर को बहुत तेजी से प्रमोट किया जाएगा। 2017 में मुल्क बिल्कुल सही रास्ते पर था, लेकिन उस वक्त नवाज को सत्ता से बेदखल कर दिया गया। यह साजिश उस वक्त के चीफ जस्टिस ऑफ पाकिस्तान साकिब निसार ने रची थी। शाहबाज ने कहा- नवाज को हटाकर इमरान को सत्ता में लाने वालों ने उन्हें हर फैसिलिटी मुहैया कराई, लेकिन वो नकारा और निकम्मे साबित हुए। इमरान को सत्ता में लाने वालों को अब वो ही नवाज फरिश्ता नजर आ रहे हैं, जिन्हें उन्होंने कुर्सी से हटाया था।

श्रीलंकाई नौसेना ने नौ भारतीय मछुआरों को पकड़ा, अपने जलक्षेत्र में मछली पकड़ने का लगाया आरोप

कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने अपने जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में नौ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है साथ उनके दो ट्रॉलर भी जब्त किए हैं। इसको लेकर मंगलवार को एक आधिकारिक बयान जारी किया गया जिसमें बताया गया कि भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारियां डेल्फ्ट द्वीप, जाफना के पास की गईं। श्रीलंकाई नौसेना ने कहा कि सभी मछुआरे तमिलनाडु के हैं जिन्हें सोमवार को पकड़ा गया था। श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान में कहा कि श्रीलंका नौसेना और तट रक्षक ने 24 जुलाई की रात को एक विशेष अभियान चलाया इस दौरान श्रीलंकाई जलक्षेत्र से भारतीय मछुआरों को पकड़ा, ऑपरेशन के तहत दो भारतीय ट्रॉलरों को नौ भारतीय नागरिकों के साथ जाफना के डेल्फ्ट द्वीप के पास श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध शिकार करते हुए पकड़ा गया। आगे विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारतीय मछुआरों को जब्त किए गए उनके ट्रॉलरों को कांकेसंथुराई बंदरगाह लाया गया और उन्हें आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए मैलाडी मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा।

चीन के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ा युद्धाभ्यास शुरू, 11 देशों की सेनाएं ले रहीं हिस्सा

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ा युद्धाभ्यास शुरू हो गया है। इस युद्धाभ्यास में अमेरिका समेत 11 देशों के 30 हजार से ज्यादा सैनिक हिस्सा ले रहे हैं। भारत समेत चार देश इस युद्धाभ्यास के ऑब्जर्वर हैं। बता दें कि इस युद्धाभ्यास को चीन की चुनौती से निपटने के तौर पर देखा जा रहा है। बता दें कि चीन लगातार हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को बढ़ा रहा है, यही वजह है कि इस युद्धाभ्यास को बेहद अहम माना जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में विभिन्न स्थानों पर हो रहे इस युद्धाभ्यास में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका के साथ ही फिजी, फ्रांस, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, टोंगा, ब्रिटेन, कनाडा और जर्मनी के सैनिक हिस्सा ले रहे हैं। वहीं भारत, सिंगापुर, फिलीपींस और थाइलैंड इस युद्धाभ्यास के ऑब्जर्वर हैं। खास बात ये है कि अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया विवादित ताइवान स्ट्रेट में भी युद्धाभ्यास करेंगे। यहीं पर चीन ने बीते दिनों युद्धाभ्यास किया था। ऑस्ट्रेलिया अमेरिका के ताइवान स्ट्रेट में युद्धाभ्यास से चीन नाराज हो सकता है। उल्लेखनीय है कि हिंद प्रशांत महासागर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम है। दुनिया का 80 प्रतिशत व्यापार इसी क्षेत्र से होता है। ऐसे में अगर इस क्षेत्र में अस्थिरता या सुरक्षा को लेकर कोई दिक्कत होती है तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा और सप्लाई चेन बाधित हो सकती है। यूक्रेन युद्ध की वजह से यह पहले ही बाधित चल रही है।

इजराइली सुप्रीम कोर्ट सरकारी आदेश बदल नहीं सकेगा

कानूनी बदलाव के खिलाफ हजारों लोग सड़कों पर, बोले- नेतन्याहू अब पुतिन बन गए

तेल अवीव।

इजराइल में 29 हफ्तों से जारी प्रदर्शन के बावजूद सोमवार को ज्यूडिशियल ओवरहॉल बिल का अहम हिस्सा पास हो गया। बिल पर वोटिंग के दौरान हजारों इजराइली तेल अवीव की सड़कों पर प्रदर्शन करते रहे। उन्होंने कहा कि बेंजामिन नेतन्याहू अब रूसी राष्ट्रपति पुतिन की तरह हो गए हैं। वो देश को तानाशाही की ओर धकेल रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने इस बिल के खिलाफ प्रदर्शन और तेज करने की चेतावनी दी है। मेडिकल एसोसिशन ने भी 24 घंटे हड़ताल का ऐलान किया है। हालांकि, इमरजेंसी सर्विसेस पर इसका असर नहीं पड़ेगा। नए कानूनी बदलाव के तहत अब इजराइल में सुप्रीम कोर्ट सरकार के किसी भी फैसले को गलत बताकर खारिज नहीं कर सकेगा।

प्रदर्शन के दौरान नॉर्थ कोरिया का झंडा भी लहराया

कानूनी बदलाव के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों ने नारे लगाए- लोकतंत्र या विद्रोह। उन्होंने कहा कि इजराइल में तानाशाही नहीं चलेगी। इस दौरान कई पत्रकारों पर भी हमले हुए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य बेगिन हाईवे को बंद कर दिया। कुछ प्रदर्शनकारी नेतन्याहू की तानाशाही का विरोध करने के लिए नॉर्थ कोरिया का झंडा लिए भी नजर आए। पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया।

विपक्ष ने बिल पर वोटिंग का बायकॉट किया

बिल पर वोटिंग के दौरान विपक्ष के सभी 56 सदस्यों ने इसका बायकॉट किया। इसके बाद बिल 64-0 वोट से पास हो गया। इजराइल के नेशनल प्रोटेस्ट मूवमेंट ने नेतन्याहू को देश की एकता में पड़ी दरार, सेना और अर्थव्यवस्था चौपट होने का जिम्मेदार ठहराया। नेशनल प्रोटेस्ट ने कहा कि ऐसे नेता से बात करने का कोई मतलब नहीं है जिसने खुद को रूस के राष्ट्रपति पुतिन जैसा बना लिया हो और देश को तानाशाही की तरफ धकेलने का फैसला ले लिया हो। हम नेतन्याहू से आखिर तक लड़ेंगे ताकि इजराइल एक उदार लोकतंत्र बना रहे। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा- मतभेद के बावजूद देश को एक साथ रहना है। अलग-अलग सरकारी महकमों के बीच संतुलन बनाने और इसे चलाने के लिए बिल बेहद जरूरी है। हम बिल पर अब भी बातचीत के लिए तैयार हैं। हमने पहले भी कोशिश की थी, लेकिन विपक्षी नेताओं ने ऐसा नहीं होने दिया। इजराइल मजबूत लोकतांत्रिक देश है और इस तथ्य को कोई नहीं बदल सकता है। हम हर हाल में साथ खड़े रहेंगे। आपसी मतभेद के चलते दुश्मनों के सामने देश कभी भी कमजोर नहीं पड़ेगा।

विपक्ष बोला- देश के इतिहास का सबसे दुखद दिन

संसद में अपोजिशन लीडर येर लैपिड ने कहा- इजराइल के संसदीय इतिहास में 24 जुलाई 2023 एक दुखद दिन के तौर पर याद किया जाएगा। सरकार ने अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया। हम इस बिल और प्रोसेस को बहुत जल्द हाईकोर्ट में चैलेंज करेंगे। लैपिड ने आगे कहा- सरकार और उनका अलायंस ये तो तय कर सकते हैं कि देश को किस रास्ते पर ले जाना है, लेकिन उनको यह तय करने का हक नहीं है कि देश का कैरेक्टर क्या और कैसा होगा। इंसाफ के मामलों से छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जा सकती। हमारी रिजर्व फोर्स के कुछ लोग फौज छोड़ने की बात कर रहे हैं। मैं उनसे कहूंगा कि विरोध अपनी जगह सही हो सकता है, ये करते रहिए, लेकिन फौज में रहकर देश सेवा का जो मौका आपको मिला है, उसे मत छोड़िए। मीडिया से बातचीत में लैपिड ने कहा- नेतन्याहू बेहद कमजोर प्रधानमंत्री हैं। इजराइल में इस वक्त प्रधानमंत्री जैसा कोई पद मुझे नजर ही नहीं आता। प्रधानमंत्री तो कट्टरपंथियों के हाथों की कठपुतली बन गए हैं। इससे देश में नफरत और बढ़ेगी। जनवरी में इजराइल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को लेकर एक प्रस्ताव जारी किया। इसके पास होने पर इजराइली संसद को सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का पलटने का अधिकार मिल जाएगा। इसे 'ओवरराइड' बिल नाम दिया गया है।

डोभाल बोले- एलएसी विवाद ने भारत-चीन में विश्वास खत्म किया

चीनी डिप्लोमैट वांग यी बोले- हम दुश्मन नहीं; हमारे रिश्तों का असर दुनिया पर पड़ेगा

जोहान्सबर्ग।

भारत के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल ने मंगलवार को चीन के टॉप डिप्लोमैट वांग यी से मुलाकात की। जोहान्सबर्ग में फ्रेंड्स ऑफ ब्रिक्स मीटिंग में शामिल हुए डोभाल ने कहा- साल 2020 से एलएसी के हालातों ने भारत-चीन के बीच रणनीतिक विश्वास को खत्म कर दिया है। वहीं, वांग यी ने दावा किया कि पिछले साल बाली में हुई बैठक के दौरान पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय संबंधों को फिर से शुरू करने को लेकर सहमति बनी थी। चीन की इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी मोटर्स का भारत में प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव खारिज होने के बाद वांग यी ने इस पर दोबारा विचार करने की अपील की है। बीवायडी प्लांट पर चीन बोला- भारत को फैसले पर दोबारा विचार करना चाहिए वांग यी ने कहा- भारत और चीन एक दूसरे के दुश्मन नहीं है और नई दिल्ली को अपने फैसले पर दोबारा विचार करना चाहिए। दोनों देश चाहे एक-दूसरे का समर्थन करें या विरोध, इसका सीधा असर भारत-चीन के विकास और वैश्विक परिदृश्य पर पड़ेगा। बैठक के दौरान दोनों राजनयिकों के बीच तनाव खत्म करने पर सहमति बनी। वांग ने डोभाल से दोनों देशों के बीच संबंधों को स्थिर करने की बात कही। इसके जवाब में डोभाल ने भी दोनों देशों के आपसी हितों का जिक्र किया। दोनों डिप्लोमैट्स से इस बात पर भी सहमति जताई कि भारत-चीन के बीच अच्छे द्विपक्षीय रिश्ते सिर्फ दोनों देशों के विकास के लिए ही नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के बेहतर भविष्य के लिए जरूरी हैं। एआई और साइबर सिक्योरिटी पर भी हुई चर्चा इसके अलावा डोभाल ने दुनिया में साइबर सिक्योरिटी और एआई से जुड़े चैलेंज पर भी बात की।

वन विभाग की गलती से लगी थी अमेरिकी इतिहास की सबसे भयंकर आग, जांच में चौंकाने वाला खुलासा

वॉशिंगटन।

अमेरिका में साल 2022 में सेरो पेलाडो में लगी भयंकर आग को लेकर खुलासा हुआ है कि यह आग अमेरिकी वन विभाग की लापरवाही से ही लगी थी। इस आग में 60 वर्गमील का जंगल जलकर खाक हो गया था और इसमें कई रिहायशी इलाके भी चपेट में आ गए थे। आग की इस घटना की जांच चल रही थी और अब जांच में पता चला है कि इस तबाही के पीछे वन विभाग ही था।

60 वर्गमील से ज्यादा जंगल हो गया था खाक

जांच में पता चला है कि वन विभाग के कर्मचारियों ने जंगल के मलबे में आग लगाई थी लेकिन आग लगाने के बाद उसकी निगरानी नहीं की। इसी लापरवाही का नतीजा ये हुआ कि सूखा जंगल होने की वजह और हवाओं से यह आग बेकाबू हो गई और 60 वर्गमील से ज्यादा का जंगल चपेट में ले लिया। यह आग न्यू मैक्सिको को लोस अलामोस शहर तक पहुंच गई थी। यह अमेरिकी इतिहास की जंगल में आग लगने की सबसे बड़ी घटना थी। इसके चलते स्कूल बंद कर दिए गए थे, लोगों के घर और आजीविका तबाह गई थी और बड़े पैमाने पर लोगों को निकालने की तैयारी शुरू हो गई थी। हालांकि समय रहते आग कमजोर पड़ गई और बड़ी तबाही रुक गई थी।

जांच में वन विभाग की निकली गलती

अब जांच में वन विभाग की लापरवाही सामने आने पर अमेरिकी नेताओं ने वन विभाग को आड़े हाथों लिया है। न्यू मैक्सिको की गवर्नर मिशेल लुजन ग्रीश्म ने वन विभाग की लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। घटना के बाद वन विभाग ने सीख लेते हुए जंगल के मलबे में आग लगाने की घटनाओं की कड़ी निगरानी शुरू कर दी है और इसके लिए कई उपकरणों की खरीद की गई है। साथ ही ड्रोन से आग की निगरानी की जाती है। अमेरिकी सीनेटर मार्टिन हेनरिच ने भी वन विभाग से अपील की है कि वह अपनी जांच और फैसलों को लेकर ज्यादा जिम्मेदार बने।

इमरान को कत्ल के केस में भी राहत: सुप्रीम कोर्ट का ऑर्डर- 9 अगस्त तक गिरफ्तार न करें, कोर्ट में खान पर बोतल फेंकी

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को सुप्रीम कोर्ट से हर केस में राहत मिलने का सिलसिला जारी है। हत्या के एक मामले में भी सुप्रीम कोर्ट ने खान की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी। यह मामला क्वेटा के वकील अब्दुल रज्जाक के कत्ल से जुड़ा है। रज्जाक की पिछले महीने हत्या की गई थी। वो इमरान के खिलाफ एक अहम मामले में पैरवी कर रहे थे। रज्जाक के परिवार ने इमरान के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इस मामले में खान को निचली अदालत में पेश होकर बेल हासिल करनी थी, लेकिन वो सीधे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे और उन्हें 27वें केस में भी बेल मिल गई। कोर्ट में पेश होते वक्त इमरान पर प्लास्टिक की बोतल भी फेंकी गई। हालांकि, इससे उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ।

सुप्रीम कोर्ट में क्या हुआ

वकील की हत्या के मामले में सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की बेंच ने की। सुनवाई जैसे ही शुरू हुई तो मारे गए वकील अब्दुल रज्जाक के परिवार के वकील ने इमरान खान पर कत्ल की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की।

रज्जाक के परिवार के वकील ने कहा- अब्दुल

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के चीफ इमरान खान के खिलाफ एक पिटीशन दायर कर चुके थे। इसके बाद से उन्हें इस पार्टी की तरफ से लगातार धमकियां दी जा रहीं थीं। अब्दुल ने पुलिस प्रोटेक्शन भी मांगा था, लेकिन यह उन्हें नहीं दिया गया। इसके बाद एक दिन जब वो कोर्ट से लौट रहे थे, तब उन पर काफी करीब से फायरिंग की गई। इसमें उनकी मौत हो गई। मारे गए वकील के परिवार का आरोप है कि उनका कत्ल इमरान के खिलाफ पिटीशन दायर किए जाने की वजह से हुआ है।

पुलिस के बयान पर भी भरोसा नहीं

इस मामले में इमरान के खिलाफ बलूचिस्तान के पुलिस चीफ ने भी खुद सुप्रीम कोर्ट पहुंचकर बयान दिया, लेकिन इसके बावजूद तीन जजों की बेंच ने उस पर तवज्जो नहीं दी। पुलिस चीफ ने कहा- वकील अब्दुल रज्जाक के कत्ल के मामले में कुल चार लोगों के बयान दर्ज किए जाने हैं। इसके लिए उनकी गिरफ्तारी जरूरी है। मारे गए शख्स के परिवार ने साजिश रचने का आरोप सीधे तौर पर इमरान खान पर लगाया है। परिवार के लोग अपने बयान पहले ही दर्ज करा चुके हैं। पुलिस चीफ ने आगे कहा- हमने इमरान को जांच में शामिल होने के लिए कई नोटिस भेजे, लेकिन वो एक भी बार न तो पेश हुए और न ही नोटिस का जवाब दिया। लिहाजा, उनकी गिरफ्तारी के आदेश दिए जाएं। सुनवाई के बाद तीन जजों की बेंच ने एक आदेश जारी किया। इसमें कहा गया- 9 अगस्त को इस मामले की अगली सुनवाई होगी और तब तक इमरान खान को गिरफ्तार न किया जाए। सोमवार को जब इमरान खान हमेशा की तरह अपने पर्सनल सिक्योरिटी गार्ड्स के साथ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे तो उन पर किसी ने पानी की बोतल फेंकने की कोशिश की। यह बोतल इमरान को नहीं लगी, क्योंकि वो पहले ही सुप्रीम कोर्ट की बिल्डिंग के अंदर पहुंच चुके थे।

अमेरिका बोला- रूस में यूक्रेनी अटैक को हमारा समर्थन नहीं

जंग रूस ने शुरु की; मॉस्को ने कहा- यूक्रेन के आतंकी हमलों का बदला लेंगे

वॉशिंगटन/मॉस्को।

रूस की राजधानी मॉस्को में डिफेंस मिलिट्री हेडक्वार्टर के पास हुए ड्रोन अटैक पर अमेरिका ने यूक्रेन का साथ नहीं देने का फैसला किया है। दरअसल, सोमवार को रूस ने आरोप लगाया था कि यूक्रेन ने मॉस्को में 2 ड्रोन्स से हमला किया। इसके बाद व्हाइट हाउस ने अपने स्टेटमेंट में इसका विरोध किया। प्रेसिडेंट हाउस की प्रवक्ता कैरीन जीन पियरे ने कहा- अमेरिका कभी भी रूस के अंदर यूक्रेनी हमलों का समर्थन नहीं करेगा। ये जंग रूस ने शुरू की थी। वो कभी भी अपनी सेना को यूक्रेन से वापस बुलाकर इसे खत्म कर सकते हैं। इस बीच रूस ने यूक्रेन के हमले का बदला लेने की बात कही है। रूस के विदेश मंत्रालय ने इसे यूक्रेन का आतंकी हमला बताया है।

मॉस्को में बिल्डिंग पर 2 ड्रोन से अटैक हुआ

मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने बताया था कि यूक्रेन ने सुबह लगभग 4 बजे 2 गैर-आवासीय इमारतों पर आतंकी हमला किया। इस दौरान किसी को चोट नहीं पहुंची। हालांकि, जिस बिल्डिंग के ऊपर अटैक हुआ उसे काफी नुकसान पहुंचा। रूस के मुताबिक, यूक्रेन के हमले को उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया।

क्रीमिया में भी 17 ड्रोन्स से हमला, यूक्रेन ने ली जिम्मेदारी

इस बीच रूस के कब्जे वाले क्रीमिया में भी सोमवार देर रात यूक्रेन ने 17 ड्रोन से हमला किया। इन ड्रोन्स से हथियारों के वेयरहाउस और एक रेसिडेंशियल बिल्डिंग को निशाना बनाया। बात

करते हुए यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेज्निकोव ने हमले की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा- यूक्रेन रूस पर इस तरह के हमले जारी रखेगा, ताकि वो अपने नागरिकों की रक्षा कर पाए।

रूस के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, हमले के कुछ देर बाद ही मॉस्को के बाहर हेलीकॉप्टर जैसा दिखने वाला एक और ड्रोन नजर आया। हालांकि, इसमें कोई विस्फोटक सामान मौजूद नहीं था। ये ड्रोन एक कब्रिस्तान में जा गिरा।

हमले के बाद रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव में कहा- रूस को यूक्रेन को लेकर और सख्त रवैया अपनाने की जरूरत है। हमें अपने टारगेट्स का दायरा बढ़ाने की जरूरत है। यूक्रेन की सेना और लीडर्स रूस के नागरिकों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं।

पिछले हफ्ते ग्रेन डील से बाहर हुआ था रूस

रूस ने पिछले हफ्ते ग्रेन डील से बाहर निकलने के बाद ब्लैक सी के पास ओडेसा में यूक्रेनी पोर्ट पर हमला कर दिया था। इसके बाद जेलेंस्की ने कहा था- रूस को भी वैसा ही महसूस करने को मिलेगा जैसा फिलहाल हम कर रहे हैं। इससे पहले जुलाई की शुरूआत में भी रूस ने यूक्रेन पर मॉस्को की 2 बिल्डिंग पर 5 ड्रोन से हमले का आरोप लगाया था। मई में भी रूस ने मॉस्को की 2 बिल्डिंग पर हुए ड्रोन अटैक के लिए यूक्रेन को दोषी ठहराया था। रूस के डिफेंस मिनिस्ट्री ने कहा था कि कीव ने करीब 8 ड्रोन से आतंकवादी हमला किया। सभी ड्रोन्स को मार गिराया गया है। दोनों बिल्डिंग में रह रहे नागरिकों सुरक्षित हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि रूस पर हमले में 30 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था।

3 मई को क्रेमलिन पर भी हुआ था ड्रोन अटैक

इससे पहले 3 मई को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के घर क्रेमलिन पर 2 ड्रोन से अटैक किया गया था। दोनों ड्रोन क्रेमलिन के डोम पर क्रैश हुए थे। हालांकि, हमले के वक्त पुतिन वहां मौजूद नहीं थे।

बेरोजगारों ने विभिन्न मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ किया सत्याग्रह

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में बेरोजगार एकीकृत महासंघ की ओर से मंगलवार को शहीद स्मारक पर युवा बेरोजगारों की ओर से विभिन्न मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ सत्याग्रह किया गया। बेरोजगार एकीकृत महासंघ के अध्यक्ष उपेन यादव ने बताया कि मंगलवार को शहीद स्मारक पर विभिन्न मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ सत्याग्रह किया गया। उपेन यादव ने बताया कि युवा बेरोजगार नई एक लाख भर्तियों का विभागवार वर्गीकरण, विज्ञप्ति और परीक्षा कैलेंडर जारी करवाने जैसी मांगों को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। इस दौरान पेपर लीक मामलों में दलालों और आरपीएससी के सदस्यों की संलिप्तता की जांच की मांग भी पुरजोर तरीके से उठाई गई। वहीं प्रदेश के युवा बेरोजगारों ने विमुक्त घुमंतु, अर्ध घुमंतू बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष गोपाल केसावत के मोबाइल से मिली ओएमआर शीट की जांच और आरपीएससी के सदस्यों की संलिप्तता की जांच की मांग की गई। बेरोजगार एकीकृत महासंघ के उपेन यादव ने कहा कि आरपीएससी की विभिन्न भर्तियों में जो पेपर लीक हुए उनमें आरपीएससी के पूर्व सदस्य की संतान ही क्यों ना हो उनकी भी जांच की जाए। इसके अलावा घोषित नई भर्तियों का वर्गीकरण, पूर्व में कराई गई भर्ती परीक्षाओं का रिजल्ट जारी करते हुए नियुक्तियां देने और आरपीएससी, कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष से लेकर सदस्यों की नियुक्ति कमेटी बनाकर या यूपीएससी की तर्ज करने जैसी मांगों को लेकर प्रदेशभर के युवा बेरोजगारों की ओर से सत्याग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं के सपनों को बेचने वाले तमाम आरोपियों की संपत्तियों को कुर्क किया जाए। यादव ने बताया कि बेरोजगारों की प्रमुख मांगों में पेपर लीक के मामलों में दलालों और आरपीएससी के सदस्यों पर लगे आरोपों की संलिप्तता की जांच हो। नई एक लाख भर्तियों का विभागवार वर्गीकरण, विज्ञप्ति और परीक्षा कैलेंडर जारी हो। अध्यापक भर्ती, वरिष्ठ अध्यापक, स्कूल व्याख्याता और पीटीआई भर्ती सहित अन्य प्रक्रियाधीन भर्तियों की नियुक्ति प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी हो। पंचायतीराज जेईएन भर्ती, कनिष्ठ अनुदेशक, सेनेटरी इंस्पेक्टर, कंप्यूटर अनुदेशक, प्राकृतिक चिकित्सक, कॉलेज लाइब्रेरियन, पीटीआई, पशु परिचर, विशेष शिक्षक सेकंड ग्रेड भर्ती की विज्ञप्ति जल्द से जल्द जारी हो। पर्यटन गाइड्स को मानदेय देने और संविदा रूल्स में शामिल करें। ऑपरेशन थियेटर टेक्निशियन एवं ब्लड बैंक टेक्निशियन, डायलिसिस टेक्निशियन, ईईजी टेक्नीशियन, इमरजेंसी टेक्नीशियन, एंडोस्कोपी टेक्नीशियन भर्ती के सेवा नियम जल्द से जल्द बनाने। आचार संहिता से पहले सभी भर्तियों की विज्ञप्तियां जारी हो। आरपीएससी, कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति कमेटी बनाकर या यूपीएससी की तर्ज पर की जाए। गोपाल केसावत के फोन से मिली ओएमआर सीट प्रकरण और एसआई भर्ती की जांच हो। फर्जी डिग्री डिप्लोमा, दिव्यांग सर्टिफिकेट, फर्जी खेल प्रमाणपत्र की जांच हो। रीट पात्रता की विज्ञप्ति जारी हो। सामान्य पात्रता परीक्षा में 40 प्रतिशत करवाने और रीट में 82 नंबर वाले अभ्यर्थियों को योग्य माना जाए। युवा बेरोजगारों से सीधा संवाद करके युवा बेरोजगारों की मांगों के निस्तारण के लिए एक कमेटी का गठन हो। सीएचओ भर्ती परीक्षा में युवा बेरोजगारों के साथ न्याय हो।

एक सप्ताह बाद खुला करतारपुर साहिब कॉरिडोर

चंडीगढ़ (हिंस)। बाढ़ के कारण बंद हुआ करतारपुर कॉरिडोर मंगलवार को फिर से खोल दिया गया। बीते दिनों रावी का जलस्तर बढ़ने के बाद कॉरिडोर में पानी आने के बाद यात्रा को रोक दिया गया था। कई दिनों तक गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक स्थित क्षेत्र में भारत-पाक सीमा पर लगी फैंसिंग भी पानी में डूबी रही। सोमवार को हालात सामान्य होने के बाद गुरदासपुर जिला प्रशासन तथा सेना के अधिकारियों ने बैठक करके मंगलवार से करतारपुर साहिब कॉरिडोर खोलने का फैसला लिया। यात्रा के शुरू होने के बाद करतारपुर साहिब में एक बार फिर आज संगत पहुंची, हालांकि पाकिस्तान की तरफ जाकर दर्शन करने वालों की संख्या काफी कम रही।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला से लश्कर-ए-तैयबा के दो मददगार गिरफ्तार

बारामूला (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के क्रेरी इलाके में पुलिस ने मंगलवार को प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि चक टपर क्रेरी गांव में आतंकियों की आवाजाही के संबंध में एक विशेष सूचना पर बारामूला पुलिस और सेना की 29 आरआर के जवानों ने नाका लगाया। चक टपर से मेन रोड क्रेरी की ओर आ रहे दो संदिग्ध व्यक्तियों ने संयुक्त नाका पार्टी को देखकर भागने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षाबलों ने उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से 2 चीनी पिस्तौल, 2 पिस्तौल मैगजीन, 14 जीवित पिस्तौल राउंड, 1 आईडी कार्ड और आधार कार्ड की 1 जेरॉक्स कॉपी बरामद की गई। गिरफ्तार सहयोगियों की पहचान दयाम मजीद खान पुत्र अब मजीद खान निवासी चेक पंजीगाम बांदीपोरा और उबैर तारिक पुत्र तारिक अहमद खान निवासी पंजीगाम बांदीपोरा के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच के दौरान दोनों सहयोगियों ने बताया कि वह प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए हैं और उन्होंने जिला बारामूला में लक्षित हत्या के लिए हथियार और गोला-बारूद एकत्र किया था। वहीं पुलिस स्टेशन क्रेरी में मामला दर्ज किया गया और आगे की जांच जारी है।

पहली बार होगा संतरे की फसल का बीमा

झालावाड़ (हिंस)। अब प्याज की फसल के साथ-साथ संतरे की फसल का भी पहली बार बीमा हो सकेगा। ऐसे में जिले के किसानों में संतरे की फसल को लेकर रुझान बढ़ेगा। जबकि अभी तक संतरे की फसल में मौसम परिवर्तन के कारण होने वाले नुकसान से किसानों का संतरे के प्रति मोहभंग हो रहा था। ऐसे में कई किसानों ने बगीचों से संतरे के पौधों को ही साफ कर दिया है। जिले में करीब पिछले वर्ष 23 हजार 900 हेक्टेयर में संतरे की फसल है, जबकि 104.60 क्विंटल प्रति हेक्टेयर का उत्पादन हैं। भारत सरकार कृषि सहकारिता एवं कृषक कल्याण मंत्रालय नई दिल्ली की पालना में राज्य सरकार ने खरीफ 2023 व रबी 2023-24 में दो फसल मौसम के लिए ऋणी व गैर ऋणी कृषकों के लिए मौसम आधारित फसल बीमा के लिए अधिसूचना जारी की। इस योजना के अन्तर्गत खरीफ 2023 में जिले में प्याज व संतरा फसलों का पूरे जिले के लिए अधिसूचित-चिन्हित किया है। खरीफ प्याज की फसल की बीमित राशि 9965 प्रति हैक्टेयर है, कृषकों को राज्य एवं केंद्रीय अनुदान के बाद 4998.25 रुपए प्रति हैक्टेयर प्रीमियम राशि जमा करनी है। इसी तरह संतरा की फसल में बीमित राशि 1 लाख 24 हजार 611 प्रति हैक्टेयर है। अनुदान के लिए राशि 6230.55 प्रति हैक्टेयर प्रीमियम जमा करवाना होगा। इस योजना के तहत फसली ऋण लेने वाले कृषक, गैर ऋणी कृषक एवं बंटाईदार कृषकों द्वारा फसलों का बीमा करवाया जा सकेगा। बंटाईदार कृषकों के संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि कृषक जिस जिले में स्वयं रहता है। उसी जिले की परिधि क्षेत्र में बंटाई की भूमि ही मान्य होगी। ऋणी कृषकों के प्रीमियम बैंकों से राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल पर दिए गए इंटरफेस के माध्यम से जमा करने की अंतिम तिथि 15 अगस्त 2023 है। गैर ऋणी कृषकों को ऑनलाईन बीमा प्रस्ताव की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। झालावाड़ कृषि विस्तार संयुक्त निदेशक कैलाश चंद मीणा ने बताया कि जमाबंदी की नवीनतम नकल स्वयं सत्यापित, स्वयं घोषणा-पत्र जिसमें प्रत्येक खसरा संख्या का कुल क्षेत्र, प्रस्तावित फसल का बुवाई क्षेत्र, मालिक का नाम एवं बीमा हित का प्रकार (स्वयं परिवार एवं बटाई) अंकित कर, बैंक खाता पासबुक की प्रति, बटाईदार कृषक संबंधित खातेदार के द्वारा जमीन बटाई पर दी गई है का शपथ पत्र, बटाईदार कृषक के स्वयं का राजस्थान का मूल निवास प्रमाण-पत्र, बटाई पर लेने वाले व देने वाले कृषक का आधार कार्ड की स्वयं सत्यापित प्रति अपलोड करना आवश्यक हैं।

पंचायतों के सहयोग से 2025 तक टीबी मुक्त होगा पंजाब : भुल्लर

जिला उपायुक्तों को *टीबी-मुक्त गांव* घोषित करने की मुहिम शुरू करने के निर्देश

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब को 2025 तक टीबी-मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए ग्रामीण विकास और पंचायत मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने मंगलवार को राज्य की सभी पंचायतों को गांवों से टीबी के खात्मे की जिम्मेदारी सौंपी। इसके अंतर्गत पंचायतें ग्रामीण क्षेत्र से टीबी के खात्मे के लिए व्यापक पहुंच अपनाते हुए गांव वासियों को जागरूक करने, गांवों में कैंप लगाने और *टीबी-मुक्त गांव* घोषित करने संबंधी जरूरू मापदंडों को पूरा करने की प्रक्रिया के लिए पाबंद होंगी। चंडीगढ़ में स्वास्थ्य विभाग के स्टेट टीबी सेल और ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए भुल्लर ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में टीबी (तपेदिक) की रोकथाम के लिए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग और स्वास्थ्य विभाग के आपसी सहयोग से राज्य के हर गांव में यह समर्पित अभियान चलाया जाएगा। भुल्लर ने बताया कि *टीबी-मुक्त गांव अभियान*

के अंतर्गत सभी पंचायतें अपने-अपने गांवों में लोगों को टीबी की बीमारी के बारे जागरूक करेंगी और प्रभावित व्यक्तियों की पहचान करके उनका जल्दी से जल्दी इलाज सुनिश्चित करेंगी। इसके अलावा बीमारी से जुड़े भ्रमों से निपटने के लिए विभाग की सहायता करेंगी ताकि अधिक से अधिक लोगों को जांच करवाने के लिए प्रेरित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी पंचायतों के सदस्य ग्रामीणों को टीबी के कारणों, लक्षणों और इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य संस्थानों के बारे में जानकारी देने के लिए गांवों में कैंप और वर्कशाप लगाने, जागरूकता मुहिम चलाने और स्कूलों में शैक्षिक प्रोग्राम करवाने के लिए सक्रियता से काम करेंगे। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पंचायतें स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर गांवों में मैडिकल कैंप लगाएंगी ताकि टीबी के मामलों की शिनाख्त की जा सके और पीड़ितों को तुरंत डाक्टरी सहायता मिलनी यकीनी बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि समय रहते बीमारी की पहचान सफल इलाज की संभावनाओं में अहम भूमिका निभा सकती है। मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा टीबी- मुक्त राज्य की दूरगामी सोच हमारे सभी के साझे यत्नों पर निर्भर करती है, इसलिए हर नागरिक को इस नेक कार्य में सक्रियता के साथ हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने इस प्रयास को पूर्ण रूप में सफल बनाने के लिए पंचायतों के समर्पण और लोगों की भागीदारी पर विश्वास प्रकट किया।

जनसंगठनों ने फूंका मणिपुर के मुख्यमंत्री का पुतला

जींद (हिंस)। मणिपुर की आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने, एक महिला के साथ बलात्कार व उन्हें बचाने की कोशिश करने वाले परिवार के दो सदस्यों की हत्या करने के रोष स्वरूप मंगलवार को जन संगठनों ने मजदूर भवन धागा मील से नए बस अड्डे तक प्रदर्शन किया। फिर मणिपुर के मुख्यमंत्री का पुतला फूंक कर रोष जताया। जनसंगठन कार्यकर्ताओं ने मांग की कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए व मणिपुर के मुख्यमंत्री के इस्तीफे तथा मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए। बाद में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा गया। खेत मजदूर यूनियन, ईंटक, सीटू, किसान सभा, सर्व कर्मचारी संघ, रिटायर्ड कर्मचारी संघ, लेखक संघ, डीवाईएफआई, एसएफआई संगठन नेताओं ने कहा कि मणिपुर में दो आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाया गया। उनमें से एक के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और उसे बचाने की कोशिश करने

वाले परिवार के दो सदस्यों की हत्या कर दी गई। इस भीषण अत्याचार से पूरा देश गुस्से से उबल रहा है। मणिपुर की भाजपा सरकार इस अत्याचार के अपराधियों को छूट प्रदान करने में सीधे तौर पर शामिल है। क्योंकि मणिपुर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की जबकि घटना के दो सप्ताह के भीतर पीड़ित परिवारों द्वारा जबरदस्त साहस दिखाते हुए एफआईआर दर्ज करवाई गई थी। अढ़ाई महीने से प्रदेश जल रहा है, फिर भी भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और केंद्र सरकार द्वारा मुख्यमंत्री और सरकार का बचाव किया गया है। कई महीनों की गहन चुप्पी के बाद प्रधानमंत्री के बयान ने मणिपुर में हिंसा की भयावहता और मुख्यमंत्री की पक्षपातपूर्ण भूमिका को साधारण घटना के रूप में पेश किया है। डबल इंजन सरकार ने जवाबदेही के सिद्धांत को बहुत गहरे में दफना दिया है। यह भाजपा के सुशासन के दावे की सीधे तौर पर पोल खोलने वाला घटनाक्रम है। जन संगठनों ने प्रदर्शन व पुतला दहन द्वारा मणिपुर के मुख्यमंत्री के तत्काल इस्तीफे की मांग की है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, मणिपुर में शांति बहाली के लिए राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग करती है। इस मौके पर संदीप जाजवान, सुरेश करसोला, पवन कुमार, संदीप दालमवाला, राजकुमार, राजेंद्र निडाना, कश्मीर, राजेश कुमार, मंगतराम शास्त्री, प्रवेश, नीलम, राजबाला, जगवंती सहित बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता शामिल हुए।

कोल्ड ड्रिंक पीने से आधा दर्जन लोगों की तबीयत बिगड़ी

फतेहाबाद (हिंस)। जिले की पंजाब सीमा से सटे गांव पिलछियां में कोल्ड ड्रिंक पीने से आधा दर्जन लोगों की तबीयत बिगडने् का समाचार है। हालात यह है कि बाढ़ के कारण गांव का रतिया व फतेहाबाद से संपर्क कट चुका है। ऐसे में पिछले 6 दिनों से इन लोगों को कोई स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिल पाई। ये लोग गांव में ही उपचार करवाते रहे, लेकिन तबीयत ज्यादा बिगड़ी तो उन्हें उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में पीड़ितों ने डीएफएससी को भी लिखित में शिकायत दी है। गांव पिलछियां निवासी गुरमेल सिंह ने बताया कि उसके घर में निर्माण कार्य चल रहा है, जिस कारण मिस्त्री व मजदूर उसके घर काम पर लगे थे। उसने बताया कि 19 जुलाई को मिस्त्री व मजदूरों ने गर्मी के चलते ठंडा पिलाने को कहा तो वह पास की ही दुकान से 2 लीटर की कोल्ड ड्रिंक की बोतल ले आया और उसके साथ एक छोटी बोतल भी फ्री मिली थी। उसका भाई, भतीजे और एक रिश्तेदार सहित 6-7 मजदूरों ने भी यह कोल्ड ड्रिंक पी थी। इसके बाद से ही सभी लोगों की तबीयत बिगड़ गई। उनके पेट में दर्द के साथ उल्टियां शुरू हो गई। जब उन्होंने उन्होंने कोल्ड ड्रिंक की बोतल देखी तो उसका रंग भी मटमैला सा हो चुका था। गुरमेल सिंह ने बताा कि उस समय बाढ़ के कारण गांव का रतिया व फतेहाबाद से संपर्क कटा हुआ था, जिस कारण वह उपचार के लिए यहां नहीं आ सके।

बैंक कर्मचारियों ने किया फ्रॉड एनआरआई के खाते से निकाले 2 करोड़

फतेहाबाद (हिंस)। जिले के शहर रतिया में मंगलवार को 2 उपभोक्ताओं ने बैंक कर्मचारियों पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया। काफी संख्या में लोगों को साथ लेकर एचडीएफसी बैंक के बाहर हंगामा कर दिया। उनका कहना था कि उनके खाते से नकदी धोखाधड़ी से चेक द्वारा अन्य के खाते में ट्रांसफर कर दी गई और उन्हें भनक तक नहीं लगने दी। अब उन्हें पता चला तो उन्हें उनके पैसे वापस

नहीं दिए जा रहे। आरोप लगाने वालों में एक एनआरआई भी शामिल है। रतिया के कुनाल निवासी लखविंद्र ने बताया कि वह 25 सालों से इटली में रह रहा है और खेती बाड़ी करता है। डेढ साल से रतिया के एचडीएफसी बैंक में उसका खाता है। अब वह यहां जमीन लेना चाहता था, इसलिए उसने खाते में 2 करोड़ रुपए डलवाए हुए थे। उसने आरोप लगाया कि मैनेजर व स्टाफ ने मिलकर खुद ही चेक बुक अप्लाई की, अपने आप ही रिसीव की और फर्जी आधार पर उसके खाते से नकदी ट्रांसफर कर दी। आरोप है कि राशि स्टाफ के घरेलू खाते में भेजी गई है। एक दिन में 10 लाख से 30 लाख की तीन-तीन ट्रांजेक्शन की गई हैं। इस मामले में उसने चार दिन पहले पुलिस को शिकायत दे दी है। रतिया के ही अमृतपाल ने बताया कि उन्होंने जमीन बेची थी, जिसकी राशि खाते में आई थी, इसकी 10 से 20 लाख रुपए की एफडी बनवा दी थी। अब उनके खाते से पैसे एक स्टाफ सदस्य के खाते में ट्रांसफर कर दिए गए हैं और राशि निकलने पर उनके पास कोई ओटीपी या मैसेज नहीं पहुंचा। एसएचओ जय सिंह ने बताया कि जो शिकायत लखविंदर सिंह द्वारा बैंक कर्मचारियों के खिलाफ दी गई है, उसके बारे में बैंक से रिकॉर्ड तलब किया गया है। जब बैंक द्वारा रिकॉर्ड उपलब्ध करवा दिया जाएगा, उसको जांच के लिए इकनोमिक सेल में भेज दिया जाएगा और जांच के अनुसार नियम अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। इस बारे में जब बैंक मैनेजर यश नारंग से बात की गई तो उन्होंने अपने ऊपर लगाए गए आरोप को निराधार बताया। उन्होंने बताया कि नियमानुसार क्लीयरिंग में जो चेक आते हैं, बैंक कर्मचारियों द्वारा खाताधारक के हस्ताक्षर मिलान करके चेक को क्लियर कर दिया जाता है।

भूख हड़ताल पर बैठे लिपिकों ने शहर में निकाली तिरंगा यात्रा

कैथल (हिंस)। लघु सचिवालय में भूख हड़ताल पर बैठे लिपिकों ने शहर में तिरंगा यात्रा निकाली। मंगलवार को भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध क्लेरिकल एसोसिएशन के बैनर तले क्लर्क हाथों में तिरंगा लेकर पेहवा चौक और नए बस अड्डे तक नारे लगाते हुए गए। तिरंगा यात्रा की अगुवाई यूनियन के जिला अध्यक्ष राजिंद्र ढुल ने की। यूनियन के प्रदेश सचिव कर्ण सिंह मोगा ने बताया कि सरकार ने वार्ता करने के लिए उन्हें बुधवार को चंडीगढ़ बुलाया गया है। जहां पहुंचकर उन्होंने 35400 का हक लेने के लिए अपना पक्ष रखा था। सरकार ने कलर्कों की बात नहीं सुनी और ना ही उनकी मांग मानी। उन्होंने कहा कि सरकार उनके धैर्य की परीक्षा ले रही है। यह तय है कि जब तक उनकी 35400 की मांग पूरी नहीं होती वे हड़ताल पर रहेंगे। जब तक उन्हें अपना हक नहीं मिलता तब तक वे धरना प्रदर्शन और भूख हड़ताल जारी रखेंगे।

पंजाब में विधायक की अभद्रता से नाराज डीसी और एसडीएम दफ्तर के कर्मचारी हड़ताल पर

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में आम आदमी पार्टी के रोपड़ से विधायक दिनेश चड्ढा के कथित अभद्र व्यवहार से नाराज जिला उपायुक्त (डीसी) और एसडीएम कार्यालयों के कर्मचारी मंगलवार से दो दिन की हड़ताल पर चले गए। इससे प्रदेश के जिला मुख्यालयों में प्रशानिक कामकाज ठप हो गया है। हड़ताली कर्मचारियों की मांग है कि विधायक माफी मांगे और सरकार इस मामले में कार्रवाई करे। इससे पहले सोमवार को कर्मचारियों ने रोपड़ मंडल में हड़ताल की थी। मंगलवार को मिनिस्ट्रियल स्टाफ यूनियन पंजाब ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। यूनियन के प्रधान तेजिंदर सिंह नंगल ने कहा कि 26 जुलाई को सारे कर्मचारी रोपड़ में एकत्र होंगे। सरकार और विधायक के खिलाफ रैली की जाएगी।

पंजाब के नए चुने गए आईएएस एवं आईआरएस अधिकारियों ने किया विधानसभा का दौरा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विधानसभा स्पीकर कुलतार सिंह संधवा ने राज्य से चयनित आईएएस एवं आईआरएस अधिकारियों के साथ मंगलवार को बैठक की। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री पंजाब डॉ. बलबीर सिंह भी मौजूद थे। यूपीएससी 2022 की परीक्षा पास करके चुने गए अधिकारियों ने विधानसभा का दौरा भी किया। संधवा ने पंजाब विधानसभा सचिवालय में बैठक दौरान युवा अधिकारियों की प्रशंसा की। साथ ही उनसे समाज और लोगों की भलाई के लिए काम करने को कहा। संधवा ने युवा अधिकारियों को समर्पित भावना से सेवाएं निभाने, जमीनी स्तर पर लोगों की समस्याओं को समझने और उन्हें हल करने के लिए लगन से काम करने को कहा। विधानसभा स्पीकर ने नए चुने अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए नवनियुक्त अधिकारियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने नए चुने अधिकारियों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य विवेक प्रताप सिंह, पंजाब विधानसभा सचिव राम लोक खटाना और अतिरिक्त एडवोकेट पंजाब सुमनदीप सिंह वालिया भी उपस्थित थे।

ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में निकाले गए बच्चियों के शव

जींद (हिंस)। नरवाना खंड के गांव दनौदा खुर्द निवासी जगदीप की पत्नी ने मामूली कहासुनी के चलते ही अपनी दो जुड़वां बेटियों की तकिये से दबा कर हत्या कर दी गई। दोनों की हत्या के बाद दोनों के शवों को जहां जहां दफनाया गया था, मंगलवार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट संदीप की मौजूदगी में पुलिस और चिकित्सकों की टीम पहुंची। शव दफनाने वाली जगह को टेंट के पर्दे के साथ कवर किया गया और यहां खुदाई करवाई गई। इस कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल, तहसीलदार नरवाना भी मौजूद रहे। लगभग चार फीट गहरा गड्ढा खोदने के बाद बच्चियों के क्षत-विक्षत शव दिखाई दिए। जिन्हें निकाला गया। क्योंकि गत 12 जून को इन शवों को दफनाया गया था। जिसके चलते दोनों के शव गलने लगे थे। बच्चियों के शव को निकालने के बाद उन्हें पोस्टमार्टम के लिए खानपुर पीजीआई ले जाया गया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि

11 जून की शाम और 12 जून की सुबह जगदीप की उसकी पत्नी शीतल के साथ मामूली तकरार हुई थी। जगदीप जब काम पर चला गया तो गुस्से में शीतल ने अपने जुड़वा बेटियों का मुंह तकिये से दबाकर उनकी हत्या कर दी। पति और परिवार के दूसरे लोग आने के बाद उनसे कहा कि उसे नहीं पता किस तरह उनकी मौत हुई। उस समय जगदीप ने शीतल की बात मानते हुए बिना किसी शंका के उनके शव श्मसान घाट में दफना दिए। बच्चियों की मौत के कुछ दिन बाद ही उसकी पत्नी ने अपनी जेठानी और परिवार के दूसरे लोगों को यह कहना शुरू कर दिया उसने ही अपनी बेटियों को मारा है। उसी से यह अपराध हुआ है। दोनों लड़कियों जानकी वह जाहनवी की उम्र महज नौ माह की थी। जगदीप ने पुलिस को शिकायत देते हुए कहा कि उसकी पत्नी शीतल के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए व उनके दोनों बेटियों के शवों को श्मशान घाट से निकलवा कर पोस्टमार्टम करवाया जाए। सदर थाना नरवाना प्रभारी आत्माराम ने बताया कि पूछताछ में शीतल अपना गुनाह कबूल कर लिया है कि उसने ही उसकी दोनों बेटियों की मुंह पर तकिया रख कर निर्मम हत्या कर दी थी। हत्या करने का कारण बताते हुए उसने बताया कि उसका उसके पति जगदीप के साथ झगड़ा हुआ था। जिसके बाद मानसिक रूप से परेशान होकर उसने अपनी दोनों जुड़वां बच्चियों की तकिया रखकर हत्या कर दी।

टेस्ला का 20 लाख रुपए में कार बनाने का प्लान: ये ईवी भारतीय बाजार के लिए होगी, एक्सपोर्ट भी किया जाएगा; पीयूष गोयल से मीटिंग

नई दिल्ली।
टेस्ला भारतीय बाजार के साथ-साथ एक्सपोर्ट के लिए एक नई कार पर काम करने का प्लान बना रही है। कार की कीमत 20 लाख रुपए (24,000) होने की संभावना है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि टेस्ला के प्रतिनिधि इस महीने भारत के कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल से मिलेंगे और बजट-फ्रेंडली ईवी उत्पादन के लिए भारत में फैक्ट्री लगाने पर चर्चा करेंगे। रिपोर्ट बताती है कि टेस्ला भारत में लोकल मैन्युफैक्चरिंग बेस स्थापित करना चाहती है। प्रस्तावित फैक्ट्री न केवल भारतीय बाजार में किफायती ईवी की मांग को पूरा करेगी, बल्कि एक्सपोर्ट हब के रूप में भी काम करेगी। टेस्ला की 20 लाख रुपए की कार गेमचेंजर साबित हो सकती है। अभी टेस्ला की सबसे सस्ती कार मॉडल 3 सेडान है। इसकी कीमत 32,200 (26.32 लाख रुपए) है। एक रिपोर्ट के मुताबिक टेस्ला दक्षिणी भारत और गुजरात में अपनी गीगा फैक्ट्री लगा सकती है। इस अत्याधुनिक फैक्ट्री में हर साल लगभग 5 लाख व्हीकल बनाने की क्षमता होगी। व्हीकल मैन्युफैक्चरिंग के अलावा टेस्ला का टारगेट पूरे देश में एक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करना भी है। वहीं एलन मस्क अगले साल, यानी 2024 में भारत भी आने वाले हैं। पिछले महीने एलन मस्क ने प्रधानमंत्री मोदी से न्यूयॉर्क में मुलाकात की थी। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद टेस्ला के भारत आने की टाइम लाइन के बारे में पूछे जाने पर मस्क ने कहा था, मुझे विश्वास है कि टेस्ला जल्द भारत में होगी। मार्केट में अभी टेस्ला की चार इलेक्ट्रिक कारें बेची जा रही हैं। इनमें मॉडल एस, मॉडल 3, मॉडल एक्स और मॉडल वाय शामिल हैं। मॉडल 3 सबसे सस्ती कार है। अमेरिका में इसकी कीमत 32,200 (26.32 लाख रुपए) है। ये कार एक बार फुल चार्ज करने पर 535 चलती है। पिछले साल टेस्ला ने भारत आने की इच्छा जताई थी, लेकिन तब कंपनी और सरकार के बीच बात नहीं बन पाई थी। टेस्ला ने सरकार से पूरी तरह से असेंबल गाड़ियों पर लगने वाली इंपोर्ट ड्यूटी को 100प्रतिशत से घटाकर 40प्रतिशत करने की मांग की थी। कंपनी चाहती थी कि उसकी गाड़ियों को लग्जरी नहीं इलेक्ट्रिक व्हीकल माना जाए, लेकिन सरकार ने कहा था कि दूसरे देशों से इंपोर्ट किए जाने वाले किसी भी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर इंपोर्ट ड्यूटी माफ या कम करने का कोई भी इरादा नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

आईआरसीटीसी पर टिकट बुकिंग 5 घंटे बाद शुरू: तकनीकी खराबी के चलते ऐप-वेबसाइट डाउन थी, यूजर्स के पैसे कई बार कट गए

नई दिल्ली। इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिजम कॉर्पोरेशन यानी आईआरसीटीसी की वेबसाइट और ऐप पर टिकटों की बुकिंग करीब 5 घंटे बाद दोबारा शुरू हो गई है। लोगों को सुबह करीब 9 बजे से टिकट बुकिंग में परेशानी आ रही थी। आईआरसीटीसी ने ट्वीट कर बताया था कि तकनीकी कारणों से टिकटिंग सर्विस उपलब्ध नहीं है। हमारी तकनीकी टीम समस्या का समाधान कर रही है। वेबसाइट खोलने पर डाउनटाइम मैसेज दिखाई दे रहा था। इसमें लिखा था- मेंटेनेंस एक्टिविटी के कारण ई-टिकटिंग सर्विस उपलब्ध नहीं है। बाद में कोशिश करें। कैंसिलेशन/फाइल टीडीआर के लिए, कृपया कस्टमर सर्विस नंबर पर कॉल करें। 14646, 0755-6610661 और 0755-4090600 पर मेल करें। आईआरसीटीसी ने ये भी बताया था कि फिलहाल के लिए टिकट अन्य प्लेयर्स जैसे अमेजन, मेक माय ट्रिप आदि के माध्यम से बुक किए जा सकते हैं। आईआरसीटीसी की वेबसाइट ऐसे समय में डाउन हुई थी जो टाइम तत्काल बुकिंग के लिए रिजर्व होता है। एसी क्लास के लिए तत्काल बुकिंग सुबह 10:00 बजे और नॉन-एसी क्लास के लिए सुबह 11:00 बजे शुरू होती है। कई यूजर्स ने एरर मैसेज के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर शेयर किए थे। एक यूजर ने लिखा कृपया जितनी जल्दी हो सके समस्या का समाधान करें।

चालू खरीफ सीजन में धान की बुवाई का रकबा 3प्रतिशत बढ़कर 180.2 लाख हेक्टेयर, दलहन में 10प्रतिशत गिरावट

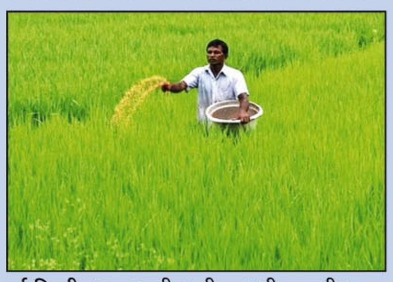

नई दिल्ली। चालू खरीफ सीजन (ग्रीष्मकालीन बुवाई) में 21 जुलाई, 2023 तक धान की बुवाई का क्षेत्रफल 3 फीसदी बढ़कर 180.2 लाख हेक्टेयर पहुंच गया। हालांकि, दलहन का रकबा 10 फीसदी घटकर 85.85 लाख हेक्टेयर रह गया है। पिछले साल की समान अवधि में धान की बुवाई का क्षेत्रफल 175.47 लाख हेक्टेयर व दलहन का रकबा 95.22 लाख हेक्टेयर रहा था। कृषि मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, श्रीअन्न या मोटे अनाज का रकबा 21 जुलाई तक बढ़कर 134.91 लाख हेक्टेयर पहुंच गया। पिछले साल की समान अवधि में यह 128.75 लाख हेक्टेयर था। गैर-खाद्यान्न श्रेणी में तिलहन का रकबा 155.29 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 160.41 लाख हेक्टेयर पहुंच गया। आंकड़ों के मुताबिक, सभी प्रमुख खरीफ फसलों का कुल रकबा 21 जुलाई तक बढ़कर 733.42 लाख हेक्टेयर पहुंच गया। पिछले साल की समान अवधि में यह 724.99 लाख हेक्टेयर था। इस अवधि में गन्ने का रकबा 53.34 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 56 लाख हेक्टेयर पहुंच गया, जबकि कपास की बुवाई का क्षेत्रफल घटकर 109.69 लाख हेक्टेयर रह गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा था कि अल नीनो की स्थिति के बाद भी दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान भारत में सामान्य बारिश की उम्मीद है।

मैकडॉनल्ड्स को देना पडा 6 करोड़ रुपये हर्जाना-चिकन नगेट्स से जल गई थी बच्ची

टालोहासी। अमेरिका के फ्लोरिडा में एक लड़की के पैर पर मैकडॉनल्ड्स का चिकन नगेट गिर जाने से वह झुलस गई थी। बच्ची के परिवार वालों ने हर्जाना की मांग की, जिसके बाद उसे 6 करोड़ रुपये का हर्जाना दिया गया। नगेट से लड़की के जल जाने के बाद परिवार ने 15 मिलियन डॉलर के मुआवजे की मांग की थी। यह घटना 2019 की है, जब ओलिविया चार साल की थी। फ्लोरिडा में फोर्ट लॉडरडेल के पास टैमरैक में मैकडॉनल्ड्स ड्राइव-थ्रू पर कार में अपना हैप्पी मील खोलने के बाद, चिकन मैकनगेट उसके पैर पर गिर गया था, जिससे उसके पैर पर गहरा निशान बन गया।

रिलायंस ने ब्रुकफील्ड इंफ्रा-डिजिटल रियल्टी से किया करार, डेटा सेंटर बिजनेस में 33.33प्रतिशत होगी हिस्सेदारी

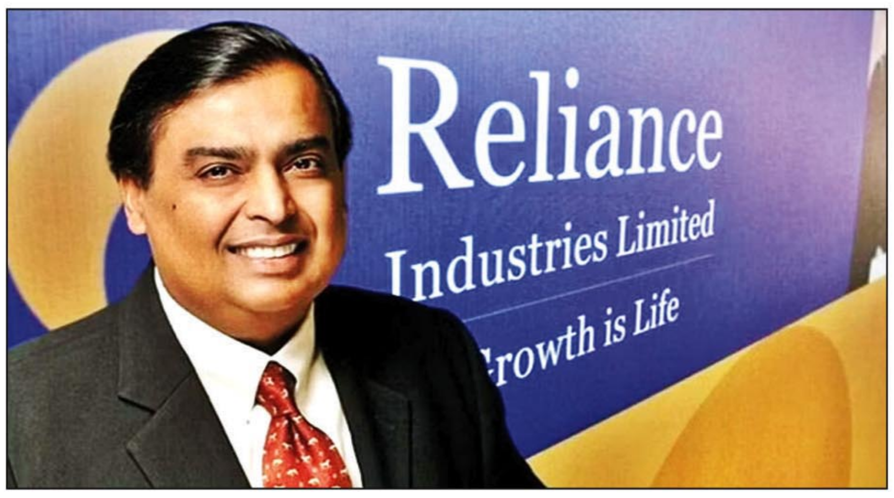

नई दिल्ली।
रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सोमवार को घोषणा की है कि वह भारत में डेटा सेंटर विकसित करने के उद्देश्य से स्थापित विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) में निवेश करने के लिए ब्रुकफील्ड इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल रियल्टी के साथ एक समझौता कर रही है। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि सौदे के तहत आरआईएल की प्रत्येक भारतीय एसपीवी में 33.33 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी और वह इनमें बराबर की भागीदार होगी।

डिजिटल रियल्टी 27 देशों में 300 से अधिक डेटा केंद्रों का संचालन करता है

डिजिटल रियल्टी 27 देशों में 300 से अधिक डेटा केंद्रों के साथ विश्व स्तर पर क्लाउड और कैरियर न्यूट्रल डेटा सेंटर, कोलोकेशन और इंटरकनेक्शन समाधान से जुड़ी सेवाएं प्रदान करता है। कंपनी का ब्रुकफील्ड इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ संयुक्त उद्यम है। ब्रुकफील्ड इंफ्रास्ट्रक्चर भारत में उद्यमों और डिजिटल सेवा कंपनियों के लिए उच्च गुणवत्ता, अत्यधिक कनेक्टेड, स्केलेबल डेटा सेंटर विकसित करता है। आरआईएल की उक्त संयुक्त उद्यम में अब बराबर की भागीदार बन जाएगी, जिसकी डिजिटल कॉनेक्सियन: ए ब्रुकफील्ड, जियो और डिजिटल रियल्टी कंपनी के रूप में ब्रांडिंग की जाएगी।

सौदे के लिए नियामकीय मंजूरी तीन महीने में पूरा होने की उम्मीद

इस साझेदारी के लिए शार्दुल अमरचंद मंगलदास ने कानूनी सलाहकार के रूप में काम किया और डेलॉयट, हास्किंस व सेल्स एलएलपी ने आरआईएल के लेखा और कर परिश्रम सलाहकार के रूप में काम किया। कंपनी ने बताया कि यह सौदा नियामकीय मंजूरी पर निर्भर है और इसके करीब तीन महीने में पूरा होने की उम्मीद है।

संयुक्त उद्यम वर्तमान में चेन्नई और मुंबई में डेटा सेंटर विकसित कर रहा

आरआईएल ने कहा, संयुक्त उद्यम वर्तमान में चेन्नई और मुंबई में डेटा सेंटर विकसित कर रहा है। चेन्नई में 100 मेगावाट परिसर में इसका पहला 20 मेगावाट ग्रीनफील्ड डेटा सेंटर (एमएए 100) 2023 के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। इसने हाल ही में 40 मेगावाट डेटा सेंटर बनाने के लिए मुंबई में 2.15 एमवी एकड़ जमीन के अधिग्रहण की भी घोषणा की है। कंपनी के अनुसार यह संयुक्त उद्यम वैश्विक और स्थानीय उद्यमों, एसएमबी और भारत के जीवंत स्टार्टअप को उनकी क्लाउड और कोलोकेशन आवश्यकताओं के लिए सेवा प्रदान करने में पूरी तरह से सक्षम होगा।

जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के सीईओ बोले- हम डिजिटल रियल्टी के साथ साझेदारी से उत्साहित

जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के सीईओ किरण थॉमस ने कहा, हम डिजिटल रियल्टी के साथ साझेदारी करने के लिए उत्साहित हैं, जो विश्व स्तर पर सबसे नवीन डेटा सेंटर कंपनियों में से एक है और ब्रुकफील्ड, हमारे मौजूदा और विश्वसनीय भागीदार हैं। साझेदारी हमें क्लाउड से वितरित अत्याधुनिक, प्लग-एंड-प्ले समाधानों के साथ अपने उद्यम और एसएमबी ग्राहकों की सेवा करने में मदद करेगी और उनके डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व करेगी और उन्हें अधिक प्रतिस्पर्धी और कुशल बनाएगी। किरण थॉमस ने डेटा केंद्रों को बुनियादी ढांचे का दर्जा देने और उनके विकास और संचालन के लिए एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए भारत सरकार को भी धन्यवाद दिया है। और कहा है कि यह सौदा देश में 2025 एक ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनने के लिए महत्वपूर्ण है। भारत में डेटा सेंटर की क्षमता अगले कुछ वर्षों में कई गुना बढ़ने की उम्मीद है।

ब्रुकफील्ड के इंडिया हेड बोले- रिलायंस की विशेषज्ञता का मिलेगा फायदा

ब्रुकफील्ड के इंफ्रास्ट्रक्चर इंडिया और मिडिल ईस्ट के हेड अर्पित अग्रवाल ने कहा, हम रिलायंस के साथ अपनी मौजूदा साझेदारी का विस्तार करने और भारतीय दूरसंचार, तकनीक और डेटा परिदृश्य में उनकी गहरी विशेषज्ञता को प्लेटफॉर्म में जोड़ने के लिए बहुत खुश हैं। डिजिटल रियल्टी के प्रबंध निदेशक और एशिया प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख सेरेने नाह ने कहा, यह संयुक्त उद्यम पूरे भारत में संस्थागत गुणवत्ता वाले वाहक और क्लाउड न्यूट्रल डेटा केंद्रों के विकास, स्वामित्व और संचालन के जरिए डिजिटल इंडिया को गति देने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे में तीन वैश्विक लीडर्स को साथ लेकर आया है।

सरकार ने शत्रु संपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया शुरू की

नई दिल्ली।
सरकार ने देश में स्थित शत्रु संपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस मामले में सरकार की ओर से लोकसभा में अपना पक्ष रखा गया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि सरकार ने शत्रु संपत्तियों की नीलामी की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से शुरू की है। बता दें कि वे अचल संपत्तियां जो पाकिस्तान और चीन की नागरिकता लेने वाले लोगों की ओर से छोड़ी गई थीं, उन्हें शत्रु संपत्ति के रूप में जाना जाता है। गृह राज्य मंत्री ने बताया- सरकार ने देशभर में मौजूद शत्रु संपत्तियों की सूची जारी की है मिश्रा से जब पूछा गया कि क्या सरकार ने शत्रु संपत्तियों की नीलामी शुरू की है और क्या इस तरह की कार्रवाई के लिए कोई पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई गई है, तो उन्होंने इस पर सहमति जताई। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने देश भर में शत्रु संपत्तियों की एक सूची प्रकाशित की है। गृह राज्य मंत्री ने कहा कि शत्रु संपत्तियों (चल और अचल दोनों) का प्रबंधन और निपटान भारतीय शत्रु संपत्ति संरक्षक (सीईपीआई) की ओर से किया जाता है जो एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा, यह प्रक्रिया शत्रु संपत्ति अधिनियम, 1968 और इसके नियमों और इस संबंध में जारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए किया जाता है जो सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं।

अधिकारियों के अनुसार कुल 12,611 प्रतिष्ठान हैं जिन्हें शत्रु संपत्ति कहा जाता है जिनकी अनुमानित कीमत 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। सीईपीआई के पास मौजूद 12,611 संपत्तियों में से कुल 12,485 पाकिस्तानी नागरिकों से संबंधित थीं और 126 चीनी नागरिकों से संबंधित थीं। सबसे अधिक शत्रु संपत्ति उत्तर प्रदेश में हैं यहां उनकी संख्या 6,255 है। पश्चिम बंगाल में 4,088, दिल्ली में 659, गोवा में 295, महाराष्ट्र में 208, तेलंगाना में 158, गुजरात में 151, त्रिपुरा में 105, बिहार में 94, मध्य प्रदेश में 94, छत्तीसगढ़ में 78 और हरियाणा में 71 शत्रु संपत्तियां हैं। केरल में 71, उत्तराखंड में 69, तमिलनाडु में 67, मेघालय में 57, असम में 29, कर्नाटक में 24, राजस्थान में 22, झारखंड में 10, दमन और दीव में चार के अलावे आंध्र प्रदेश तथा अंडमान निकोबार द्वीप समूह में ऐसी एक-एक संपत्ति है।

सहारा रिफंड पोर्टल पर 7 लाख आवेदन, 158 करोड़ क्लेम: पहले फेज में 4 करोड़ निवेशकों को रिफंड मिलेगा, 18 जुलाई को अमित शाह ने पोर्टल लॉन्च किया था

नई दिल्ली।
सहारा को-ऑपरेटिव सोसाईटी के 7 लाख से ज्यादा इन्वेस्टर्स ने सीआरसीएस - सहारा रिफंड पोर्टल पर रिफंड के लिए करीब 158 करोड़ रुपए का क्लेम किया है। 18 जुलाई को केंद्रीय को-ऑपरेशन मिनिस्टर अमित शाह ने सीआरसीएस - सहारा रिफंड पोर्टल लॉन्च किया था। इस पोर्टल के जरीए शुरुआत में सहारा के 10 करोड़ इन्वेस्टर्स को ग्रुप की 4 सोसाइटी में फंसे 5,000 करोड़ रुपए रिफंड देने की बात की गई थी। इन सोसाइटीज ने निवेशकों से 86,000 करोड़ रुपए से ज्यादा जुटाए थे। सीआरसीएस पोर्टल के लॉन्च के मौके पर शाह ने कहा था कि इस पोर्टल के जरिए सहारा के निवेशकों को अप्लाई करने के 45 दिन में पैसा वापस मिलेगा। ये पैसा सीधे अकाउंट में ट्रांसफर किया जाएगा। पोर्टल के जरिए सहारा की 4 को-ऑपरेटिव सोसाइटी के निवेशक ही आवेदन कर सकते हैं। निवेशकों में बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है। पहले फेज में जमाकर्ताओं को 10,000 रुपए तक का ही रिफंड मिलेगा। यानी अगर जमा राशि 20,000 भी है तब भी केवल 10,000 रुपए ही ट्रांसफर होंगे। लगभग 1.07 करोड़ निवेशक ऐसे हैं जिन्हें पूरा पैसा मिलेगा क्योंकि उनका निवेश 10,000 रुपए तक का है। शाह ने कहा था कि पहले फेज में कुल 4 करोड़ निवेशकों को रिफंड दिया जाएगा। 5000 करोड़ रुपए के रिफंड के बाद, हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे और उनसे ज्यादा फंड जारी करने का अनुरोध करेंगे ताकि 10,000 से ज्यादा राशि वाले निवेशकों को पूरा पैसा लौटाया जा सके।

ऊपर चार्ट में बताई गई पहली तीन सोसाइटीज के किसी भी जमाकर्ता जिसने 22 मार्च 2022 से पहले पैसा जमा किया हो वो रिफंड के लिए एलिजिबल है। वहीं स्टार्स मल्टीपर्पज को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड हैदराबाद के 29 मार्च 2023 से पहले के निवेशक आवेदन कर सकते हैं।

आईटीसी का होटल बिजनेस अलग होगा: डीमर्जर की मंजूरी के बाद स्टॉक में 6प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट

मुंबई।
एफएमसीजी कंपनी आईटीसी ने सोमवार को अपने होटल बिजनेस को अलग करने का ऐलान किया है। कंपनी के बोर्ड ने इसके लिए मंजूरी दे दी है, जिसके बाद से लगातार कंपनी के स्टॉक में गिरावट जारी है। 24 जुलाई को आईटीसी का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 4.30प्रतिशत की गिरावट के साथ 469.35 रुपए के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं, शेयर में 2.50प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट देखी जा रही है। यानी दो दिन में शेयर में 6.8प्रतिशत की गिरावट देखी जा रही है। इससे पहले कंपनी के शेयर ने 24 जुलाई को 499.70 रुपए प्रति शेयर के स्तर पर 52 वीक हाई का बनाया था।

होटल बिजनेस में 40प्रतिशत हिस्सा आईटीसी का होगा

एक्सचेंज फाइलिंग में आईटीसी ने बताया है कि उसका होटल बिजनेस पूरी तरह से अलग नहीं होगा। डीमर्जर के बाद बनने वाली नई होटल कंपनी में आईटीसी 40प्रतिशत हिस्सेदारी अपने पास रखेगी।

आईटीसी होटल्स हो सकता है नई कंपनी का नाम

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आईटीसी से अलग होने के बाद नई सब्सिडियरी कंपनी का नाम आईटीसी होटल्स हो सकता है। इस पर मैनेजमेंट अंतिम फैसला करेगा।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के कुल आउटस्टैंडिंग शेयरों की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके किया जाता है। मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है, ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां।

मार्केट कैप = आउटस्टैंडिंग शेयरों की संख्या शेयर की कीमत

मार्केट कैप कैसे काम आता है

किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स से लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है।

80 लाख लोगों को मिला इनकम टैक्स रिफंड

आपको अभी तक नहीं मिला है तो ऑनलाइन चेक कर सकते हैं स्टेटस

नई दिल्ली।
वित्त वर्ष 2022-23 के लिए अब तक 4 करोड़ से ज्यादा इनकम टैक्स रिटर्न यानी आईटीआर दाखिल हो चुके हैं। आईटीआर भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। कई करदाताओं ने अभी तक अपना रिटर्न दाखिल नहीं किया है। हालांकि, जिन लोगों ने पहले ही अपना आईटीआर फाइल कर दिया है, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने उन लोगों के बैंक अकाउंट में रिफंड वापस भेजना शुरू कर दिया है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के चेयरमैन नितिन गुप्ता ने सोमवार को बताया कि अब तक 80 लाख करदाताओं को रिफंड जारी किए हैं। आईटीआर फाइल करने के 15-20 दिनों के अंदर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट रिफंड कर देता है। ऐसे में अगर आपने आईटीआर फाइल कर दिया है और आप का भी रिफंड बन रहा है तो आप घर बैठे रिफंड का स्टेटस चेक कर सकते हैं।

ऐसे चेक कर सकते हैं अपने रिफंड का स्टेटस

करदाता पर जा सकते हैं। रिफंड स्टेटस पता लगाने के लिए यहां दो जानकारी भरने की जरूरत है - पैन नंबर और जिस साल का रिफंड बाकी है वो साल। अब आपको नीचे दिए गए कैप्चा कोड को भरना होगा। इसके बाद प्रोसिड पर क्लिक करते ही स्टेटस आ जाएगा। कई लोग ऐसे भी हैं जिन्हें अब तक रिफंड नहीं मिला है। अगर आपका भी रिफंड नहीं मिला है तो इसके कई कारण हो सकते हैं। हम आपको बता रहे हैं कि रिफंड देरी से आने के क्या कारण हो सकते हैं।

बैंक अकाउंट की गलत जानकारी देना

सीए अभय शर्मा (पूर्व अध्यक्ष इंदौर चार्टर्ड अकाउंटेंट शाखा) कहते हैं कि हाल ही में कई बैंकों को दूसरे बैंकों में मर्ज किया गया है। ऐसे में कई बैंकों के कोड बदल गए हैं। अगर आपने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में अपने बैंक अकाउंट की जानकारी अपडेट नहीं की है तो आपका रिफंड अटक सकता है। आप घर बैठे ही पर जाकर इसे अपडेट कर सकते हैं।

बैंक अकाउंट का प्री-वैलिडेट होना जरूरी

जिस बैंक खाते में इनकम टैक्स रिफंड आना है उस बैंक खाते को प्री-वैलिडेट (पहले से सत्यापित) करा लें। इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के बाद यदि आपका कोई रिफंड बनता है तो वह आपको इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के सेंट्रलाइज्ड प्रोसेसिंग सेंटर के जरिए मिलता है। इसके लिए जरूरी है कि आपका बैंक अकाउंट प्री-वैलिडेट हो, ताकि आपको रिफंड मिलने में देरी न हो।

रिटर्न वैरिफाई नहीं करने पर भी लगता है ज्यादा समय

आपने रिटर्न समय पर फाइल कर दिया, लेकिन हो सकता है कि आपने आईटीआर का वैरिफिकेशन नहीं किया। जब तक आप वैरिफाई नहीं करेंगे, आपका रिटर्न प्रोसेस नहीं होगा। यानी, जो आईटीआर आपने दाखिल किया है, उसको वैरिफाई करना जरूरी है। यह भी रिफंड मिलने में देरी का कारण हो सकता है।

आयकर विभाग के ईमेल का जवाब न देना

सीए अभय शर्मा के मुताबिक आयकर विभाग की ओर से भेजे गए ई-मेल का जवाब न देने के कारण भी रिफंड अटक सकता है। आयकर विभाग की ओर से भेजे गए ई-मेल में करदाताओं से उनकी बकाया मांग, उनके बैंक खाते तथा रिफंड में किसी तरह के अंतर के बारे में जानकारी मांगी जाती है। इसकी जानकारी सही समय पर न देने पर भी आपका रिफंड अटक सकता है।

क्या होता है रिफंड

कई बार ऐसा होता है कि टैक्सपेयर वित्तीय वर्ष में अपने निर्धारित टैक्स से ज्यादा टैक्स का भुगतान कर देता है। इस स्थिति में इनकम टैक्स रिफंड मिलता है। आसान भाषा में कहें तो इनकम टैक्स रिफंड आपके द्वारा भुगतान किया गया अतिरिक्त टैक्स है, जिसे इनकम टैक्स डिपार्टमेंट द्वारा वापस कर दिया जाता है। तय समय-सीमा में अपना आईटीआर भरने पर रिफंड पर ब्याज भी मिलता है।

बार्बी ने पहले दिन कमाए पांच करोड़ रुपए

-उम्मीद से कम रहा कारोबार

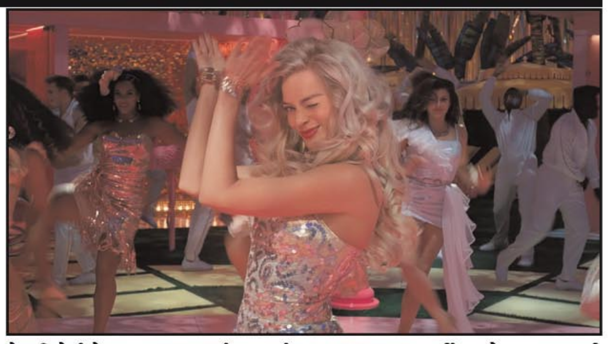

लॉस एंजेलिस (ईएमएस)। ग्रेटा गेरविग द्वारा निर्देशित, बार्बी ने अपनी रिलीज के पहले दिन रुपए 5 करोड़ की कमाई की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर क्रिस्टोफर नोलन की ओपेनहाइमर से टकराई, जिसने रुपए 13.50 करोड़ की नेट कमाई की। बार्बी में मार्गोट रॉबी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में रयान गोसलिंग, इसा राय, केट मैकिनॉन, अमेरिका फेरेरा, माइकल सेरा, एलेक्जेंड्रा शिप, सिमू लियू, दुआ लीपा, स्कॉट इवांस और विल फेरेल भी हैं। जानकारी के मुताबिक शुरूआती अनुमान के मुताबिक, बार्बी ने पहले दिन भारत में रुपए 5 करोड़ की कमाई की। बार्बी ने अपनी अग्रिम बुकिंग में शुरूआती दिन ही तीन मल्टीपल चेन, पीवीआर, आईनॉक्स और सिनेपोलिस में 16,000 टिकट बेचे थे। रिपोर्ट के अनुसार, वार्नर ब्रदर्स ने घोषणा की कि बार्बी ने बॉक्स ऑफिस पूर्वावलोकन में 22.3 मिलियन डॉलर की कमाई की है, जो इस साल किसी भी फिल्म का सबसे बड़ा आंकड़ा है। जैसा कि यूनिवर्सल ने कहा है, ओपेनहाइमर ने पूर्वावलोकन आय में 10.5 मिलियन डालर एकत्र किए। रिपोर्ट के अनुसार, बार्बी को शुरूआती सप्ताहांत में अमेरिकी बॉक्स ऑफिस पर 110 मिलियन डॉलर की कमाई होने का अनुमान है, जबकि ओपेनहाइमर को 50 मिलियन डॉलर की कमाई होने की संभावना है। बार्बी ने भारत में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरूआत की, हालांकि फिल्म के प्रचार के अनुरूप नहीं।

अभिषेक-अविनाश में देखने को मिली तगडी लड़ाई

-आशिका ने भी सुनाई खरी-खोटी

मुंबई (ईएमएस)। रियलिटी शो बिग बॉस ओटटी-2 के लेटेस्ट एपिसोड में अविनाश सचदेव और अभिषेक मल्हान के बीच तगड़ी लड़ाई देखने को मिली है। इस हफ्ते की कैप्टेंसी के लिए बिग बॉस ने 5 दावेदारों- अविनाश सचदेव, फलक नाज, जाद हदीद, पूजा भट्ट और बेबिका धुर्वे के लिए एक नए टास्क की घोषणा की। पांचों को बीबी साइन पर मिट्टी डालने के लिए कहा गया और बाकी कंटेस्टेंट्स को बीबी साइन से मिट्टी हटाने को काम निर्देश दिया गया। वहीं, अभिषेक मल्हान को इस का टास्क का संचालक बनाया गया। आशिका भाटिया शुरू से ही अविनाश के टास्क को खराब करने में ही लगी रहीं। इस दौरान दोनों एक-दूसरे को खूब भला बुरा कहा। अविनाश सचदेव और आशिका भाटिया एक-दूसरे पूरा टाइम गधा-बैल कहते रहे। इस बीच आशिका संचालक अभिषेक मल्हान से शिकायत करती है कि अविनाश जानबूझ कर उन्हें धक्का दे रहे हैं और उनके हाथ पर मिट्टी फेंक मार रहे हैं। वह, पूजा भट्ट से भी शिकायत करती हैं। अभिषेक मल्हान तीसरे राउंड में आशिका भाटिया के समर्थन किया। अभिषेक अविनाश को ह्ललड़कियों से लड़ने वाली बकरीह्व और उन्हें अपनी लिमिट में रहने के लिए कहते हैं। दोनों एक-दूसरे को साला-बेवकूफ और बाहर मिलकर लड़ने की धमकी देते हैं। मनीषा अभिषेक को कंट्रोल करने के लिए कहती है क्योंकि वह संचालक है। आखिरी में दोनों एक दूसरे को नल्ला कह कर पुकारते हैं। वे एक-दूसरे को गालियां देते हैं। जाद हदीद के मिट्टी अभिषेक मल्हान, मनीषा रानी, आशिका भाटिया, एल्विश यादव हटाते हैं, जबकि पूजा भट्ट की मिट्टी जिया शंकर, फलक नाज, बेबिका धुर्वे और अविनाश सचदेव हटाते हैं। लेकिन टास्क में पूजा भट्ट की जीत होती है और वह इस हफ्त के लिए कप्तान बनीं हैं। टास्क समाप्त हो जाने के बाद, अभिषेक अविनाश के पास लड़ाई को सुलझाने और चर्चा करने के लिए जाता है, लेकिन अविनाश सुनने के मूड में नहीं है। वहीं, कैप्टेंसी टास्क के फाइनल राउंड में पूजा भट्ट और जाद हदीद के बीच मुकाबला होता है। यहां घरवालों के बीच क्लियर गुट बनते दिखाई देते हैं।

हॉलिडे एंजॉय करती दिखीं गिगी हदीद

-एयरपोर्ट पर गांजे के साथ पकड़ी गई थी एक्ट्रेस

मुंबई (ईएमएस)। गांजा रखने के मामले से राहत मिलने के बाद अब टीवी पर्सनैलिटी गिगी हदीद ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरों के साथ एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया, जिसे फैंस द्वारा खूब देखा जा रहा है। पोस्ट में सबसे पहले गिगी बिकिनी पहने और समुद्र के किनारे दोस्तों के साथ सनबाथ लेते हुए एक वीडियो में नजर आ रही हैं। इसके बाद उन्होंने एक फोटो शेयर की जिसमें वह पीले रंग की बिकिनी पहने धूप सेकती नजर आईं। ऐसे ही अन्य तस्वीरों में एक्ट्रेस का हॉट लुक देखने को मिला। इन फोटोज को शेयर कर एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा- अंत भला तो सब भला. फैंस गिगी का ये पोस्ट देखने के बाद खूब कमेंट्स कर रहे हैं और कई तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। गिगी हदीद को प्रिजनर डिटेंशन सेंटर में ले जाने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया। दो दिन बाद 12 जुलाई को वे अदालत में पेश हुई और अपना जुर्म कबूल किया। दोनों पर 1,000 डॉलर का जुमार्ना लगा। उन पर कोई और अतिरिक्त आरोप नहीं था। उनके स्पोक्सपर्सन ने बताया, गिगी मेडिकल लाइसेंस के साथ एनवायसी में कानूनी रूप से खरीदे गए मारिजुआना के साथ ट्रेवल कर रही थीं। यह 2017 से ग्रैंड केमैन में मेडिकल यूज के लिए भी लीगल है। गिगी का रिकॉर्ड साफ है और जेल से छूटने के बाद उन्होंने अपना हॉलिडे एंजॉय किया। बता दें कि हाल ही में टीवी पर्सनैलिटी गिगी हदीद को गांजा रखने के आरोप में अरेस्ट किया गया था। दरअसल, एक्ट्रेस के पास ट्रैवलिंग के दौरान गांजा (ड्रग्स) बरामद हुआ था, जिसके बाद उन्हें एयरपोर्ट पर अरेस्ट कर लिया गया। हालांकि, इस घटना के तुरंत बाद उन्हें जमानत भी मिल गई थी और उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया।

दीपिका कक्कड़ ने पहली बार शेयर की बेटे की फोटो

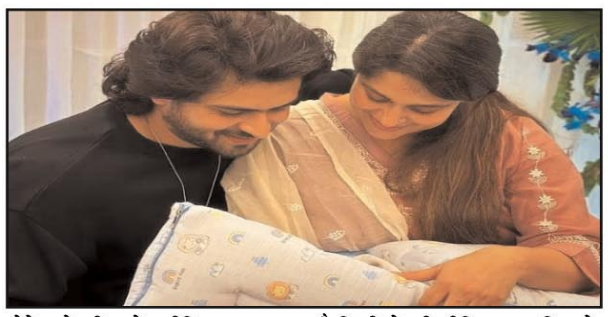

छोटे परदे की एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने अपने बेबी की पहली तस्वीर शेयर की हैं। इसके साथ ही दीपिका ने बेबी के वन मंथ पूरे होने पर उसे मिले तोहफों की झलक भी फैंस को दिखाई है। दीपिका कक्कड़ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पहली बार बेटे की फोटो शेयर की है। तस्वीर में दीपिका अपने बेबी और पति शोएब के साथ नजर आ रही हैं। शोएब अपनी गोद में बेटे को लिए नजर आ रहे हैं और दीपिका ने लाडले का हाथ थामा हुआ है। फोटो शेयर कर दीपिका ने कैप्शन में लिखा- रुहान। अपनी दुआओं में उसे रखने के लिए आपका शुक्रिया। वहीं, फैमिली ने भी दीपिका-इब्राहिम के लाडले को सरप्राइज दिया। केक कटिंग से लेकर उन्होंने कई सारे तोहफे दिए। व्लॉग में शोएब इब्राहिम ने बताया कि सबा इब्राहिम मौदहा से अपने भतीजे के लिए कुछ तोहफे लेकर आई हैं। व्लॉग में वह उन तोहफो की अनबॉक्सिंग भी करते दिखाई दिए। इसमें बच्चे के ढेर सारे कपड़े और हाथ में पहनने वाले काले मोती के ब्रेसलेट थे। एक महीने पहले पति शोएब संग अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। 21 जून को एक्ट्रेस ने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया था, जिसका नाम उन्होंने रुहान रखा है।

सपना चौधरी ने लेम्बोर्गिनी के साथ पोस्ट की तस्वीर

-जमकर वायरल हो रहा है सपना का वीडियो

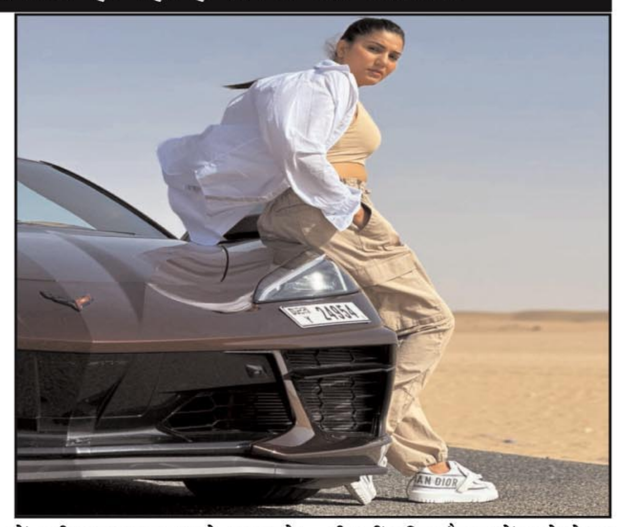

मुंबई (ईएमएस)। बिग बॉस फेम हरियाणवी सिंगर-डांसर सपना चौधरी ने हाल ही में लेम्बोर्गिनी के साथ तस्वीरे पोस्ट की है, जोकि खूब वायरल हो रही हैं। सपना की ये तस्वीरे लोगों को कोफी पसंद आ रही है। बता दें कि उनकी इस वीडियो को 20 घंटे में एक लाख 132,917 से भी ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, इसके ऊफर 881से ज्यादा कॉमेंट्स आए हैं। स्टेज शो के जरिए देशभर में मशहूर हुई सपना चौधरी लाखों दिलों पर राज कर रही हैं। सपना चौधरी की पॉप्यूलरटी बिग बॉस में बतौर कंटेस्टेंट आने के बाद और भी बढ़ गई। कभी देसी सूट्स में दिखने वाली सपना इन दिनों बोल्ड ड्रेसअप फॉलो कर रही हैं। उनके कई बोल्ड फोटोशूट भी करवाएं जो फैंस को काफी पसंद भी आए। बिग बॉस से बाहर आने के बाद ही सपना ने अपने बढ़े हुए वजन को कम करना शुरू किया था। उन्होंने जिम में पसीना बहा कर अपने आप को एक दम फिट कर लिया और इसका रिजल्ट आज आपके सामने है। समय के साथ-साथ फैंस को उनका ट्रांसफॉर्मेशन भी खूब पसंद आ रहा है। वह सिर्फ अपने एनर्जेटिक डांस ही नहीं बल्कि फैशन सेंस को लेकर भी खूब चर्चा में रहती हैं, जिसका सबूत है इंस्टाग्राम पर उनके द्वारा शेयर की जाने वाली तस्वीरें। देसी क्वीन इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं।

आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे के रिश्ते को लगेगी मुहर

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्टर आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे के रिश्ते को मुहर लगने वाली है। बीते दिनों दोनों ही कलाकार एक दूसरे के साथ घूमते नजर आए। इसके बाद दोनों को कार में बैठे हुए पैपराजी ने स्पॉट किया। जहाँ मीडिया देखकर आदित्य मुस्कुराते नजर आएं। वहीं, अनन्या अपने चेहरे को हाथों से ढकती दिखाई दी। इस समय दोनों लव बर्ड्स की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छायी हुई हैं। यूजर्स इन पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। जानकारी के अनुसार बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर इन दिनों अभिनेत्री अनन्या पांडे के साथ अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते में होने की पुष्टि नहीं की है, लेकिन बीते दिन के बाद लग रहा है कि आदित्य और अनन्या अब जल्द ही अपने रिश्ते को आधिकारिक तौर पर स्वीकार करने वाले हैं। गौरतलब है कि आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे हाल ही में यूरोप से छुट्टियां मना कर वापस मुंबई लौटे हैं। यूरोप ट्रिप से दोनों की कई रोमांटिक तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। उन तस्वीरों में, अनन्या और आदित्य एक दूसरे के साथ रोड पर साइकिल चलाते नजर आए। इसके अलावा दोनों एक दूसरे को बाहों में भरे भी दिखाई दिए। कैफे में एक-दूसरे की आँखों में खोए हुए भी दोनों की तस्वीरें वायरल हुई थी।

प्रेग्नेंसी फेज को एंजॉय कर रही कर्टनी

आजकल हॉलीवुड एक्ट्रेस कर्टनी कार्दशियन अपने प्रेग्नेंसी फेज को एंजॉय कर रही हैं। वह अपने बेबी बंप के साथ कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। कर्टनी जल्द ही पति ट्रैविस बार्कर के बच्चे को जन्म देंगी। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर बेबी बंप वाली कई नई तस्वीरें शेयर की हैं, जो फैंस द्वारा खूब देखी जा रही हैं। कर्टनी द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि वह अलग-अलग आउटफिट्स में नजर आ रही हैं। कभी ब्लैक लैदर आटफिट तो कभी डेनिम ड्रेस में अपना बड़ा सा बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। तस्वीरों में मॉम-टू-बी कर्टनी का ये अंदाज उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है। बता दें, कर्टनी ने मई महीने में पति ट्रैविस के साथ खुलासा किया था कि वे जल्द ही एक बेटे के पेरेंट्स बनेंगे।

30 मिलियन फॉलोअर्स पूरे कर लिए शिल्पा ने

सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी की तगड़ी फैन फॉलोइंग है, जो उनकी पोस्ट्स को धड़ल्ले से लाइक करती है। अब हाल ही में शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर 30 मिलियन फॉलोअर्स पूरे कर लिए हैं, जिसके बाद एक्ट्रेस ने एक वीडियो शेयर कर फैंस का आभार जताया है। इंस्टाग्राम पर 30 मिलियन फॉलोअर्स पूरे होने पर शिल्पा शेट्टी फूली नहीं समा रही हैं। इस अवसर पर उन्होंने अपने अकाउंट पर एक खूबसूरत सा वीडियो शेयर किया और लिखा- इस यात्रा को इतना यादगार बनाने के लिए, मेरी सबसे प्यारी इंस्टाफैमिली, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं चाहती हूं कि मेरे 30 मिलियन-मजबूत #इंस्टाफैम में से प्रत्येक को पता चले कि आप खास हैं... मेरा दिल कृतज्ञता से भरा हुआ है आप सभी को प्यार! वीडियो में देखा जा सकता है कि शिल्पा शॉर्ट्स पहने साइकिल चलाती नजर आ रही हैं और 30 मिलियन पूरे होने पर फैंस का आभार व्यक्त करती हैं।

रॉकस्टार डीएसपी ने शुरू किया ओ अंटावा टूर

आखिरकार सनसनीखेज रॉकस्टार डीएसपी ने संयुक्त राज्य अमेरिका में ओ अंटावा टूर शुरू कर दिया है। डीएसपी ने 8 जुलाई को फिलाडेल्फिया में और 15 जुलाई को सिएटल में जबरदस्त शो किया। सैन जोस सिविक पार्क में अपने अगले पड़ाव से पहले ग्लोबल म्यूजिक स्टार ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने ऊ अंटावा टूर के लिए प्रशंसकों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने वीडियो को कैप्शन देते हुए लिखा, हैलो..सैन जोस..बे एरिया! गेट रेडी टू रॉक विद अस। सैन जोस के बाद, ऊ अंटावा टूर का समापन 29 जुलाई को शिकागो में एक भव्य समापन समारोह के साथ होगा। लेकिन हिट मशीन डीएसपी के लिए इसके अलावा भी बहुत कुछ है! करियर के वर्कफ्रंट पर उनके पास पुष्पा 2 और सूर्या 42 सहित कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं, जो यह सुनिश्चि त करते हैं कि एक म्यूजिक कम्पोजर के रूप में उनका शानदार करियर चमकता रहे। रॉकस्टार डीएसपी के साथ क्लिप में सागर, रीता, पृथ्वी, इंद्रावती चौहान हेमचंद्र और मंगली जैसे लोकप्रिय गायकों के साथ-साथ टूर की होस्ट अनुसया भारद्वाज भी शामिल थीं।

रेहड़ी पर भुट्टे भूनते नजर आए एक्टर सुनील ग्रोवर

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर सुनील ग्रोवर इन दिनों एक से बढ़कर एक वीडियो जारी कर रहे हैं। अभी हाल ही में उन्होंने रेहड़ी पर भूट्टे सेंकने का वीडियो जारी किया है। गौरतलब है कि गुत्थी और डॉक्टर मशहूर गुलाटी के किरदार से घर-घर में फेमस हुए सुनील ग्रोवर सबके फेवरेट हैं। वे हर किरदार में अपनी छाप छोड़ ही जाते हैं। हालांकि, अब वे स्क्रीन पर कम दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में उनके फैंस हर समय ये जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि सुनील क्या कर रहे हैं। इस बीच सुनील ग्रोवर को एक वीडियो सामने आया हैं। सुनील ग्रोवर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में वो रोड साइट एक रेहड़ी पर भुट्टे भूनते हुए नजर आ रहे हैं। इस रेहड़ी पर फ्रूट्स और छल्लियां भी हैं। सुनील बड़ा ही मन लगा कर चुल्हे पर भुट्टा भूनते दिख रहे हैं। सिर पर गमछा लिए, घुटने उठाए बैठ सुनील भुट्टे को बड़े ही मजे से पंखा दे रहे हैं। सुनील के इस वीडियो को देख ऐसा लगा रहा है जैसे सच मैं ये सुनील नहीं बल्कि कोई भुट्टा भूनने वाला है। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- नए मिशन की तलाश में हूं। हालांकि वीडियो पर सुनील के फैंस जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा है कि, अरे भैया ये क्या कर रहे हो भुट्टे भून रहे हो। एक फैन ने लिखा- सर आपका वेट करते करते थक गए अब तो कपिल शर्मा के शो पर आ जाओ। वहीं, कुछ लोग सुनील के अगले प्रोजेक्ट के बारे में भी सवाल कर रहे हैं। बता दें कि सुनील ग्रोवर 7 सितंबर को रिलीज होने वाली शाहरुख खान की फिल्म जवान में नजर आएंगे। इस फिल्म में शाहरुख के साथ नयनतारा भी नजर आएंगी। वहीं, दीपिका पादुकोण भी फिल्म में कैमियो करती दिखेंगी।

सूडोकु नवताल- 6503

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6502 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7250

प्र	अ	मे	क	ए	का	धि	का	र	क	गो
न	का	मे	म	इं	भा	र	त	ति	ना	ला
अ	दा	र	रि	मा	ग	अं	द	ह	ड्ा	का
फ्रां	स	ल	का	का	न	स	ध	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	न	मे	इ	ट	ली	दे
अ	ना	का	इं	व	प	का	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मा	डो	अ	ला	र	ची	न	ज
इं	न	भा	र	न	ने	स	रा	न	वि	र्म
क	ग्लैं	बा	अ	लं	का	शि	ह	न	जू	नी
र	का	ड	मा	न	सिं	ब्रा	या	का	प	श
बां	र	ल	प	स्पे	न	स	त्ता	प	र	र

शब्द जाल में सर्वाधिक थिएटरों वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए, नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

चीन, अमेरिका, भारत, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, ईंग्लैंड, इटली, कनाडा, इंडोनेशिया

शब्दजाल - 7249 का हल

म	पु	णे	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	य
रा	वि	ली	प्रे	दि	ल्ली	मे	ष	बा	दी	छ
मि	आ	ब	वृ	क	इं	मु	ब	न	को	वा
बें	थु	ल	ना	क	डि	आ	ब	ल	ल	चा
न	ग	न	भ	ग	या	ल	ने	ई	का	क
ली	ती	लो	सू	र	पु	सिं	र्नि	ग	ता	न
र	स	बा	र	स	क	र	ऊ	ई	है	ब
क	फ	चो	त	क	रा	म	तु	ला	द	म
स	या	औ	र	आ	क	गॉ	ल	प	रा	जी
कुं	भ	म	प	द	अ	ह	म	दा	बा	द
र्त	चे	न्न	ई	ग	र	ल	स	प	द	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6203

7	6	5		1	3	
	41		32		22	1
4	3	7			2	
	26		34	4	38	6
1	2				6	
	21		36	3	39	7
	1	2			4	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6202 का हल

3	5	7	1	6	2	4
7	37	6	37	2	29	3
2	4	3	7	5	6	1
6	31	1	28	4	32	5
4	6	5	2	1	3	7
1	28	4	27	3	33	2
5	1	2	3	7	4	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

वेस्टइंडीज की वनडे टीम जारी : भारत के खिलाफ हेटमायर और ओशेन थॉमस की वापसी ; पहला मैच 27 जुलाई को

नई दिल्ली ।

भारत के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए वेस्टइंडीज ने अपनी टीम जारी कर दी है। शाई होप ही टीम के कप्तान रहेंगे। टीम में लम्बे समय के बाद बैटर शिमरोन हेटमायर और तेज गेंदबाज ओशेन थॉमस की वापसी हुई है। हेटमायर वेस्टइंडीज से पिछले दिनों टी-20 वर्ल्ड कप और वनडे वर्ल्ड कप क्वालिफायर का हिस्सा भी नहीं बन सके थे। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने 15 प्लेयर्स का स्क्वॉड जारी किया। टीम भारत के खिलाफ वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 27 जुलाई को खेलेगी।

निकोलस पूरन और होल्डर टीम में नहीं - विकेटकीपर निकोलस पूरन, इंजर्ड तेज गेंदबाज कीमो पॉल और ऑलराउंडर जेसन होल्डर सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं रहे। वहीं टीम में तेज गेंदबाज जेडन सील्स, लेग स्पिनर यानिक करियाह और लेफ्ट आर्म स्पिनर गुडाकेश मोटी की वापसी हुई है।

डेसमंड हैंस बोले- हेटमायर-थॉमस की वापसी जरूरी थी - वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के लीड सिलेक्टर डेसमंड हैंस ने टीम जारी करते हुए कहा, हम ओशेन थॉमस और हेटमायर का स्वागत करते हैं। दोनों ने इंटरनेशनल लेवल पर क्रिकेट खेला है और उनकी परफॉर्मेंस काफी अच्छा रहा। हमें लगता है उनका टीम में वापसी करना बेहद जरूरी था। थॉमस नई गेंद से विकेट लेने की क्षमता रखते हैं। हेटमायर तेज बैटिंग करते हैं, मिडिल ऑर्डर की कमान संभालने के साथ वह अच्छे फिनिशर भी हैं।

2 साल पहले हेटमायर और थॉमस ने वनडे खेला था - 26 साल के हेटमायर और थॉमस ने वेस्टइंडीज के लिए आखिरी वनडे मैच करीब 2 साल पहले खेला था। दोनों टीम के लिए 2019 का वनडे वर्ल्ड कप भी खेल चुके हैं। अब बोर्ड वनडे फॉर्मेट में 2025 की चैम्पियंस ट्रॉफी खेलने के उद्देश्य से मजबूत टीम बनाने पर फोकस कर रहा है, इसीलिए दोनों खिलाड़ियों की वापसी हुई।

6 दिन में 3 वनडे खेलेंगी दोनों टीमें - भारत और वेस्टइंडीज के बीच 3 वनडे की सीरीज 27 जुलाई से शुरू होगी। 29 जुलाई को दूसरा और 1 अगस्त को तीसरा वनडे खेला जाएगा। शुरुआती दोनों वनडे बारबाडोस के केनिंगटन ओवल मैदान पर होंगे, वहीं तीसरा वनडे त्रिनिदाद के ब्रायन लारा क्रिकेट एकेडमी ग्राउंड पर खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच तीनों फॉर्मेट की सीरीज 2 टेस्ट से शुरू हुई। भारत ने टेस्ट सीरीज 1-0 से जीती। अब 3 वनडे की सीरीज खेली जाएगी। वनडे के बाद 3 से 13 अगस्त तक 5 मैचों की टी-20 सीरीज भी खेली जाएगी। भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज का वनडे स्क्वॉड शाई होप (कप्तान), रोवमन पॉवेल (उप कप्तान), एलीक एथनाज, यानिक करियाह, कीसी कार्टी, डोमिनिक ड्रेक्स, शिमरोन हेटमायर, अल्जारी जोसेफ, ब्रेंडन किंग, काइल मेयर्स, गुडाकेश मोटी, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड, केविन सिनक्लेयर और ओशेन थॉमस।

न्यूज ब्रीफ

सऊदी के क्लब का एम्बाप्पे को रिकॉर्ड ऑफर: अल हिलाल फ्रेंच प्लेयर के लिए 3 हजार करोड़ देने को तैयार

नई दिल्ली । फ्रांस के स्टार प्लेयर किलियन एम्बाप्पे के लिए सऊदी अरब के क्लब अल-हिलाल ने वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफर दिया है। सऊदी अरब के क्लब अल-हिलाल ने एम्बाप्पे को अपने क्लब में शामिल करने के लिए पीएसजी को 300 मिलियन यूरो यानी 3 हजार करोड़ रुपए देने का ऑफर दिया है।

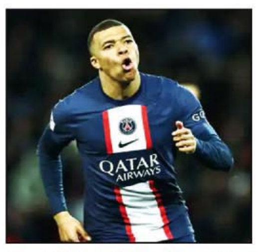

एम्बाप्पे इस समय फ्रांस के क्लब पेरिस सैंट जर्मन का हिस्सा है। पीएसजी ने एम्बाप्पे को क्लब के साथ बातचीत करने की परमिशन दी है। अगर एम्बाप्पे और सऊदी के क्लब के बीच यह डील होती है तो यह एक रिकॉर्ड ट्रांसफर फीस होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल-हिलाल ने ग्लोबल स्टार लियोनल मेसी को भी बड़ी राशि के सैलरी पर अपनी टीम में शामिल करने की पेशकश की थी। हालांकि, मेसी सऊदी नहीं गए और अमेरिकी क्लब इंटर मयामी में शामिल हो गए। पूर्व फुटबॉलर डेविड बेकहम अपने करियर के लास्ट फेज में इस क्लब से खेल चुके हैं। उन्होंने इस क्लब के ऑनर-शिप राइट्स भी खरीदे। पिछले कुछ समय ने पीएसजी क्लब और एम्बाप्पे के बीच विवाद की स्थिति बनी हुई है। दरअसल, पीएसजी और एम्बाप्पे के बीच 2024 तक का कॉन्ट्रैक्ट है। अगर एम्बाप्पे 2024 में न क्लब छोड़ते है तो वह फ्री एजेंट बन जाएंगे। इस स्थिति में पीएसजी को एक भी पैसा नहीं मिलेगा। इस हालत में पीएसजी ने एम्बाप्पे को अपना कॉन्ट्रैक्ट आगे बढ़ाने की मांग की थी, जिसे एम्बाप्पे ने ठुकरा दिया था। अब पीएसजी ने एम्बाप्पे का नाम ट्रांसफर लिस्ट में कर दिया है, यानी पीएसजी एम्बाप्पे के लिए दूसरे क्लब से बिड मांग रहा है। स्पेन का क्लब रियल मैड्रिड भी पीएसजी के स्टार स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे को अपने क्लब में शामिल करने की होड़ में है। एम्बाप्पे कई बार बोल चुके है की उनके फेवरेट प्लेयर रोनाल्डो है और वह भी उन्हीं की तरह रियल मैड्रिड टीम से खेलना चाहते है। हालांकि, पिछले साल रियल मैड्रिड ने एम्बाप्पे के लिए 180 मिलियन यूरोज यानी 1600 करोड़ रुपए की पेशकश की थी, लेकिन पीएसजी ने एम्बाप्पे के साथ कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू कर लिया था। एम्बाप्पे 2018 से पीएसजी क्लब से जुड़े है। इससे पहले वह फ्रांस के ही दूसरे सबसे बड़े क्लब एस मोनाको से जुड़े थे।

पोप के दो गोलों की मदद से जर्मनी ने मोरक्को को 6-0 से रौंदा, इटली ने अर्जेंटीना को हरा

मेलबर्न। एलेक्जेंड्रा पोप के दो गोलों की मदद से जर्मनी ने फीफा महिला विश्व कप में मोरक्को को 6-0 से रौंद दिया। मोरक्को की टीम पहली बार इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही है। वह अरब और उत्तरी अफ्रीका की पहली टीम है, जिसने महिला विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया है। पोप ने अपने गोल पहले हाफ में किए थे, उसके बाद जर्मनी ने चार गोल और किए। जीत का अंतराल अभी तक इस बार टूर्नामेंट में सर्वाधिक है। पोप पिछले साल यूरोपियन चैंपियनशिप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ चोट के कारण नहीं खेल पाई थी। उन्होंने 11वें मिनट में हेडर से गोल किया और 39वें मिनट में हेडर से एक और गोल कर दिया। क्लारा (46वां मिनट) ने स्कोर 3-0 कर दिया। मोरक्को की हनाने ने 54वें और यास्मिन ने 79वें मिनट में गलती से आत्मघाती गोल कर बैठीं। हाल ही में जाम्बिया और ब्राजील से पराजित होने वाली जर्मनी की टीम ने इस मैच से अपनी दावेदारी पेश की है। दो बार (2003 और 2007) की चैंपियन रही जर्मनी पिछले आठ विश्व कप में कम से कम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची है।

करमन सानिया के बाद अमेरिका में पेशेवर खिताब जीतने वालीं दूसरी भारतीय, डब्ल्यू 60 आईटीएफ अपने नाम किया

नई दिल्ली । भारत की युवा टेनिस खिलाड़ी करमन कौर थांडी ने कॅरिअर का अपना दूसरा डब्ल्यू 60 आईटीएफ खिताब जीत लिया।

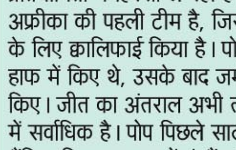

उन्होंने अमेरिका में इवांसविले टूर्नामेंट के फाइनल में यूक्रेन की यूलिया स्ट्रोडूबत्सेवा को 7-5, 4-6, 6-1 से हराया। इस जीत के साथ करमन दिग्गज सानिया मिर्जा के बाद अमेरिका में प्रो खिताब जीतने वालीं दूसरी भारतीय महिला टेनिस खिलाड़ी हो गई हैं। करमन कौर ने इससे पहले अपना पहला डब्ल्यू 60 आईटीएफ खिताब पिछले साल कनाडा के सेगुने में जीता था। कुल मिलाकर उनका यह चौथा खिताब है। इवांसविले में उन्होंने करमन ने पहले दौर में मेक्सिको की मारिया फर्नांडा नवारो को, दूसरे दौर में स्थानीय मेरीबेला जामिरप्पा को पराजित किया।

भारत ने वेस्टइंडीज से लगातार 9वीं टेस्ट सीरीज जीती

दूसरा टेस्ट ड्रॉ रहा, आखिरी दिन एक बॉल भी नहीं फेंकी जा सकी

पोर्ट ऑफ स्पेन ।

भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार नौवीं टेस्ट सीरीज जीत ली है। टीम ने 2 टेस्ट की सीरीज 1-0 से अपने नाम की। सीरीज का दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा। भारतीय टीम ने पहला मुकाबला पारी और 141 रनों से जीता था, इस तरह यह सीरीज टीम इंडिया के नाम रही। वेस्टइंडीज ने भारत से आखिरी टेस्ट सीरीज 2002 में जीती थी। पोर्ट ऑफ स्पेन में खेले गए इस मुकाबले का पांचवां और आखिरी दिन बारिश के नाम रहा। दोपहर तक रुक-रुककर बारिश होती रही। शाम तक भी मौसम साफ नहीं हुआ, जिस कारण टेस्ट में एक भी बॉल नहीं फेंकी जा सकी। हार-जीत का फैसला नहीं हो सका और भारत को ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। चौथे दिन वेस्टइंडीज को 365 रन का टारगेट मिला था, टीम ने स्टंप्स तक 2 विकेट पर 76 रन बना लिए थे। टीम इंडिया अब 27 जुलाई से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी।

मोहम्मद सिराज रहे प्लेयर ऑफ द मैच

पहली पारी में 5 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने तीसरे दिन के पहले सेशन में 4 विकेट लेकर वेस्टइंडीज को जल्दी ऑल आउट करने में अहम योगदान दिया था। सिराज को अपने टेस्ट करियर में पहली बार प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला है। मैच में विराट कोहली ने भी शतकीय पारी खेली थी। सीरीज में 15 विकेट लेने रविचंद्रन अश्विन को प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिल सकता था। लेकिन अलग बात ये रही कि वेस्टइंडीज बोर्ड ने प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड ही नहीं रखा।

भारत को शेयर करने पड़ गए पॉइंट्स

आखिरी दिन बारिश का सबसे ज्यादा नुकसान भारत को हुआ, क्योंकि टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के अहम 4 अंक वेस्टइंडीज के साथ

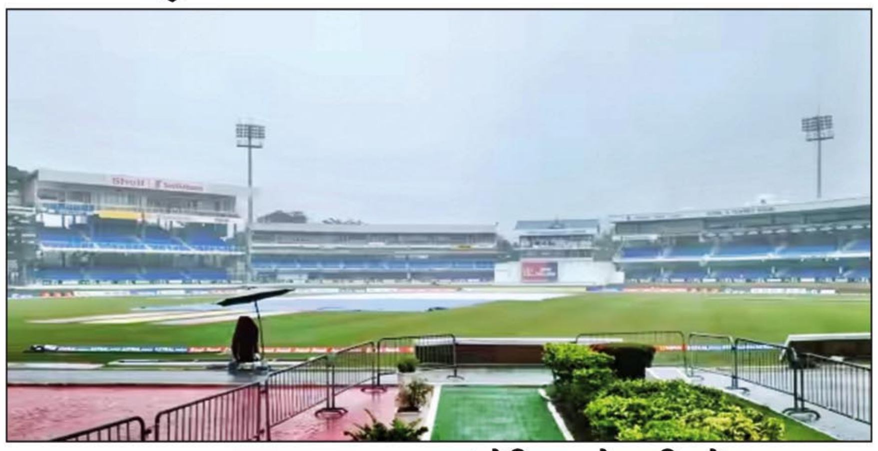

बांटना पड़ गए। अगर दिन का खेल होता और भारत वेस्टइंडीज के 8 विकेट गिरा देता तो टीम को पूरे 12 पॉइंट्स मिलते। वहीं अगर वेस्टइंडीज मैच जीत जाती तो भारत को कोई पॉइंट नहीं मिलता और विंडीज 12 पॉइंट्स हासिल कर सीरीज 1-1 से बराबर कर लेती।

पांचवें दिन का खेल बारिश में धुला

आखिरी दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले सेशन का खेल बारिश के कारण नहीं हो सका। यहां सुबह से तेज बारिश होती रही। दोपहर में भी बारिश जारी रही और दिन का खेल शुरू ही नहीं हुआ।

जोकोविच नेशनल बैंक ओपन में नहीं खेलेंगे

टोरंटो । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच यहां होने वाले नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। जोकोविच ने यह फैसला खेल से कुछ समय के ब्रेक लेने के लिए किया था जिससे थकान से वह उबर सकें। हाल में हुए विम्लबडन फाइनल में जोकोविच को स्पेन के कार्लोस अल्काराज के हाथों हार सामना करना पड़ा था। टेनिस कनाडा ने कहा कि जोकोविच थकान के कारण इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे। जोकोविच को अमरीकी ओपन की तैयारी के लिएइस हार्डकोर्ट टूर्नामेंट में खेलना था पर अब उन्होंने अतिरिक्त आराम की जरुरत को देखते हुए इससे नाम वापस लिया है। चार बार नेशनल बैंक खिताब विजेता रहे इस खिलाड़ी ने कहा, 'कनाडा में मुझे हमेशा अच्छा लगता है पर अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मैने तय किया कि यही फैसला सही है। जोकोविच की जगह अब अमरीका के क्रिस्टोफर यूबैंक्स खेलेंगे। है क्रिस्टोफर ने विम्बलडन में शानदार प्रदर्शन कर इस टूर्नामेंट में खेलने की दावेदारी की थी।

हरमनप्रीत कौर पर लग सकता है 2 मैचों का बैन

बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में स्टंप पर बैट मारा था, अंपायर के फैसले से नाराज थीं

नई दिल्ली ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर पर 2 मैच का बैन लग सकता है। उन पर 4 डिमेरिट पॉइंट्स का जुर्माना भी लग सकता है। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि भारतीय कप्तान को 2 मैचों के लिए बैन किया जा सकता है। हालांकि, इस पर आईसीसी ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन हरमनप्रीत को आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 2 का उल्लंघन करने का दोषी माना जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो हरमन कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 2 का उल्लंघन करने वाली पहली वीमेन क्रिकेटर बन जाएगी। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने बांग्लादेश के खिलाफ भारत के तीसरे और आखिरी वनडे के दौरान स्टंप पर बैट मार दिया था। हरमन अंपायर के फैसले से नाराज थीं।

क्या है पूरा मामला

इंडियन विमेंस टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे में आउट होने के बाद स्टंप्स को बैट मार दिया था। वह अंपायर के फैसले से निराश नजर आईं थी और पवेलियन लौटते हुए गुस्से में फील्ड अंपायर से कुछ कहते हुए भी दिखीं। ट्रॉफी फोटोशूट में उन्होंने ये तक कह दिया था कि यहां खिलाड़ियों के साथ अंपायर्स को भी होना चाहिए। मैच के बाद भी उन्होंने अपना गुस्सा जाहिर किया और कहा, अंपायरिंग बहुत खराब रही, इंटरनेशनल लेवल पर इस तरह के फैसले बहुत निराशाजनक लगते हैं। हरमन 34वें ओवर में आउट हुईं और 226 रन के टारगेट का पीछा कर रही टीम इंडिया 225 रन ही बना सकी। तीसरा वनडे टाई हो गया और 3 वनडे की सीरीज 1-1 से बराबरी पर खत्म हुई।मैच के अंपायर मुहम्मद कमरुज्जमान और तनवीर अहमद थे। दोनों अंपायर बांग्लादेश के ही थे। बांग्लादेश विमेंस टीम की कप्तान निगर सुल्ताना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि, ये पूरी तरह से उनकी (हरमन की) समस्या है, मैं इसमें कुछ नहीं कर सकती। खिलाड़ी के रूप में उनका व्यवहार ठीक नहीं, उन्हें अच्छा व्यवहार करना था। मुझे नहीं पता वहां क्या हुआ, लेकिन वो (फोटोशूट के दौरान अंपायर्स पर चिल्लाना) ठीक नहीं था। क्रिकेट डिसिप्लिन और सम्मान का खेल है, इसलिए हम फोटोशूट से जल्दी दूर हो गए। अंपायरिंग पर सुल्ताना बोलीं, अगर वह (हरमन) आउट नहीं रहतीं तो अंपायर उन्हें नॉट आउट देते। मेंस इंटरनेशनल के अंपायर्स ने हमारे मैच में अंपायरिंग की, यानी वे अच्छे थे।

पहलवानों के बाद मुक्केबाजों के सेलेक्शन पर विवाद: हाईकोर्ट में खेल मंत्रालय का हलफनामा, एशियाई खेलों में बिना ट्रायल चुने जाने में हमारी कोई भूमिका नहीं

पानीपत।

हरियाणा में पहलवानों के बाद अब मुक्केबाजों के एशियाई खेलों के लिए सेलेक्शन पर विवाद छिड़ गया है। एशियाई खेलों में बिना ट्रायल मुक्केबाजों के चयन को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में दाखिल याचिका पर खेल मंत्रालय ने अपना जवाब दाखिल किया है। मंत्रालय ने खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया में अपनी भूमिका होने से साफ इनकार कर दिया है।

जवाब में कहा गया है कि चयन के सभी अधिकार स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के पास हैं। मंत्रालय के निदेशक शिव प्रताप सिंह तोमर ने हलफनामा दाखिल करके बताया कि मंत्रालय का खिलाड़ियों के चयन में कोई दखल नहीं है। चयन का जिम्मा फेडरेशन को दिया गया है। चयन के लिए मानक या नीति तय करने का अधिकार भी उनके पास ही है। साथ ही बताया कि प्रतिभागियों का नाम भेजने की अंतिम तिथि 15 जुलाई थी और इसके लिए नाम भेजे जा चुके हैं।

इन दिन मुक्केबाजों ने लगाई थी याचिका

हरियाणा के ओलंपियन मुक्केबाज अमित पंघाल, रोहित मोर और सागर ने 51 किलोग्राम, 57 किलोग्राम व 92 किलोग्राम वर्ग में दीपक, सचिन व नरेंद्र के एशियाई खेलों में चयन को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याची पक्ष ने कोर्ट को बताया कि भारतीय राष्ट्रीय खेल विकास संहिता 2011 के तहत प्रमुख

अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में खिलाड़ियों के चयन के लिए ट्रायल का प्रावधान है।

वहीं बाक्सिंग फेडरेशन आफ इंडिया ने राष्ट्रीय कोचिंग शिविर, विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेल 2023 के लिए चयन मानदंडों को मनमाने रूप से बदल दिया है। विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में मुक्केबाजों के चयन का फैसला ट्रायल के बजाय व्यक्तिगत मूल्यांकन के आधार पर किया गया है।

याचिकाकर्ताओं ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं के लिए जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया, वह उनसे (याचिकाकर्ताओं) से हार चुके हैं। याचिका में अपील की गई थी कि प्रतियोगिता के लिए नाम बिना ट्रायल नहीं भेजने का आदेश दिया जाए, लेकिन मंत्रालय ने साफ कर दिया कि नाम एक सप्ताह पहले ही भेजे जा चुके हैं।

सात्विक-चिराग करियर की बेस्ट दूसरी वर्ल्ड रैंकिंग पर पहुंचे : सिंधु का विमेंस सिंगलस में 17वां स्थान बरकरार, मेंस में प्रणय 10वें पर

नई दिल्ली ।

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय बैडमिंटन जोड़ी ने मंगलवार को जारी की ताजा रैंकिंग में अपने करियर की बेस्ट वर्ल्ड रैंकिंग हासिल कर ली। सात्विक-चिराग अपनी पिछली रैंकिंग से एक स्थान ऊपर बढ़कर पुरुष युगल की विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। पिछले साल कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल, फ्रेंच ओपन सुपर 750 खिताब और मौजूदा सीजन में इंडोनेशिया ओपन और स्विस ओपन 300 खिताब जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी के अब 87211 अंक हैं।

चिराग-सात्विक की जोड़ी ने कोरिया ओपन का खिताब जीता

चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज की भारतीय जोड़ी ने रविवार (23 जुलाई 2023) को कोरिया ओपन का खिताब जीता था। चिराग-सात्विक की जोड़ी ने वर्ल्ड नंबर 1 फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान की इंडोनेशियाई जोड़ी को 17-21, 21-13, 21-14 के अंतर से हराया था।

सात्विक-चिराग ने जीता लगातार

दूसरा टाइटल

सात्विक और चिराग ने इस साल इंडोनेशिया सुपर 1000 और स्विस ओपन सुपर 500 खिताब जीते हैं। जून में अपने पिछले टूर्नामेंट इंडोनेशिया ओपन को जीतने वाली भारतीय जोड़ी का यह लगातार दूसरा खिताब है। वहीं यह उनका तीसरा बीडब्ल्यूएफ 500 खिताब है। इससे पहले उन्होंने 2019 में थाईलैंड ओपन और पिछले साल इंडिया ओपन जीता था।

सिंधु 17वें स्थान पर बरकरार

महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु 17वें स्थान पर बरकरार हैं। सिंधु सात साल में पहली बार मार्च में शीर्ष 10 की रैंकिंग से बाहर हो गई थीं। महिला युगल में त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भी 19वें स्थान पर बनी हुई है। मेंस सिंगल्स में एचएस प्रणय 10वें स्थान पर बरकरार हैं। लक्ष्य सेन को रैंकिंग में दो स्थान का नुकसान हुआ है। वो अब 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

विनेश-बजरंग एशियन गेम्स ट्रायल के लिए तैयार

बोले- हमने कभी छूट नहीं मांगी; फोगाट बोलीं- बृजभूषण ताकतवर, गोली मरवा सकते हैं

पानीपत।

एशियन गेम्स के लिए ट्रायल छूट पर विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने विरोधियों को खुलकर जवाब दिया। सोमवार देर शाम दोनों सोशल मीडिया पर लाइव आए। दोनों ने कहा कि उन्होंने कभी ट्रायल में छूट नहीं मांगी। हम भी बिना ट्रायल के नहीं जाना चाहते। ट्रायल करा लो, जो ताकतवर होगा, वह आगे जाएगा। वहीं विनेश फोगाट ने कहा कि पूर्व अध्यक्ष सांसद बृजभूषण बहुत ताकतवर है। वह हमें कब गोली मरवा दें, इस बारे में हमें कुछ पता नहीं है। हर वक्त हमारी और हमारे परिवार की जान हथेली पर रहती है। विनेश-बजरंग के ये बयान भाजपा नेता पूर्व पहलवान योगेश्वर दत्त के सवाल उठाने और पहलवान अंतिम पंघाल के दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की प्रतिक्रिया में आए हैं। अंतिम ने इसे जहां जूनियर पहलवानों के साथ बेइंसाफी बताया था, वहीं योगेश्वर ने ट्रायल छूट के फैसले को कुश्ती को अपवित्र करने की बात कही थी।

विनेश-बजरंग की अहम बातें

हमें विदेश में नोटिस आ गए, अंतिम को समझ नहीं - पहलवान अंतिम पंघाल ने हमारे खिलाफ केस किया है, हम यहां विदेश में प्रैक्टिस कर रहे हैं, हमारे पास यहां पर ही कोर्ट से नोटिस आ गए। अंतिम पंघाल अपनी जगह बिल्कुल सही है। उसे अपना हक मिलना चाहिए। लेकिन उसे बहकाया गया है। इस उम्र में समझ नहीं होती है।

हम आज तक नहीं हारे हैं - अंतिम पंघाल और कोई दो-चार खिलाड़ियों ने कहा कि विनेश और बजरंग को हराने वाले बहुत हैं। लेकिन, आज तक हम हारे नहीं हैं। हम विदेश तैयारी के लिए आए हैं, देश से भागे नहीं है। हमसे ट्रायल ले लो।

योगेश्वर कहे बृजभूषण भगवान, हम केस वापस ले लेंगे - योगेश्वर दत्त भरी पंचायत में कह दे कि बृजभूषण भगवान हैं, हम केस ही वापस ले लेंगे। योगेश्वर दत्त ने जांच कमेटी में होकर महिला खिलाड़ियों के ऊपर बहुत दबाब बनाया। उन्हें कहा कि अपनी प्रैक्टिस करो, बृजभूषण का कुछ नहीं बिगड़ेगा। कमेटी के बीच से योगेश्वर कई बार उठकर बाहर आया और बृजभूषण से फोन पर पूछा कि इनसे और क्या सवाल पूछने हैं बजरंग ने कहा कि मैं इस बारे में बता सकता हूं कि योगेश्वर ने बृजभूषण से जांच कमेटी बनने के बाद कब-कब और कहां-कहां बात की।

योगेश्वर खुद बिना ट्रायल के गया - योगेश्वर दत्त अब कुश्ती समाज का ठेकेदार बन गया है। मैं इससे सवाल पूछना चाहता हूं कि तू अब ट्वीट कर रहा है कि ये कुश्ती को अपवित्र कर रहे हैं। ये अपवित्रता 2014 एशियन गेम्स के ट्रायल में कहां गई थी, जब तू बिना ट्रायल दिए बृजभूषण के पैर पकड़ कर प्रवेश कर गया था।

विरोधियों को कुश्ती जगत की पंचायत बुलाने का चैलेंज - हमारे विरोध में कुछ लोग एकजुट हैं। सभी कुश्ती जगत की एक पंचायत बुला लें। दोनों पक्षों के सवालों के सवाल-जबाब होंगे। जहां हम गलत होंगे, अपनी गलती मान लेंगे और कुश्ती जगत से ही दूर हो जाएंगे।

कुछ लोग बृजभूषण के टुकड़ों पर भौंक रहे - कुछ लोग आजकल यूट्यूबर बन गए हैं। जो बृजभूषण के फेंके टुकड़ों के हिसाब से भौंक रहे हैं। ये समाज में सिर्फ ये दिखाना चाहते हैं कि हम समाज के ठेकेदार हैं। लेकिन अब तुम्हारी राजनीति चमकेगी नहीं। ये बरसाती मेंढक हैं।

2022 में लड़कियों के साथ अन्याय हुआ - बजरंग पूनिया ने कहा कि जब हम जंतर मंतर पर बैठे थे, तो हमारा निजी स्वार्थ नहीं था। बहन-बेटियों के लिए ही बैठा था। 2022 में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में लड़कियों के साथ कितना अन्याय हो रहा था। खिलाड़ियों का कमरे से बाहर भी निकलना मुश्किल हो रहा था। विनेश फोगाट बोलीं कि हमे खुशी है कि अब खिलाड़ी अपने हक के लिए बोलने लगे हैं। अपने हक की आवाज उठाने लगे हैं। कुश्ती के लिए ये बहुत अच्छे संकेत हैं। हम यहीं चाहते थे कि खिलाड़ी अन्याय के खिलाफ बोलें।

खूबसूरत त्वचा के लिए खाएं इन्हें कच्चा

हमारी त्वचा से हमारे शरीर की स्वस्थता के बारे में पता चलता है। हमारा शरीर जितना हेल्दी होगा। हम उतने की स्वस्थ होंगे। कई ऐसे फूड होते हैं जिनका सेवन करने से त्वचा दमक उठती है और शरीर पर भी उनका प्रभाव अच्छा पड़ता है। आइए जानते हैं ऐसे फूड के बारे में जो त्वचा को स्वस्थ व दमकदार बनाते हैं।

पालक

पालक में फाइटोन्यूट्रियन्स होते हैं जो त्वचा को सूर्य की पराबैंगनी किरणों के दुष्प्रभाव से बचाते हैं। पालक के सेवन से शरीर में कैल्शियम की मात्रा भी अच्छी हो जाती है और बीटा कारोटेन और ल्यूटेन की मात्रा भी अच्छी हो जाती है जो त्वचा में नरमी ला देते हैं। साथ ही इसमें एंटी इंफ्लामेंट्री गुण भी होते हैं।

अखरोट

अखरोट विटामिन बी से भरपूर होता है जो शरीर में रक्त के संचार को बढ़ाता है और इसकी वजह से त्वचा स्वस्थ बनी रहती है। साथ ही इसमेंए विटामिन ई और ऑक्सीडेंट भी होते हैं जो बढ़ती उम्र को थाम लेते हैं। अखरोट में ओमेगा 3 होता है जो त्वचा को बेकार होने से बचाता है।

सेब

सेब ए विटामिन का भंडार है जो शरीर को स्वस्थ बना देते हैं। सेब की मदद से मेलेनिन बनने में सहायता मिलती है और बाल काले होते हैं। विटामिन ए से त्वचा में दमक आती है। साथ ही प्रतिदिन एक सेब खाने से चेहरे पर लालिमा बनी रहती है।

आम

आम एक एंटीएजिंग फ्रूट है जो विटामिन ए और सी से भरपूर है। ये विटामिन त्वचा को शाइनी बना देते हैं।

बादाम वाला दूध

बादाम पड़ा हुआ दूध विटामिन ई से भरपूर होता है जो यूवी क्षति से त्वचा की रक्षा करता है। इसमें एंटी. ऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं जो त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं।

बेरी

बेरी में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है जो शरीर से टॉक्सिक बाहर निकाल देता हैए साथ ही बढ़ती त्वचा को थाम लेता है। बेरी में फ्लेवोनॉयड भी होते हैं जो त्वचा को बुरे प्रभावों से बचाते हैं और उसे जवां बनाएं रखते हैं।

सिट्रस

सिट्रस वाले फल जैसे संतरा नींबू अंगूर आदि में विटामिन सी की मात्रा काफी ज्यादा होती है। यह कोलेजन के निर्माण में आवश्यक होता है और त्वचा को मुलायम बनाएं रखता है। साथ ही इससे त्वचा में भीतरी चमक आती है।

सर्दी-खांसी से तुरंत राहत दिलाए तेजपत्ता

तेजपत्ता न सिर्फ जायके को बढ़ाता है, बल्कि स्वास्थ्य और सौंदर्य वृद्धि के लिए भी कई तरह से फायदेमंद है। यह दांतों की चमक व सफेदी बढ़ाता है। सांस की समस्या होने पर इसे पानी में उबाल लें और उसमें 2-3 तेजपत्ते डालें। अब इसमें 10 मिनट तक भाप बनने दें। फिर इस पानी में एक कपड़ा भिगोएं और यह कपड़ा सीने पर रखें। इससे फ्लू, सर्दी और खांसी कम हो जाती है।

इसलिए जरूरी है ब्रश करना

दांतों की रोज दिन में दो बार सफाई करना बेहद जरूरी है। दांतों की सफाई करने से सांसों की तकलीफ व मुंह की अन्य बीमारियां नहीं होतीं। इसके साथ ही एक हालिया शोध कहता है वयस्कों द्वारा अपने दांतों की उचित देखभाल करना यानी नियमित रूप से ब्रश करना याददाश्त बनाए रखने में मददगार साबित होता है। दांतों और मसूढ़ों की उचित देखभाल न करने से डिमेंशिया का खतरा पैदा हो सकता है।

सेहत के लिए फायदेमंद हैं ये चाय

कमेलिया सिनेंसिस एक सदाबहार झाड़ीनुमा छोटा पौधा है, जिसकी पत्तियों और कलियों का इस्तेमाल खास तरह की चाय बनाने में किया जाता है। वैसे कमीलया थीएसीआई प्लांट का ही जीनस है, जिसे आमतौर पर टी प्लांट, टी शर्ब (झाड़ी) और टी ट्री भी कहा जाता है। इसकी दो प्रमुख किस्में हैं, एक कमेलिया सिनेंसिस की चाइनीस टी और दूसरी कमेलिया, भारत के असम की अस्समिका टी।

सफेद, पीली, हरी, उलोंग, पुएेर और काली चाय सभी इसी पौधे द्वारा प्राप्त की जाती है लेकिन पत्तियों की कटाई की प्रक्रिया और इसे बनाने की विधि सबकी अलग-अलग है। हर एक चाय को ऑक्सीकरण के स्तर पर अलग- अलग ढंग से प्राप्त किया जाता है। कमेलिया चाय के गुण इस बात पर निर्भर करते हैं कि उसकी पत्तियों को कब और कैसे काटा जा रहा है। कुकिचा टी भी कमीलया पौधे से ही बनाई जाती है, इसे बोचा भी कहते हैं। इस चाय की खास बात यह है कि यह पत्तियों से नहीं बल्कि पौधे के तने और टहनियों से तैयार की जाती है। कमेलिया से बनी हर एक चाय को अपने ही औषधीय और रासायनिक गुण है, जिसे गर्म और ठंडे, दोनों रूप में पिया जाता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी यानि हरी चाय, कमेलिया सिनेंसिस पौधे की पत्तियों से ही बनाई जाती है। पहले तो चीन के लोग इसका ज्यादा सेवन करते थे लेकिन अब तो हर जगह इसका सेवन आम हो गया है। आज ग्रीन टी को सेहत के सुपरस्टार के रूप में जाना जाता है। कमेलिया की युवा हरी पत्तियों को काटकर उबाला जाता, फिर सुखाया और पिसा जाता है। इसके बनाने की प्रक्रिया में ऑक्सीकरण न्यूनतम होती है। ग्रीन टी के सेवन से ब्रेन सिस्टम और इम्यून सिस्टम भी दुरुस्त रहता हैं साथ ही शरीर फुर्तीला बनता हैं।

फायदे

- इसका नियमित सेवन करने से सिर्फ रोगों से ही छुटकारा नहीं मिलता बल्कि इससे हमारी प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।
- इसका रोजाना सेवन मोटापा कम करने में मदद करता है। इससे शरीर का मेटाबोलिज्म बढ़ता है और डाइजेस्टिव सिस्टम से जुड़ी परेशानियां खत्म होती है।
- ग्रीन टी में मौजूद एंटीआक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से स्किन की रक्षा करते हैं। चेहरे पर झुर्रियां कम और फेस ग्लोइंग होता है। इसमें मौजूद कैमिकल स्ट्रैस कम करने में सहायक है।
- ग्रीन टी कैंसर के विषाणुओं को मारती है। शोधों की बात करें तो ग्रीन टी पीने वाले लोगों में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा 25 प्रतिशत कम होता है। इससे त्वचा के कैंसर की संभावना भी कम होती है।
- इससे कॉलेस्ट्रोल सही और हाई ब्लड प्रैशर को रोकने में मदद करती है।
- ग्रीन टी के सेवन से अल्जेरिया जैसी बीमारियां ठीक होती है। यह ब्रेन सेल्स को बचाती हैं और डैमेज सेल्स को रिकवर भी करती हैं।

कमेलिया ब्लैक टी के फायदे

रंग गहरा होने की वजह से इसे ब्लैक टी कहा जाता है लेकिन अगर आप इसे गौर से देखें तो यह गहरे सिंदूरी रंग में दिखेगी। इसलिए इसे कई जगहों पर रैड टी भी कहा जाता है। कमेलिया सिनेंसिस की झाड़ी से मिलने वाली यह चाय, ग्रीन व्हाइट और उलोंग टी की पत्तियों से ज्यादा ऑक्सीकृत होती हैं। इसका स्वाद बाकियों के मुकाबले ज्यादा कड़क होता है।ब्लैक चाय में मसाले, लौंग, इलायची और अदरक का मिश्रण तैयार करके भी बनाया जाता है।

फायदे

- ब्लैक टी का स्वाद अधिक समय तक बरकरार रहता है। यह दिल की बीमारियों, कोलेस्ट्रॉल, कैंसर, जैसे समस्याओं से बचाए रखने में मदद करती है।
- दिमागी फुर्ती, प्रतिरक्षा प्रणाली, हड्डियों की मजबूती, वजन को कंट्रोल और एनर्जी को बनाए रखने में भी सहायक होती हैं।
- ब्लैक टी शरीर में तनाव हार्मोन के स्तर को कम करने में सहायक होती है।
- ब्लैक टी में कैटचिन एंटीऑक्सीडेंट होता है जो मुंह के कैंसर के खतरे को कम करता है। ब्लैक टी में फ्लोराइड्स होते हैं जो सांसों की दुर्गंध के साथ कैविटी से हानिकारक बैक्टीरिया को भी बाहर निकालते हैं।

कमेलिया व्हाइट टी

व्हाइट टी बनाने के लिए कमैलिया सिनेंसिस पौधे की यंगेस्ट कलियों और पत्तियों को खिलने से पहले ही बसंत ऋतु में ही काट लिया जाता है। यह आक्सीकृत नहीं होती है। व्हाइट टी में कैफीन की मात्रा पत्तियों की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। फ्लेवर की बात करें तो यह बाकी चायों के मुकाबले मीठी होती है।

फायदे

- चीन के लोग कई सालों से लंबी उम्र और स्वस्थ रहने के लिए व्हाइट टी पीते आ रहे हैं। यह कई बीमारियों से सुरक्षित रखती है।
- वाइट टी, ब्लैक और ग्री टी से कहीं ज्यादा फायदेमंद मानी जाती है। कैंसर से लड़ने की क्षमता, एमिनो एसिड, अधिक जीवाणुरोधी क्षमता, तनाव से राहत पहुंचाने में फायदेमंद साबित होती है।
- यह ब्लड सर्कुलैशन को सही रखने और दिल को सेहतमंद रखने में फायदेमंद है।
- दांतों के बैक्टीरिया से लड़ने में मददगार साबित होती है।

ऊलांग टी

ऊलांग टी काफी हद तक ब्लैक टी की तरह ही होती है लेकिन इसमें चाय की पत्तियों को मशीन में ज्यादा देर तक सुखाया जाता है। फर्मेट होने की वजह से इसका स्वाद कड़क होता है। ब्लैक टी के मुकाबले इसमें अधिक मात्रा में टैनिन होता है। तुरंत चुस्ती और एनर्जी पाने के लिए इसका सेवन कारगार माना जाता है।

फायदे

- ऊलांग टी स्किन की एलर्जी को दूर करने में मददगार है। रोजाना 3 कप ऊलांग टीन पीने से एग्जिमा से निजात पाई जा सकती है। त्वचा की समस्याओं, जलन और सूजन और स्किन इरीटेशन से राहत दिलाता है।

हर्बल टी

हर्बल टी सुखे मेवे, तरह तरह के फल और जड़ी बुटियां डालकर बनाई जाती है इसमें इस्तेमाल की गई अनेक तरह की जड़ी बुटियों से डायबिटीज, नींद और हार्ट से जुड़ी परेशानियों से निजात पाई जा सकती हैं।

पुऐर टी

कमेलिया सिनेंसिस पौधे की पत्तियों और तने से ही तैयार की जाने वाली पुऐर टी रैड ब्राऊन कलर की होती है। ब्लैक और ऊलांग टी की तरह पुऐर टी की पत्तियों भी फर्मेन्टेड होती है।

फायदे

- यह ब्रेन और हार्ट के लिए फायदेमंद होती है।
- फैट बर्न कर वजन को कंट्रोल में रखती है।

यैलो टी

यैलो यानी पीली चाय बहुत ही महंगी और दुर्लभ चाय है। इसे बनाने का तरीका भी यूनिक है। इसे डैम्प कपड़े में भाप (बहुत कम समय के लिए) दी जाती है। आक्सीडेशन के बाद पत्तियों का रंग पीला हो जाता है। इसे उच्च गुणवता वाली चाय में शामिल किया गया है।

फायदे

- कैलेस्ट्रोल कम करने में सहायक
- ब्लड कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर से रोकथाम
- डायबिटीज और लिवर से जुड़ी समस्या में मददगार

फ्लेवर्ड टी

किसी भी तरह की चाय में (ब्लैक, व्हाइट,ग्रीन टी) तरह तरह के फ्लेवर जैसे लौंग, अनार, दालचीनी, ओरेंज, पुदीना, कैफिन आदि डालकर फ्लेवर्ड टी बनाई जाती है। ऐसी चाय से सेहत के साथ साथ जायकों का लुफ्त उठाया जाता है।

ध्यान में रहें

भले ही इन चायों में औषधि गुण भरपूर मात्रा में हैं लेकिन फिर भी इनका सेवन करने से पहले डॉक्टरी परामर्श जरूर लें।

बोलने की प्रैक्टिस करें...

अगर आप लोगों से संपर्क करने और उनके बीच खुल कर बोलने में असहज महसूस करते हैं तो आज से ही इसे बदलने की कोशिश शुरू करें। अंतर्मुखी प्रकृति सफलता में बड़ी बाधा भी बन सकती है। खुद पर विश्वास है तो लोगों के बीच घबराना कैसा? अगर किसी को अचानक एक बड़े जनसमूह के सामने कुछ बोलने के लिए कह दिया जाए तो अधिकतर लोग बुरी तरह घबरा जाते हैं। हालांकि इस बात का आपकी योग्यता से कोई लेना-देना नहीं होता, फिर भी यह बात आपकी छवि को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। ऐसा पढ़ाई के दिनों में, नौकरी के लिए दिए जाने वाले साक्षात्कार के समय, नौकरी के दौरान या कभी भी हो सकता है। इससे लोग आपका सही मूल्यांकन नहीं कर पाते और आप कई अवसरों से चूक जाते हैं। इस हिचक को तोड़ना बहुत मुश्किल भी नहीं है। यह हिचक तोड़ कर आप सफलता के कुछ और करीब हो जाएंगे। बस आपको अपने डर पर काबू पाना होगा।

मजबूत पक्ष याद रखें

दूसरों के सामने बोलने में होने वाली हिचक दरअसल सोशल एंग्जाइटी का नतीजा होती है। ऐसे में आप अपना उद्देश्य याद रखें, ना कि उसमें अपनी सफलता या असफलता। अपनी कमजोरियों के बारे में सोचने की बजाय अपने व्यक्तित्व के मजबूत पक्ष के बारे में सोचें। उन वजहों को तलाशने की कोशिश करें, जिनके कारण आपको झिझक या संकोच महसूस होता है। इसकी तीन संभावित वजहें हो सकती हैं। मुमकिन है कि आप खुद को लेकर आश्वस्त न हों। खुद के बारे में जरूरत से ज्यादा सोचते हों या जब कोई आपकी तारीफ करता है तो आप उस पर यकीन न कर पाते हों। इसे दूर करने के लिए लोगों के बीच बोलने की प्रैक्टिस कर सकते हैं। प्रेरक किताबें पढ़ें। यदि आवश्यकता लगे तो काउंसलर की सहायता भी ले सकते हैं।

परिचितों से करें शुरुआत

लोगों के बीच आत्मविश्वास से बोलने के अभ्यास की पहल दोस्तों से करें। जब आप यहां सहज महसूस करने लगें, तब अपरिचितों के बीच इसे आजमाएं। इसे भी एक-दो लोगों से ही शुरू करें। अगर आप शुरू में ही सीधे बड़े समूह में बात रखने की कोशिश करेंगे तो बहुत अधिक दबाव होने के कारण संभवतः कठिनाई भी ज्यादा होगी। आप पाएंगे कि दो व्यक्तियों के सामने बोलने में आपको तुलनात्मक रूप से ज्यादा आसानी हुई और यह भी कि जल्द ही आपकी हिचक टूट गई और अब विशाल जनसमूह में भी अपनी बात रखने में कोई परेशानी नहीं हो रही है।

अभ्यास की है जरूरत

हिचक मिटाने के लिए आपको नियमित रूप से प्रयास करना जरूरी है। अपने डर पर आपको विजय पानी होगी। उसे खुद पर हावी न होने दें। शुरू-शुरू में ऐसा करने में आप खुद को असहज महसूस करेंगे, लेकिन लगातार प्रयास करते रहें। धीरे-धीरे आप महसूस करेंगे कि आपको अब अपनी बात रखने के लिए प्रयास नहीं करना पड़ रहा है, आप बड़ी सहजता से अपनी बात रख पा रहे हैं।

बेवजह के परिचय से बचें

बड़ा सामाजिक दायरा होने का एक अर्थ यह भी है कि आपको लोगों का सामना करने में हिचक नहीं होती। यह आपके आत्मविश्वासी व्यक्तित्व का द्योतक भी है। आप भी अपना सोशल सर्कल बड़ा करें। इसके लिए खुद अपने क्षेत्र से जुड़े कार्यक्रमों पर नजर रखें। अपने परिचितों से यह कह सकते हैं कि वे ऐसे कार्यक्रमों की जानकारी आपको दे दिया करें। एक समय के बाद आप अपनी मर्जी से भी आयोजनों को चुनें कि कहां जाना है या नहीं जाना है। इसका एक कारण यह भी है कि अंतर्मुखी ना होने का मतलब यह नहीं है कि हर जगह या समूह में आपकी उपस्थिति जरूरी हो। बेमतलब किसी ईवेंट या समूह में न जाएं।

अपनी तैयारी पूरी रखें

अगर आप सच में लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षिक करना चाहते हैं तो इस नुस्खे को आजमाएं। अगर आप किसी सामूहिक आयोजन में जा रहे हैं या कई लोगों के सामने आपको कुछ बोलना है तो विषय आदि के बारे में पूरी जानकारी कर लें। अपनी भाषा पर भी खास ध्यान दें। ऐसी स्थिति में उच्चारण, शब्दों के उचित चयन आदि का विशेष महत्व होता है। उस कार्यक्रम की पूरी रूप-रेखा और वहां आने वाले मेहमानों के बारे में मुकम्मल जानकारी रखें।

अनौपचारिक आयोजनों में वहां आने वाले आगंतुकों की मदद करें, उन्हें कार्यक्रम और मेहमानों के बारे में अपनी तरफ से पहल कर बताएं। इस तरह से आप वहां आने वाले दूसरे लोगों की मदद कर अपनी छवि बेहतर बना सकते हैं और लोग आप पर ध्यान देंगे।

मुस्कराहट से काम लें

किसी भी प्रेजेंटेशन में या कि किसी सामाजिक स्थिति में कई लोगों के बीच मुस्कराहट से आपकी छवि का तुरंत प्रभाव बनता है। इसी से अपनी बात की शुरुआत करें। मुस्कराहट से मानसिक तनाव भी कम हो जाता है और आप ज्यादा आत्मविश्वास अनुभव करते हैं। सुनने वालों से आपका एक जुड़ाव तुरंत बन जाता है। औपचारिक या अनौपचारिक माहौल में भी बोलते समय मुस्कराहट महत्वपूर्ण मानी जाती है।

रेसिपी

स्पिनॅच एंड चिक पि सूप

सामग्री

1 1/2 कप पतली लंबी कटी हुई पालक, 3/4 कप भिगोए और उबले हुए काबूली चने, 2 टी-स्पून जैतून का तेल, 2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरी प्याज़ का सफेद भाग, 3 कप बेसिक वेजिटेबल स्टॉक, नमक और ताज़ी पीसी काली मिर्च स्वादअनुसार, 1 टी-स्पून सूखा ऑरेगानो, 1 टेबल-स्पून नींबू का रस

विधि

एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन, हरी मिर्च और हरी प्याज़ का सफेद भाग डालकर मध्यम आंच पर एक मिनट तक भुनें। पालक और काबुली चना डालकर मध्यम आंच पर और 2 मिनट तक भुनें। बेसिक वेजिटेबल स्टॉक, नमक, काली मिर्च, ऑरेगानो और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिलायें और उबाल लें। तुरंत परोसें।

ओट्स भुर्जी

सामग्री

2 चम्मच ओट्स
2 अंडे और 4 अंडे के सफेद भाग
(वेजिटेरियन इसे पनीर से बदल सकते हैं)
तेल,1 कटी प्याज
हरी मिर्च, टमाटर (पसंद अनुसार) नमक

विधि

एक बड़े कटोरे में अंडे, ओट्स, सब्जियां, हरी मिर्च और नमक मिक्स करें। एक बड़े पैन में गरम करें, उसमें अंडे वाला तैयार मिश्रण डालें। इसे कुछ देर के लिए पकने दें, जब यह पक जाए तब इसे कल्छुली से चलाते हुए भुर्जी बनाएं। फिर इसे आंच से हटा कर इस पर हरी धनिया छिड़कें और सर्व करें।

टिप्स: अगर आप नॉन वेज नहीं खाती, तो अंडे की जगह पर पनीर का प्रयोग करें। इसके लिए तेल में सब्जियां पकाएं, फिर ओट्स मिला कर थोड़ा पानी डाल कर पकाते हुए उसमें पनीर डालें। फिर जब मिश्रण सूख जाए तब इसे उतार लें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)